Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 04 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 197 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

खुद से लड़ो, बाहर के शत्रुओं से क्या लड़ना, जो व्यक्ति खुद से लड़ना सीख जाए, उसे जीवन में आनंद की प्राप्ति होती है।

–भगवान महावीर

Deepika Padukone virtually...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 80,981.95 |
| निफ्टी | : | 24,717.70 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,640 |
| चांदी | : | 90.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### आतंकियों के मददगार 6 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

**SRINAGAR :** जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने 6 सरकारी कर्मचारियों को एंटी नेशनल एक्टिविटी में शामिल होने के चलते बर्खास्त किया है। इनमें 5 पुलिसकर्मी और एक टीचर शामिल है। सभी ड्रग्स के व्यापार और टेरर फंडिंग कर रहे थे। एजली मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने इन कर्मचारियों को बर्खास्त करने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) का इस्तेमाल किया। बर्खास्त कर्मचारियों में हेड कांस्टेबल फारूक अहमद शेख, सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सैफ दीन, खालिद हुसैन शाह, इरशाद अहमद चालकू, कांस्टेबल रहमत शाह और शिक्षक नजम दीन शामिल हैं।

### अमेरिका ने इजरायल की रक्षा के लिए भेजे हथियार

**NEW DELHI :** अमेरिका ने बढ़ते तनाव को देखते हुए मिडिल ईस्ट में और हथियार तैनात करने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने बताया कि अमेरिका इलाके में एक फाइटर जेट स्क्वॉड्रन और एक एयरक्राफ्ट कैरियर तैनात करेगा। इनका लक्ष्य ईरान की तरफ से इजरायल पर हमले की स्थिति में उसकी रक्षा करना होगा दरअसल, तेहरान में हमास चीफ हानियेह की मौत के बाद सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने इजराइल पर सीधा हमला करने की धमकी दी थी। वहीं ईरान समर्थक संगठन हिजबुल्लाह और हूतियों ने भी इजरायल से बदला लेने की बात कही थी। इसके बाद अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मिडिल ईस्ट में बैलिस्टिक मिसाइल वाले क्रूजर और डिस्ट्रॉयर भी तैनात करने का आदेश दिया है। साथ ही अमेरिका वहीं दूसरे बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस वेपन भी भेज रहा है।

### भारतवंशी कमला हैरिस बनीं राष्ट्रपति उम्मीदवार

**NEW DELHI :** अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी से भारतीय मूल की कमला हैरिस राष्ट्रपति उम्मीदवार बन गई हैं। पार्टी में 1 अगस्त से शुरू हुई ऑनलाइन वोटिंग में 28 घंटे बाद ही उन्हें 2350 से ज्यादा डेलीगेट्स का समर्थन मिल गया है। इसी के साथ उन्होंने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। 6 अगस्त को वोटिंग खत्म होने के बाद ही उनके आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की घोषणा की जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कमला को चुनाव खत्म होने तक पार्टी के 99 प्रतिशत यानी 3923 डेलीगेट्स का समर्थन मिलने की उम्मीद है। कमला अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली अश्वेत महिला होंगी। शुक्रवार को बहुमत हासिल करने के बाद उन्होंने कहा, मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं अगले हफ्ते आधिकारिक तौर पर नॉमिनेशन स्वीकार करूंगी। कमला को बहुमत मिलने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, उन्हें उप राष्ट्रपति बनाना मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन फैसलों में से एक था।

# झारखंड के विश्वविद्यालयों में चल रहे अलग-अलग नियम

## 60 की उम्र सीमा पार करने पर हटाए गए थे केयू के एफओ, वीमेंस यूनिवर्सिटी में मिल रहा कार्य विस्तार

## बड़ी विसंगति : डॉ. पीके पाणी के लिए अलग, डॉ जावेद अहमद के लिए अपनाए जा रहे अलग नियम

**ANAND MISHRA @ JSR**

राज्य की किसी यूनिवर्सिटी में नियम-प्रावधानों से हटकर कुछ होता है, तो उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से लेकर राजभवन तक की ओर से हस्तक्षेप कर दिया जाता है। लेकिन शहर स्थित जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी शायद कुछ खास है, जहां नियम-प्रावधानों से परे भी कोई कार्य अथवा अधिकारियों को कार्यकाल विस्तार मिलता है। इस विश्वविद्यालय में उम्रसीमा को नजरअंदाज कर वित्त पदाधिकारी (एफओ) और परीक्षा नियंत्रक (सीई) को लगातार कार्यकाल विस्तार दिया जा रहा है, जबकि कुछ ही साल पहले कोल्हान विश्वविद्यालय में इस तरह के मामले में राजभवन की ओर से हस्तक्षेप किया गया था।

### महिला विवि : एक अकाउंट से दूसरे में ट्रांसफर किए गए करोड़ों रुपये

**सिदगोड़ा स्थित जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में सामने आ रहे नित नए मामले, छात्र संगठनों में असंतोष**

महिला विवि पर भारी वित्त पदाधिकारी, बेटी के लिए की दूसरे की हकमारी

व्याज दर अधिक फिर भी कर ली गई निकासी

उच्च-तकनीकी शिक्षा विभाग व राजभवन में शिकायत की तैयारी

वाटर कूलर लगाने में भी कमीशनखोरी!

अस्थायी कर्मचारी इतना पावरफुल कैसे

कुलपति की पीए के पति हैं आईसीआईसीआई बैंक में

### क्या हुआ था कोल्हान यूनिवर्सिटी में

कोल्हान विश्वविद्यालय में तत्कालीन वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पाणि थे। वे भली-भांति अपने कार्य का निर्वहन कर रहे थे। इस बीच राजभवन का एक पत्र विश्वविद्यालय को मिला। पत्र के माध्यम से राजभवन की ओर से 60 वर्ष की उम्रसीमा पार करने का हवाला देते हुए डॉ पाणि के वित्त पदाधिकारी बने रहने पर आपत्ति जतायी गयी थी। उसके बाद विश्वविद्यालय के वित्त पदाधिकारी को बदला गया था।

### विभाग व राजभवन की ओर से नहीं उठाया जा रहा कदम

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में एफओ डॉ जावेद अहमद और सीई डॉ रमा सुब्रह्मण्यम को लगातार कार्यकाल विस्तार मिल रहा है। हालांकि इन दोनों पदाधिकारियों की उम्र 60 वर्ष से अधिक हो चुकी है। बावजूद इस पर न तो उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और न ही राजभवन की ओर से कोई कदम उठाया जा रहा है। पिछले ही महीने एफओ का कार्यकाल समाप्त होने पर विश्वविद्यालय की ओर से पत्र भेजा गया था। जानकारी के अनुसार पत्र में पुनः डॉ जावेद अहमद का नाम शामिल किया गया था। दो दिन के अंदर डॉ अहमद को कार्यकाल विस्तार मिल गया। वहीं डॉ रमा सुब्रह्मण्यम को तय उम्रसीमा पार करने के बाद भी लगातार परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार सौंपा जा रहा है। जानकारी के अनुसार डॉ अहमद की उम्र करीब 63 और डॉ रमा सुब्रह्मण्यम की उम्र करीब 62 वर्ष हो चुकी है। बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन के चहेते डॉ अहमद वित्तीय और डॉ रमा सुब्रह्मण्यम परीक्षा विभाग का कार्य देख रही हैं। विश्वविद्यालय ने साठ की उम्र पार कर चुके दोनों शिक्षकों का नाम तीसरी बार भेजकर नियमों और प्रावधानों को नजरअंदाज किया है। यह समझ से परे है कि कोल्हान विश्वविद्यालय में डॉ. पी के पाणि के लिए अलग नियम था और कभी उसी का हिस्सा रहे कॉलेज जो अब जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी है, में डॉ. अहमद के लिए अलग नियम चलाया जा रहा है। हालांकि जब तक कोई नया विश्वविद्यालय विधिवत अपना अलग नियम नहीं बना लेता तब तक मूल संस्था के नियम-व्यवहार ही चलते हैं।

### आदेश के बाद भी नहीं बदले गए एफओ-सीई

सर्वविदित है कि वित्त पदाधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक की उम्रसीमा को लेकर राजभवन की ओर से राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा गया था। पत्र के आलोक में कोल्हान विश्वविद्यालय से वित्त पदाधिकारी डॉ पीके पाणि को पदमुक्त करते हुए इस पद के लिए नाम मांगा गया था। इसके अलावा विनोबा भावे विश्वविद्यालय में भी यह कार्रवाई हुई थी।

# अब पुलिस भी असुरक्षित, कांके रिंग रोड स्थित इंडियन ढाबा से लौटते समय अनुपम कच्छप को उतार दिया मौत के घाट

# स्पेशल ब्रांच के दारोगा को मारी गोली, चली गई जान

## सब-इंस्पेक्टर की डेड बॉडी कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड से की गई बरामद

## जानकारी मिलते ही पुलिस महकमा में मचा हड़कंप, 14 लोग हिरासत में

**CRIME REPORTER RANCHI :** शनिवार को झारखंड की राजधानी रांची में स्पेशल ब्रांच में तैनात साल 2018 बैच के सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। अनुपम कच्छप नाम के सब-इंस्पेक्टर का शव कांके थाना क्षेत्र के रांची रिंग रोड से बरामद किया गया है। अनुपम को अपराधियों ने दो गोलियां मारी हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अनुपम की हत्या की सूचना मिलते ही रांची पुलिस में हड़कंप मच गया। स्पेशल ब्रांच के आईजी, डीआईजी, रांची पुलिस के डीआईजी, एसएसपी समेत कई अधिकारी रिम्स पहुंचे। रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि कांके रिंग रोड स्थित इंडियन ढाबा से लौटते वक्त अनुपम की हत्या कर दी गई। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में 14 लोगों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि विभाग के ही दो अन्य सब-इंस्पेक्टर रिंग रोड के एक होटल में खाना खाने आए थे। हत्या का शक उसके दोस्तों पर ही जा रही है। घटना के बाद उनके एक दोस्त ने शव को रिम्स पहुंचाया, जबकि उसके दूसरे दोस्त ने कांके थाना पुलिस को सूचना दी। दोनों सहकर्मी कांके थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

पेज 03 भी देखें।

सब-इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की फाइल फोटो।

रांची के पुलिस लाइन में स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर आईजी प्रभात कुमार, डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल सहित कई पुलिस पधाधिकारी मौजूद रहे।

### पीठ को भेदते हुए आर-पार हो गई गोली

अनुपम को पीठ के पीछे से गोली मारी गई। पीठ को भेदते हुए आर-पार हो गई गोली गोली पीठ को भेदते हुए आर-पार हो गई। घटनास्थल पर अनुपम का मोबाइल व मोटरसाइकिल पाई गई है। पुलिस विभाग में रहते हुए उनके दोस्तों ने बिना कांके पुलिस को सूचना दिए शव को रिम्स ले गए। जिसके शक की सुई उनके दोस्तों पर गहरा गई है। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी चंदन कुमार अहले सुबह 5:30 बजे घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। कांके पुलिस छानबीन में लगी है। वह कई लोगों से पूछताछ कर पुलिस हत्या के वजहों को खंगालने की कोशिश कर रही है। बता दें कि झारखंड के नए डीजीपी अनुराग गुप्ता शनिवार को जिले के तमाम बड़े पदाधिकारियों के साथ एसएसपी कार्यालय में बैठक करने वाले थे। बैठक की मुख्य वजह राजधानी में बढ़ती अपराध पर काबू पाना है। हाल के दिनों अपराधियों ने खुलेआम कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है। दो दिन पूर्व ही कांके रोड में एक कांग्रेस नेता पर अपराधियों ने गोली चलाई थी। गनीमत रही कि गोली उसके घुटने पर लगी। फिलहाल वह रिम्स में भर्ती है। वारदात के समय में वह एक होटल के समीप खड़े थे। शुक्रवार को सिविल कोर्ट के अधिवक्ता को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया था।

### छोटे भाई को मारा गया है, कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा : डीजीपी

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता खुद पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं। रिम्स में अनुपम के परिजनों से मुलाकात के बाद झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता काफी भावुक नजर आए। कहा कि अनुपम छोटे भाई की तरह था, उसके हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि बीआईटी सिंदरी से 2014 में बीटेक करने वाले अनुपम रांची के खूंटी जिले के रहने वाले थे। अनुपम झारखंड पुलिस मुख्यालय स्थित स्पेशल ब्रांच में पदस्थापित थे जहां वे अपराधियों पर शिकंजा कसते थे।

### हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित

रांची में स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कुमार कच्छप की हत्या की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का किया गया है। एसआईटी को 72 घंटे में मामले का खुलासा करने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-प्रथम) अमर कुमार पांडेय इस टीम की अगुवाई करेंगे। पुलिस ने बताया कि अनुपम कुमार को गोली मारने वाले अज्ञात अपराधकर्मियों की पहचान के लिए डीएसपी (मुख्यालय-प्रथम) के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी में सिल्ली के डीएसपी रणवीर सिंह, पुलिस निरीक्षक सह कांके के थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा, टाटीसिल्वे के थाना प्रभारी मनोज कुमार, कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा, धुर्वा के थाना प्रभारी केके साहू, लालपुर के थाना प्रभारी रूपेश कुमार सिंह, पुलिस केंद्र रांची में तैनात पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार, पुलिस केंद्र रांची के कमलेश पासवान और तकनीकी शाखा के पदाधिकारियों को शामिल किया गया है।

### चार दिन पहले गुमला में जवान की गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

गुमला में चार दिन पहले साहेबगंज जिला पुलिस के जवान और गुमला विशुनपुर थाना क्षेत्र के टीटीही गांव के निवासी अभिषेक उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना नेतरहाट घाटी में हुई थी। इस घटना का जिम्मा राहुल सिंह नाम के अपराधिक गिरोह ने ली थी।

# पेरिस ओलिंपिक में रांची की दीपिका ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को पेरिस ओलिंपिक की तीरंदाजी प्रतियोगिता में झारखंड की रांची की बेटी दीपिका कुमारी ने जर्मनी की मिशेल को 6-4 से मुकाबले में मात देकर अपनी जगह क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में दीपिका को इंडिविजुअल कैटेगरी के मुकाबले में कोरिया की नैम सू योन ने 6-4 से पराजित कर दिया। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए रोमांचक मुकाबले में जर्मनी की मिशेल ने पांचवें सेट की शुरूआत में नौ का स्कोर किया, जबकि दीपिका सिर्फ पांच का ही स्कोर कर सकी। मिशेल ने अगले प्रयास में भी नौ का स्कोर किया, लेकिन दीपिका ने वापसी करते हुए दोनों अच्छे शॉट खेले। मिशेल ने कुल 27 का स्कोर बनाया, जबकि दीपिका ने भी 27 का स्कोर किया। यह सेट टाई रहा और दीपिका 6-4 से इस मैच को जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। एक ऑटो-रिक्शा चालक के घर में जन्मी दीपिका के लिए तीरंदाजी के उपकरण जुटाना बेहद मुश्किल था। इसके बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ा। बांस के बने उपकरणों से अभ्यास करके उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा।

- बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जर्मनी की मिशेल को 6-4 से कर दिया था पराजित
- कोरिया की नैम सू योन से 6-4 से हारीं

### पदकों की हैट्रिक लगाने से चूकीं मनु

**NEW DELHI :** शनिवार को पेरिस ओलिंपिक में पदकों की हैट्रिक लगाने का मनु भाकर का सपना 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में कांस्य पदक के लिए हंगरी की खिलाड़ी से शूट ऑफ में पिछड़ने के बाद पूरा नहीं हो सका। आठ निशानेबाजों के करीबी फाइनल में मनु ने अपना सब कुछ झोंक दिया और कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर भी रहीं, लेकिन अपनी निरंतरता बरकरार नहीं रख सकीं। इस 22 साल की खिलाड़ी ने हालांकि महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दो कांस्य पदक जीत कर पहले ही इतिहास रच दिया है। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय है। मनु पांच-पांच निशाने के 10 सीरीज के फाइनल में शुरूआती आठ सीरीज के बाद 28 अंक के साथ हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर थी।

## जिरिबाम में उपद्रवियों ने की फायरिंग

# शांति समझौते के अगले दिन ही मणिपुर में हिंसा

**AGENCY IMPHAL :** मणिपुर के जिरिबाम में शांति बहाल करने के समझौते के 24 घंटे के भीतर फिर से हिंसा भड़क गई। जिरिबाम के लालपानी गांव में शुक्रवार की रात में हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई रहता नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकतर लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया है। मैतेई और कुकी समुदायों ने 1 अगस्त को असम के कछार से सटे सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में एक बैठक के बाद शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए थे।

- फूंक दिया घर, कुकी-मैतेई ने हालात सुधारने का दिया था भरोसा

### मणिपुर से जम्मू कश्मीर भेजी जाएंगी असम राइफल्स की दो बटालियन

**NEW DELHI :** मणिपुर में तैनात असम राइफल्स की दो बटालियन को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इन बटालियन में 1500 जवान हैं, जिन्हें जम्मू-कश्मीर में बढ़ती टेरर एक्टिविटी के चलते वहां भेजा जा रहा है। मणिपुर में असम राइफल्स के इन जवानों की जगह सीआरपीएफ की तैनाती की जाएगी। इससे पहले जम्मू कश्मीर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए दो हजार जवानों वाली बीएसएफ की दो बटालियन को ओडिशा से वापस जम्मू-कश्मीर बुलाया गया था। इन जवानों को ओडिशा में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात किया गया था। इसमें 2000 से अधिक जवान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच एक सुरक्षा बैठक की थी। इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद थे। मणिपुर से असम राइफल्स हटाकर सीआरपीएफ की तैनाती के खिलाफ 10 कुकी-जो विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी है।

## वायनाड में लैंडस्लाइड के पांचवें दिन भी बचाव व राहत अभियान जारी

# जीवित लोगों की खोज में तत्पर इंडियन आर्मी के जवान

**AGENCY NEW DELHI :** शनिवार को केरल में वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में पांचवें दिन भी भारतीय सेनाओं का बचाव और राहत अभियान जारी रहा। प्रभावित लोगों को भोजन सामग्री पहुंचाने के साथ ही नौसेना की कई टीमों को जीवित बचे लोगों की खोज, मलबे को साफ करने और शवों को बरामद करने के लिए तैनात किया गया है। भारतीय सेना के चूरलमाला में इरुवानिपझा नदी पर बेली ब्रिज का निर्माण करने से बचाव अभियान में काफी तेजी आई है। भारतीय नौसेना ने खराब मौसम और दुर्गम भूभाग के बावजूद आपदा से प्रभावित स्थानीय समुदाय की सहायता करने के लिए एझिमाला से आईएनएस जमोरिन के जरिए अतिरिक्त कर्मियों, स्टोर, संसाधनों और आवश्यक आपूर्ति को अंजाम दिया है। वर्तमान में 78 नौसेना कर्मी चल रहे बचाव अभियान में शामिल हैं। इन टीमों को चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्र के कई स्थानों पर तैनात किया गया है और वे आपदा राहत एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को भोजन सामग्री की निरंतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए एक टीम तैनात की गई है जबकि अन्य टीमों को जीवित बचे लोगों की खोज, मलबे को साफ करने और शवों को बरामद करने के लिए तैनात किया गया है। घायलों को चिकित्सा सहायता देने के लिए चूरलमाला में एक चिकित्सा चौकी स्थापित की गई है। नौसेना के तीन अधिकारियों और 30 नौसैनिकों की एक टीम ने भूस्खलन से अलग-थलग पड़े चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों को जोड़ने वाले बेली ब्रिज के निर्माण में भी मदद की है।

## बेली ब्रिज का निर्माण करने से बचाव अभियान में आई काफी तेजी

### 206 लोग अब भी लापता : पिनराई विजयन

शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि आपदा प्रभावित वायनाड में तलाश और बचाव अभियान अपने अंतिम चरण में है, लेकिन 206 लोग अब भी लापता हैं। विजयन ने यहां पत्रकारों से कहा कि चलियार नदी से बरामद शवों और मानव अंगों की पहचान करने में समस्या है। वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से अब तक 215 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें 87 महिलाएं, 98 पुरुष और 30 बच्चे शामिल हैं। अब तक 148 शव सौंपे जा चुके हैं और 206 लोग लापता हैं। विभिन्न अस्पतालों में 81 लोगों का इलाज जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 67 शवों की अभी पहचान नहीं हो पाई है और पंचायतें उनका अंतिम संस्कार करेंगी।

# मध्यमहेश्वर में करें शिव की नाभि के दर्शन

**रुद्रप्रयाग जिले में स्थित इस मंदिर में भगवान शिव की नाभि की पूजा की जाती है। यह मंदिर धार्मिक आस्था के साथ साथ साहसिक पर्यटन के लिए भी जाना जाता है। युवाओं में यह अपने खूबसूरत ट्रेक को लेकर काफी लोकप्रिय है। इसलिए यहाँ आकर उनका उत्साह दोगुना हो जाता है। सर्दियों के मौसम में जब बर्फ.नहीं होती है और रास्ता खुला होता है तो यहाँ काफी भीड़ रहती है। इस जगह का ट्रेक करते हुए आप हिमालय की चोटियों का ऐसा अद्भुत दृश्य दिखाई देता है कि आपका मन आकर्षित हुए बिना नहीं रह पाएगा। इसलिए हमने आखिरकार इस जगह पर जाकर मध्यमहेश्वर ट्रेक और शिव मंदिर के दर्शन का विचार बना लिया।**

घुमक्कड़ की पाती
संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

भगवान शिव को समर्पित मध्यमहेश्वर मंदिर पंचकेदारों में दूसरे नंबर पर आता है। यह हमारे पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में पड़ता है। इस मंदिर की कथा महाभारत काल के पांडवों से जुड़ी हुई है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित इस मंदिर में भगवान शिव की नाभि की पूजा की जाती है। यह मंदिर धार्मिक आस्था के साथ साथ साहसिक पर्यटन के लिए भी जाना जाता है। युवाओं में यह अपने खूबसूरत ट्रेक को लेकर काफी लोकप्रिय है। इसलिए यहाँ आकर उनका उत्साह दोगुना हो जाता है। सर्दियों के मौसम में जब बर्फ.नहीं होती है और रास्ता खुला होता है तो यहाँ काफी भीड़ रहती है। इस जगह का ट्रेक करते हुए आप हिमालय की चोटियों का ऐसा अद्भुत दृश्य दिखाई देता है कि आपका मन आकर्षित हुए बिना नहीं रह पाएगा। इसलिए हमने आखिरकार इस जगह पर जाकर मध्यमहेश्वर ट्रेक और शिव मंदिर के दर्शन का विचार बना लिया।

### पंचकेदारों में दूसरा स्थान

पंचकेदार के ये सभी स्थान धार्मिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। बैल का जो हिस्सा भीम ने पकड़ लिया था, वहां केदारनाथ मंदिर स्थित है और सभी केदारों में पहले स्थान पर आता है। मध्यमहेश्वर मंदिर जिसकी हम इस लेख में बात कर रहे हैं, यह पंचकेदार में दूसरे स्थान पर आता है। इसमें भगवान शिव के बैल रुपी अवतार की नाभि प्रकट हुई थी। अन्य तीन केदारों में तुंगनाथ में उसकी भुजाएं, रुद्रनाथ में मुख व कल्पेश्वर में जटाएं प्रकट हुईं थीं और धार्मिक रूप से इन जगहों का बहुत ही उच्च और विशिष्ट महत्व है।

### करनी होगी 18 किमी ट्रेकिंग

मध्यमहेश्वर मंदिर जाने का हर किसी का सपना होता है। यह मंदिर समुद्रतल से 11,473 फीट की ऊंचाई पर रुद्रप्रयाग जिले में उखीमठ के पास स्थित है। मध्यमहेश्वर जाने के लिए सबसे पहले उखीमठ से रांसी गाँव जाना पड़ता है, जो 20 से 25 किलोमीटर दूर है। रांसी गाँव से ही मध्यमहेश्वर का ट्रेक शुरू होता है, जो 18 किलोमीटर का है। मध्यमहेश्वर मंदिर यात्रा करने वाले सैलानियों को यह 18 किमी का रास्ता पैदल चलकर पार करना पड़ता है। मध्यमहेश्वर मंदिर की इस यात्रा में घने जंगल, मखमली घास के मैदान, पुष्प, पशु-पक्षी इत्यादि देखने को मिलते हैं। ट्रेक के बीच में कई गाँव पड़ते हैं, जिसमें गौंडार गाँव काफी लोकप्रिय है। इस जगह पर ठहरने आदि की सुविधा मौजूद है।

### कई खूबसूरत चोटियों के दर्शन

बूढ़ा मध्यमहेश्वर मंदिर का ट्रेक थोड़ा कठिन है। यह मध्यमहेश्वर मंदिर से ऊपर दो-तीन किलोमीटर का ट्रेक करने के बाद आता है। यह जगह इतनी खूबसूरत है कि 18 किमी का लंबा ट्रेक करने के बावजूद भी लोगों का साहस कम नहीं होता है। जो लोग मध्यमहेश्वर मंदिर आते हैं वे बूढ़ा मध्यमहेश्वर जरूर जाते हैं। इसका मुख्य कारण है, यहाँ से दिखने वाले हिमालय के अद्भुत और खूबसूरत दृश्य। इस जगह से हिमालय की चौखम्भा चोटियां बहुत ही खूबसूरत दिखाई देती हैं। इस जगह से आप हिमालय की चौखम्भा की चोटियों के साथ-साथ नीलकंठ, केदारनाथ, पंचुली व त्रिशूल की चोटियों की खूबसूरती को अच्छी तरह से देख सकते हैं।

### विश्राम की मिलेगी सुविधा

रांसी गाँव से चलने पर सबसे पहले गौंडार गाँव आता है। रांसी से गौंडार का 6 किमी के ट्रेक में ज्यादा चढ़ाई नहीं है और आप आसानी से पार कर लेंगे। यह रास्ता भी पत्थरों और पगडंडियों की सहायता से सुगम बनाया गया है। गौंडार गाँव से आगे मध्यमहेश्वर का 12 किमी का ट्रेक बहुत दुर्गम है, क्योंकि यहाँ से सीधी चढ़ाई शुरू हो जाती है। इस रास्ते में आपको रहने या विश्राम करने के लिए कुछ जगहें मिल जाएंगी, लेकिन आखिरी स्थान गौंडार ही हैं। इस गाँव में आपको होमस्टे आदि की आधारभूत सुविधा मिल जाएगी, पर इससे आगे के सफर के लिए आपको अपनी तैयारी खुद करके ही आगे निकलना चाहिए।

### सीधी चढ़ाई वाली ट्रेकिंग

मध्यमहेश्वर का ट्रेक मध्यम श्रेणी का होते हुए भी काफी लंबा और सीधी चढ़ाई वाला है, जो थका देता है। पंचकेदारों में मध्यमहेश्वर के ट्रेक को कठिन ट्रेक में गिना जाता है और ट्रेक में सुविधायों का भी भारी अभाव है। इसमें आपको केदारनाथ जैसी सुविधाएं नहीं मिलेंगी। आपको उखीमठ से रांसी के लिए अमूमन सीधी बस मिल जाती है और यदि नहीं मिले तो आप मनसुना या उनियाना चले जाएं। इस जगह से रांसी के लिए टैक्सी या जीप मिल जाती है। पहले जब आगे का मार्ग बना नही था, तो मध्यमहेश्वर की यात्रा मनसुना गाँव से शुरू होती थी।

### सुकून देंगे प्राकृतिक झरने

मध्यमहेश्वर मंदिर के ट्रेक में मध्यमहेश्वर गंगा नदी और कुछ प्राकृतिक झरने भी मिलते हैं, जहां हाथ-मुंह धोकर अपनी पानी की बोतलें भर सकते हैं। 18 किमी की चढ़ाई के बाद आप मध्यमहेश्वर मंदिर पहुँच जाएंगे। मंदिर दर्शन के उपरांत इस जगह पर कुछ समय व्यतीत करें और फिर बूढ़ा मध्यमहेश्वर के ट्रेक के लिए निकल पड़ें। यह ट्रेक नही किया तो इस यात्रा का आनंद अधूरा रह जाएगा।

### आसपास भी कई दर्शनीय स्थल

इसके आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं। इस यात्रा के बाद यदि आप कहीं और जाना और घूमना चाहते हैं तो कंडिया, हमेशा, धनपाल, पंचगंगा, पनार बुग्याल क्षेत्र का चुनाव कर सकते हैं। यहीं पर कल्पेश्वर शिव मंदिर,माता अनुसूया मंदिर, गोपीनाथ मंदिर, तुंगनाथ शिव मंदिर, लौह त्रिशूल, नंदीकुंड, राकेश्वरी मंदिर, रांसी गाँव, चंद्रशिला पहाड़ी, देवरिया ताल झील आदि भी स्थित हैं।

### पार्वती के साथ सरस्वती मंदिर

मध्यमहेश्वर मंदिर की संरचना की बात की जाए तो रांसी गाँव से 18 किलोमीटर का मध्यमेश्वर मंदिर का ट्रेक करके जब आप ऊपर पहुंचेगे तो ठीक सामने बड़े-बड़े पत्थरों से बना विशाल मंदिर दिखाई देगा। वही मध्यमेश्वर मंदिर है जिसके गर्भगृह में भगवान शिव को समर्पित नाभि के आकार का काले पत्थरों से बनाया गया शिवलिंग स्थापित है। मंदिर में दो मूर्तियाँ भी हैं, जिनमें से एक केवाल माता पार्वती की है और दूसरी भगवान शिव और माता पार्वती की है, जिनके अर्धनारीश्वर रूप की पूजा की जाती है। मध्यमहेश्वर मंदिर के बिल्कुल पास में ही एक और मंदिर है, जिसमें माता सरस्वती की मूर्ति है। मुख्य मंदिर से कुछ ही और दूरी पर एक मंदिर है, जिसे बूढ़ा मध्यमहेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की भी युवाओं में बहुत ज्यादा मान्यता है।

### शिव-पार्वती भी खूबसूरती से हो गए थे मुग्ध

मध्यमहेश्वर मंदिर एक बहुत ही पौराणिक मंदिर है। इस मंदिर के निर्माण को लेकर मान्यता है कि यह महाभारत काल का मंदिर है, जिसका निर्माण पांडवों ने किया था। इस संबंध में एक लोककथा प्रचलित है कि पांडव महाभारत का युद्ध जीतने के बाद भी कई तरह के पापों के भागीदार हो गए थे और वे गोत्र हत्या के पाप से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव के पास गए थे। लेकिन शिव पांडवों से बहुत ज्यादा क्रुद्ध थे, इसलिए वे बैल का अवतार लेकर धरती में समाने लगे पर भीम ने उन्हें देख लिया। भीम ने उस बैल को पकड़ने की कोशिश किया पर उसका पिछला हिस्सा ही हाथ में आया। शिव काफी हद तक मिट्टी में समा गए बैल के पीछे वाला भाग वहीं रह गया, जबकि चार अन्य भाग चार हिमालय के विभिन्न स्थानों पर निकले। इन पाँचों स्थानों पर पांडवों ने शिवलिंग स्थापित कर शिव मंदिरों का निर्माण किया, जिन्हें हम वर्तमान में पंचकेदार कहते हैं। एक पौराणिक मान्यता यह भी है कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को देखते हुए भगवान शिव और माता पार्वती मुग्ध हो गए थे और उन्होंने इस जगह पर मधुचंद्र रात्रि बिताई थी। इसकी वजह से इस स्थल की धार्मिक महत्ता और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

### मध्यमहेश्वर मंदिर ट्रेक के लिए टिप्स

मध्यमहेश्वर मंदिर ट्रेक करने का मन बना रहे हैं तो कुछ बातों का आवश्यक रूप से ध्यान रखना चाहिए। जैसे कि यहाँ का मौसम वर्ष भर ठंडा रहता है, इसलिए गर्म कपड़े साथ रखें, ट्रेकिंग वाले जूते व एक छड़ी भी साथ में रखें, थोड़ी बहुत जानकारी पहले से जुटा लें। इस जगह पर मोबाइल का सिग्नल बहुत कम मिलता है और मंदिर के अंदर फोटोग्राफी करना पूरी तरह से निषेध है। बारिश के मौसम में यहाँ आने से बचें, क्योंकि ट्रेक मुश्किल और खतरनाक साबित हो सकता है। नवंबर से लेकर अप्रैल तक मंदिर के कपाट बंद रहते हैं।

## कविता

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर

### रे मन! काहे इठलाये तू...

रे मन! काहे इठलाये तू, पलभर का ये प्यार दिखे,
निज कर्मो का भोग यहीं पर,फलित, त्वरित-व्यवहार दिखे।
पाप बढ़े जब-जब धरती पर, प्रकृति भयंकर रूप धरे ,
प्रकृति कोप से बचे न कोई, मानव हाहाकार करे।
न समझे अज्ञानी मनवा, बेबस अरु लाचार दिखे,
रे मन! काहे इठलाये तू,पलभर के ये प्यार दिखे।
अपना सुख लगता मधुवन-सा, दूजे को परिहार करे,
जब आक्रोशित बादल फटते, नयनन सावन धार गिरे।
करे याचना प्रभु! से प्रतिपल, अन्तर्मन प्रतिकार दिखे
रे मन! काहे इठलाये तू, पलभर का ये प्यार दिखे।
करे क्रूरता जीवों पर तू , निज स्वारथ हित कृत्य करे,
फिर घबराता क्यूँ रे मनवा, प्रभु जन-मन में नृत्य करे।
निज भ्रम से तू निकल जरा अब, मृदु 'माधवी' पुकार दिखे

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

## 70MM

# जला दो इसे, फूंक डालो ये दुनिया

विमल चंद्र पाण्डेय

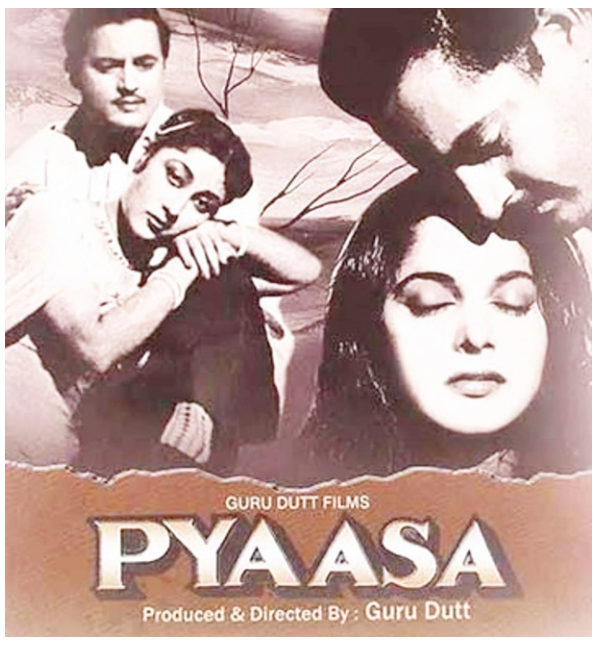


गुरुदत्त की 1957 में आई फिल्म प्यासा मानवीय रिश्तों और उनकी निरर्थकता की बात करने वाली दुनिया की सबसे सशक्त फिल्मों में से एक है। बाजी, जाल, आर-पार और सीआईडी जैसी थ्रिलर और मिस्टर एंड मिसेज-55 जैसी हास्य फिल्म के बाद आई यह फिल्म गुरुदत्त के कॅरियर ग्राफ को पूरी तरह से बदल देती है और उन्हें भारत के सबसे संवेदनशील निर्देशकों की कतार में लाकर खड़ा कर देती है, जिस कतार से उन्हें बाद में कागज के फूल निकालती है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों के खांचे में डालती है।

विजय एक शायर है, जो अपनी नज्में छपवाने के लिए अखबारों और पत्रिकाओं के दफ्तरों में चक्कर लगाता रहता है, लेकिन कोई संपादक उसे घास नहीं डालता, क्योंकि उन्हें गुल-ओ-बुलबुल, जाम और सुराही पर शेर चाहिए, जबकि विजय की नज्में भूख और बेरोजगारी पर हैं। विजय के घर में सिर्फ उसकी माँ है, जो उसकी परवाह करती है। उसके दोनों भाई उसके काम न करने पर बहुत नाराज रहते हैं और उसे ताने देते रहते हैं। विजय के नज्मों की फाईल उसके भाई कबाड़ी वाले को बेच देते हैं और परेशान विजय उन्हें ढूंढने में नाकामयाब होने के बाद निराश हो जाता है कि उसकी अपनी ही नज्म गाती हुई एक लड़की से मुलाकात होती है। वह उस लड़की का पीछा करता है तो उसे पता चलता है कि वह गुलाबो नाम की एक वेश्या है, जिसने उसकी नज्मों वाली फाईल खरीद ली थी। विजय के कॉलेज के जमाने की उसकी प्रेमिका मीना उसकी गरीबी की वजह से एक अमीर प्रकाशक से शादी कर लेती है और बाद में वही प्रकाशक विजय को नौकरी पर रख लेता है। मीना लौट कर विजय के पास आना चाहती है, लेकिन विजय उसे नकार देता है। एक नाटकीय घटनाक्रम में विजय ठंड से ठिठुरते एक भिखारी को अपना कोट उतार कर दे देता है और उस भिखारी की एक दुर्घटना में मौत हो जाती है। दुनिया समझती है की विजय मर गया और उसे चाहने वाली और उसके नज्मों की प्रशंसक गुलाबो उसकी नज्मों को छपवा देती है। उसके नज्मों की किताब छपते ही विजय मशहूर हो जाता है।

विजय का इलाज मानसिक चिकित्सालय में हो रहा होता है, जहाँ वह अपनी नज्म सुनकर ठीक हो जाता है और अपने चम्पी करने वाले दोस्त अब्दुल सत्तार की मदद से मानसिक चिकित्सालय से भाग जाता है। इधर विजय के दोनों भाई उस प्रकाशक के पास जाकर अपना हिस्सा मांगते हैं, क्योंकि विजय के न रहने की स्थिति में उन्हें विजय के किताब की रायल्टी मिलनी चाहिए। प्रकाशक घोष बाबू यानी मीना के पति उन्हें भगाने वाले होते हैं कि उन्हें पता चलता है कि विजय जिंदा है और कभी भी वापस आ सकता है। वह उन्हें इस बात पार राजी कर लेते हैं कि दोनों भाई विजय को देख कर उसे नहीं पहचानेंगे। यहाँ तक फिल्म बहुत अच्छी है और एक अच्छी फिल्म की तरह अच्छे गीतों, अच्छे अभिनय और अच्छे छायांकन से दर्शकों को बांधे रखती है, लेकिन इसके बाद फिल्म का वह हिस्सा शुरू होता है जो पूरी दुनिया को इस फिल्म का मुरीद बना देता है और हर दौर में कालजयी होने का वरदान दे जाता है।

विजय लौट कर उस दुनिया में वापस आता है, जहाँ वो मरा हुआ मान लिया गया है। उसकी नज्में सबकी जबान पर हैं और लोग उसके मुरीद हुए जा रहे हैं। उससे सम्बन्ध निकलना और उसे अपना परिचित बताने में फख्र महसूस कर रहे हैं। वह दुनिया का यह रूप देखता है और एक गहरी वितृष्णा उसके भीतर भरती जाती है। यह वही दुनिया है जहाँ मरने से पहले सम्मान दिए जाने की परंपरा नहीं है। यह वही दुनिया है जहाँ मौत के बाद बुत बनाए जाते हैं, लेकिन जिंदा रहते कोई आंसू पोंछने नहीं आता। यह वही दुनिया है, जहाँ दुनिया छोड़ देने के बाद सम्मान और सभाएं आयोजित की जाती है और जिंदा इंसान के जज्बात की कोई कद्र नहीं की जाती। यह वही दुनिया है, जहाँ मर चुका आदमी महान और प्रतिभावान बताया जाता है और जिंदा रहते उसे बेकार कहा जाता है और उसकी शायरी की हजामत से तुलना की जाती है। विजय को यह दुनिया नहीं चाहिए, वह इस दुनिया में आग लगा देना चाहता है। उसके भाई, जिनसे उसका खून का रिश्ता है, उसे पैसों के लिए नहीं पहचानते और उसकी प्रेमिका धनवान इंसान से शादी करने के लिए उसे छोड़ चुकी है। वह इस दुनिया की असलियत को समझ चुका है और इसका बहिष्कार कर देता है।

विजय जब सभागार में पहुँचता है तो देखता है कि पूरा सभागार खचाखच भरा हुआ है और उसकी मौत को अपने फायदे का धंधा बनने वाला प्रकाशक माईक पर कह रहा है, 'दोस्तों, आपको पता है कि हम आज यहाँ 'शायर-ए-आजम' विजय मरहूम की बरसी मनाने इकठ्ठा हुए हैं। पिछले साल आज ही के दिन वह मनहूस घडी आई थी, जिसने इस दुनिया से 'इतना बड़ा शायर' छीन लिया। अगर हो सकता तो मैं अपनी सारी दौलत लुटा कर, खुद मिटकर भी विजय को बचा लेता लेकिन ऐसा हो ना सका.....काश आज वह जिंदा होते तो देख लेते कि जिस दुनिया ने उन्हें भूखा मारा, वही दुनिया उन्हें हीरों और जवाहरातों में तौलना चाहती है. जिस दुनिया में वह गुमनाम रहे वही दुनिया उन्हें दिलों के तख़्त पर बिठाना चाहती है, उन्हें शोहरत का ताज पहनना चाहती है, उन्हें गरीबी और मुफलिसी की गलियों से निकाल कर महलों में राज कराना चाहती है'।

विजय एक संवेदनशील शायर है, उसकी शायरी चीख उठती है, ह्ये महलों ये तख्तों ये ताजो की दुनिया, ये इंसा के दुशमन समाजों की दुनिया, ये दौलत के भूखे रिवाजों की दुनिया, ये दुनिया अगर मिल भी जाये तो क्या है॒ वह फिर से वैसी ही एक सभा में माईक पर खड़ा है और सफल हो चुके विजय के जिंदा होने की खबर सुनकर वही दुनिया वहाँ फिर से खड़ी है। वहाँ लोग विजय के असली विजय होने पर शक जाहिर करते हैं। सब कुछ विजय के बोलने पर ही निर्भर करता है और विजय यह कहकर इस दुनिया का बहिष्कार कर देता है कि वह विजय नहीं है। भीड़ गुस्से से पागल हो जाती है और तोड़फोड़ मचा देती है। दौलत शोहरत और सफलता को इस तरह ठुकराना किसी को समझ में नहीं आता। सभी दुनिया के इन्ही पैमानों से विजय को समझाने की कोशिश करते हैं। उसकी पूर्व प्रेमिका मीना उसे समझाती है कि वह ऐसी गलती ना करे। उसके भाई दोस्त सभी उसे पहचान रहे हैं। विजय कहता है कि वो लोग उसके भाई और दोस्त नहीं हैं, वो दौलत के दोस्त हैं। जो लोग कल उसे पहचानने को तैयार नहीं थे, आज वो उसके दोस्त होने का दावा कर रहे हैं। मीना कहती है कि उसे दौलत और शोहरत को नहीं ठुकराना चाहिए, अगर ठुकराना ही है तो उन दोस्तों और उन भाइयों को ठुकराना चाहिए। इस सवाल के बाद विजय वह जवाब देता है कि जो अलग-अलग समय पर समाज में फकीर, संत, शायर और बहुत सारे फक्कड़ लेखक अपने-अपने तरीके से उठाते रहे हैं। वह कहता है, 'मुझे उन लोगों से कोई शिकायत नहीं, मुझे किसी इंसान से कोई शिकायत नहीं. मुझे शिकायत है समाज के उस ढांचे से जो इंसान से उसकी इंसानियत छीन लेता है, मतलब के लिए अपने भाई को बेगाना बनाता है... मुझे शिकायत है उस तहजीब से, उस संस्कृति से जहाँ मुर्दों को पूजा जाता है और जिंदा इंसान को पैरों तले रौंदा जाता है'। वह मीना से कहता है कि वह दूर जा रहा है। उसके वहाँ से जाते समय उसके पीछे ढेर सारे कागजों के उड़ने का दृश्य वीके मूर्ति ने कमाल का फिल्माया है मानो विजय अपने पीछे अपनी सारी नज्मों को बिखरा कर जा रहा हो, जो दुनिया के साथ हमेशा बनी रहेंगी।

फिल्म के अंत पर फिल्म के लेखक अबरार अल्वी और गुरु दत्त के बीच दो राय थी कि अंत कैसा रखा जाए और आखिर में गुरुदत्त द्वारा प्रस्तावित अंत रखा गया, जो फिल्म के मूड पर सटीक तो नहीं बैठता, लेकिन आशावादी है। आशावादी इस मायने में कि पूरी दुनिया स्वार्थी हो जाए तो भी किसी न किसी रिश्ते में स्वार्थहीनता कभी ना कभी बची हुई मिलती है। वो जीने का कारण देती है, जिसके कारण दौलत और सफलता के खोखलेपन के बावजूद यहाँ जिया जा सकता है। साहिर के गीत, मूर्ति का कैमरा और बड़े बर्मन का संगीत, सब मिलाकर एक ऐसी सृष्टि की रचना करते हैं, जो डुबा देती है, एक ऐसी कृति का निर्माण होता है जो लंबे समय के लिए खाली कर देती है। फिल्म से कुछ लोगों की शिकायत इसकी धीमी गति की है जो इसके संवेदनशील विषय को देखते हुए निराधार है। फिल्म के विषय के हिसाब से यह वाकई धीमी और लगभग निराशावादी है, लेकिन यही इसकी खूबसूरती है। वैसे तो फिल्म की मोनोटोनी को तोड़ने के लिए जॉनी वाकर को और उनके चम्पी गीत को डाला गया है पर इसके बावजूद विजय का तनाव दर्शकों के सिर पर चढ़ कर बोलता है, क्योंकि वह बहुत जीवंत है। फिल्म को टाईम पत्रिका ने 2005 में दुनिया की 100 सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में रखा था और अभी इस वर्ष वैलेंटाईन डे के अवसर पर इसे 10 रोमांटिक फिल्मों की सूची में रखा है।

BRIEF NEWS

## महासभा ने की अधिवक्ता के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग

**RANCHI :** अखिल भारतवर्षीय चन्द्रवंशी क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने अधिवक्ता गोपाल कृष्णा की हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की है। इस संबंध में महासभा की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र सौंपा गया है। साथ ही यह भी मांग की गयी है कि गोपाल कृष्णा परिवार में इकलौता कमाने वाले थे, उनके पिता रिटायर्ड कर चुके हैं , उनके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पूरा परिवार उन्ही पर आश्रित था , उनके परिवार के भरण पोषण के लिये कम से कम रुपए 50 लाख के आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। अधिवक्ता के परिवार से किसी एक को सरकारी नौकरी दिलायी जाए। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को अधिवक्ता गोपाल कृष्णा की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी थी। महासभा में लोगों ने प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

## राहुल चौधरी बने भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष

**RANCHI :** प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने भाजपा नेता राहुल कुमार चौधरी को भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इससे पूर्व चौधरी महानगर अध्यक्ष रांची गो संवर्धन प्रकोष्ठ,महानगर अध्यक्ष जल प्रबंधन प्रकोष्ठ, रांची महानगर प्रवक्ता, और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रह चुके है। इनके प्रदेश युवा मोर्चा उपाध्यक्ष बनने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आदित्य साहू, रांची विधायक सीपी सिंह, मुकेश मुक्ता, ओम प्रकाश, प्रेम वर्मा सहित कई नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया है ।

## युवा आजसू महानगर प्रतिनिधि सम्मेलन आज

**RANCHI :** हरमू स्थित आजसू पार्टी केंद्रीय कार्यालय में रविवार को रांची महानगर प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन होगा। इस सम्मेलन में रांची महानगर के विभिन्न वार्ड के युवा आजसू के प्रतिनिधि शामिल होंगे। मौके पर आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो सभी प्रतिनिधियों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। इस दौरान प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया जाएगा। साथ ही आगे के कार्यक्रमों को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा भी होगी। रांची महानगर प्रतिनिधि सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद सुदेश कुमार महतो पार्टी कार्यालय, बुंडू में आयोजित मिलन समारोह में शामिल होंगे। इस मिलन समारोह में पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में पूर्व अभियंता सिंगराय टूटी अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

### दारोगा की हत्या के बाद डीजीपी ने बुलाई हाईलेवल मीटिंग, थानेदारों की जमकर लगाई क्लास

# डीजीपी ने पुलिस पदाधिकारियों को दिए निर्देश कहा- हर हाल में लगाएं अपराध पर अंकुश

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने शनिवार को रांची के सभी थानेदारों की जमकर क्लास लगाई। डीजीपी ने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि हर हाल में राजधानी में अपराध पर ब्रेक लगाएं। साथ ही पुलिसकर्मी किसी भी विवाद में न पड़ें, अन्यथा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। राजधानी रांची की कानून-व्यवस्था कैसे बेहतर हो, पुलिस किस तरह से काम करें कि अपराधियों पर नकेल कसा जा सके इसे लेकर राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने शनिवार को रांची के सभी थानेदारों के साथ बैठक की। डीजीपी के द्वारा बुलाई गई बैठक में रांची आईजी, डीआईजी, सीनियर एसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी सहित सभी डीएसपी और थानेदार शामिल हुए। बैठक के दौरान डीजीपी ने सभी थानेदारों को साफ-साफ शब्दों में निर्देश दिया है कि वह बेहतर पुलिसिंग करें। अगर पुलिस वाले बेहतर काम करेंगे, तो राज्य पुलिस का इकबाल बुलंद होगा। इसलिए जरूरी है कि सभी पुलिस वाले वर्दी का मान रखें। बैठक के दौरान डीजीपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वह नशे के कारोबार सहित दूसरे तरह के अपराधों पर नकेल कसने के काम करें। इसके लिए लगातार अभियान चलाने का निर्देश पुलिस पदाधिकारियों को दिया। साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि अगर कोई पुलिस वाला किसी विवाद में पड़ता है या फिर जमीन के विवाद में उसका नाम आता है तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी ने चेतावनी भरे लहजे में यह भी कहा कि वह एंटी करप्शन ब्यूरो के भी डीजी हैं, ऐसे में अगर जमीन मामले में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता सामने आएगी तो उन पर एसीबी भी कार्रवाई करेगी।

बैठक के बाद शोक व्यक्त करते डीजीपी अनुराग गुप्ता व अन्य पुलिस पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

### डीजीपी पहुंचे रिम्स, अधिकारियों से ली जानकारी

डीजीपी अनुराग गुप्ता स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या की जानकारी मिलते ही शनिवार को रिम्स पहुंचे। डीजीपी ने अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली।आईजी अखिलेश झा, डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के अलावा कई अधिकारी पहले से रिम्स में मौजूद थे। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट तौर पर रांची जिला में पदस्थापित पुलिसकर्मियों को हिदायत और चेतवानी देते हुए कड़े लहजे में कहा कि रांची की स्थिति पर उनकी पैनी नजर है और कोई भी चूक बर्दाश्त नहीं होगी। रांची में रहनेवाले पुलिसकर्मी अपनी कार्यशैली सुधारे या रांची से हटने को तैयार रहे। स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम की हत्या पर उन्होंने कहा कि जांच में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और जो भी दोषी होंगे उन्हें पकड़ा जाएगा। इसके बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता रांची समाहरणालय स्थित एसएसपी ऑफिस पहुंचे वहां पुलिस पदाधिकारी और जिले के सभी थानेदारों के साथ विधि व्यवस्था को लेकर बैठक कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि हत्या को लेकर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है, जिसमें कई डीएसपी और थानेदार को एसआईटी में शामिल किया गया है।

### दिवंगत अधिवक्ता के परिजनों से मिले डीजीपी

सुखदेवनगर थाना क्षेत्र मधुकम स्थित महुआ टोली में सिविल कोर्ट के वकील गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की शुक्रवार को हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दूसरे दिन शनिवार को डीजीपी डीजीपी अनुराग गुप्ता अधिवक्ता के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे। डीजीपी ने मृतक गोपी बाबू की मां, पत्नी से काफी देर तक बातचीत की। उन्हें अपराधियों के जल्द से गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। इस दौरान डीजीपी ने परिजनों से कारण जानने का भी प्रयास किया, लेकिन घरवालों को इससे संबंधित कोई जानकारी नहीं होने के कारण कुछ बता न सकें। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मौके पर पत्रकारों से कहा कि एसएसपी की पूरी टीम जांच में जुटी है। तकनीकी शाखा भी सुराग ढूंढ रही है। अपराधियों की पहचान हो गयी है। उनका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उम्मीद है जल्द अपराधी रांची पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इससे पूर्व शुक्रवार को हत्या के बाद एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी अनुसंधान करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

## सब-इंस्पेक्टर अनुपम हत्याकांड की जांच शुरू, 14 लोग हिरासत में

घटना के बारे में लोगों से पूछताछ करते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** स्पेशल ब्रांच में पदस्थापित पुलिस सब-इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की कांके थाना क्षेत्र के रिंग-रोड में हुई हत्या की घटना को लेकर एसआईटी टीम ने अनुंसधान शुरू कर दिया है। मामले में पुलिस ने 14 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में दो डीएसपी, आठ इंस्पेक्टर और पांच सब-इंस्पेक्टर को एसआईटी टीम में शामिल किया गया है। घटनास्थल पर एफएसएल के विशेषज्ञ दल ने घटनास्थल का मुयायना कर घटना से जुड़े प्रदर्श और खोखा जब्त किये है। घटनास्थल और अपराधियों के आने और जाने के सभी संभावित मार्गों पर सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। अनुसंधान के क्रम में अन्य व्यक्तियों के साथ-साथ उन 14 व्यक्तियों से गहन पूछताछ की जा रही है जो हत्या की घटना से पूर्व मृतक के साथ बर्थडे पार्टी में शामिल थे तथा अनुसंधान के सभी मानवीय और तकनीकी सूचना के बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा है। घटना की गंभीरता देखते हुए पुलिस डीआईजी अनुप बिरथरे, एसएसपीचंदन कुमार सिन्हा, ग्रामीण एसपी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों के जरिये घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

## रिम्स पहुंचे बाबूलाल मारंडी, सब-इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप के परिजनों से की मुलाकात

**PHOTON NEWS RANCHI :** स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार को रिम्स पहुंचे। उनके साथ कांके के विधायक समरी लाल भी थे। बाबूलाल मरांडी ने डीआईजी अनूप बिरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा से घटना की जानकारी ली। इसके बाद मरांडी ने मृतक की पत्नी से मिलकर जानकारी ली और भरोसा दिया कि अपराधी जल्द से जल्द पकड़े जाएंगे। मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में मरांडी ने कहा कि घटना दुखद है। बेखौफ अपराधियों ने स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर की हत्या की है। तत्परता के साथ बिना विलंब किए अपराधी को पकड़ना चाहिए। दूसरी ओर, मरांडी ने स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि एक युवा आदिवासी पुलिस अफसर का असमय इस दुनिया से चला जाना अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि निजी स्वार्थ के लिए राजधानी रांची तक को अयोग्य अफसरों के हवाले कर बारूद के ढेर पर बैठा दिया गया है।

## चौकीदारों का प्रदर्शन स्थगित, कल से जेल भरो आंदोलन की दी चेतावनी

**RANCHI :** कई दिनों से राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन दे रहे झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत से जुड़े चौकीदार और दफादार अपने परिवार के साथ मुख्यमंत्री आवास घेरने निकले। शविवार को प्रदर्शन कर रहे लोग नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे। हालांकि उन्हें बीच में ही पुलिस ने रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के रोके जाने के बाद आगे बढ़ने की कोशिश की। जिसके बाद जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने आंदोलित चौकीदारों-दफादारों को समझाने की कोशिश की।

## वर्तमान सरकार के राज में विधायिका, न्यायपालिका व कार्यपालिका भी सुरक्षित नहीं : अमर कुमार बाउरी

**PHOTON NEWS RANCHI :** नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने शनिवार को राज्य सरकार पर हमला बोला। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि झारखण्ड की वर्तमान जेएमएम, कांग्रेस एवं राजद वाली सरकार के राज्य में विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका कोई भी सुरक्षित नहीं है। यहां तक कि आम जनता भगवान से यह प्रार्थना करने की मजबूर है कि कब इस झूठी सरकार का राज खत्म हो और भाजपा की सरकार आये। उन्होंने राज्य की चरमराई विधिव्यवस्था पर चिन्ता जतायी।बताया कि दो दिन में ही राज्य में एक दारोगा अनुपम कच्छप की गोली मार कर हत्या कर दी गयी। अधिवक्ता गोपीकृष्णा की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी। वहीं एक जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश का निधन आज हो गया जिन्हें कुछ दिन पहले अपराधियों ने गोली मार दी थी। नेता प्रतिपक्ष ने चिन्ता जताते हुए कहा कि राज्य में अभी तक इस सरकार के कार्यकाल में 7000 से अधिक महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया। यहां की सरकार आदिवासी छात्रों पर लाठियां चलवाने से भी परहेज नहीं कर रही क्योंकि उन्हें राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए जगह तैयार करनी है।

पत्रकारों को जानकारी देते नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

## पूर्व पार्षद वेद प्रकाश का दिल्ली के एम्स में निधन

**PHOTON NEWS RANCHI :** शनिवार को वार्ड 39 के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। 7 जुलाई 2024 को उन्हें गोली मार दी गई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता वेद प्रकाश को उस वक्त गोली मारी गई थी, जब वह धुर्वा बस स्टैंड के पास एक दुकान पर बैठे थे। पहले उन्हें पारस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए बाद में दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। 7 जुलाई की शाम 7 बजे के करीब धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित यदुवंशी स्पोर्ट्स वीयर दुकान के बाहर 3 अपराधियों ने उन पर गोली चलाई थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद जब अपराधी भाग रहे थे, तभी उनमें से एक के हाथ से देसी कट्टा गिर गया।

## केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने जलमग्न मोहल्लों के लोगों से की मुलाकात, जानी परेशानी

**PHOTON NEWS RANCHI :** महज एक दिन की बारिश में पूरी रांची जलमग्न हो गई। रांची शहर में हर तरफ पानी ही पानी है। इस बारिश और पानी के बीच शनिवार को सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने मोहल्लों के लोगों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि दुःखद आश्चर्य इस बात का है कि राहत देने के लिए सरकार-प्रशासन के पास कोई तैयारी नहीं है। रांची के सैंकड़ों परिवार अपने-अपने घरों में कैद हैं। इस दौरान बांधगाड़ी की स्थिति बहुत भयावह दिखी। अपार्टमेंट और सोसाइटीज में रहने वाले सैकड़ो परिवार घरों में बंधक बने हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो दिन से कई मोहल्लों में बिजली-पानी नहीं है। सब त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। मौके पर से ही मंत्री ने रांची के उपायुक्त और नगर निगम के आयुक्त से बात कर अविलंब राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। अधिकारियों से मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्राथमिकता के आधार पर शहर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। इससे पहले बच्चों और महिलाओं के खाने की व्यवस्था करें। इनके लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। रांची की ऐसी भयावह स्थिति आज से पहले देखने को नहीं मिली थी। प्रशासन सजगता से कार्य करे। केंद्रीय मंत्री ने भीषण बारिश के कारण रातू क्षेत्र में एनएच-75 के मुरगू पुल के बहे हुए डायवर्सन का भी निरीक्षण किया।

लोगों से मिलते संजय सेठ।

## सेना भर्ती रैली में धनबाद व चतरा के युवाओं ने दिखाया दमखम

**PHOTON NEWS RANCHI :** सेना भर्ती रैली में आठवें दिन शनिवार को चतरा और धनबाद जिले के युवाओं ने अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। अभ्यर्थियों ने खेलगांव स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए। जांबाज युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में भारी वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में उपस्थित हुए थे। सेना भर्ती प्रक्रिया सिर्फ और सिर्फ निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ की जाती हैं। एक उम्मीदवार सिर्फ अपने मेहनत और प्रयास के जरिये ही चयनित हो सकता हैं। दलालों के बहकावें में ना आये वो सिर्फ आपको गुमराह कर सकते हैं। हर आने वाला उम्मीदवार सिर्फ अपनी खुद की मेहनत की वहज से सफलता हासिल करता है । सैन्य और असैन्य खुफिया विभाग बड़ी मुस्तेदी के साथ सक्रिय हैं।

### बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने दी जानकारी

# मंइयां योजना से जुड़ेंगी 50 लाख महिलाएं

**PHOTON NEWS RANCHI :** बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख महिलाएं लाभान्वित होगी।

योजना में आवेदन करने के लिए राशन कार्ड जरूरी है। जेरोक्स किया हुआ आवेदन भी मान्य होगा। वोटर कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता भी आवेदन के लिए जरूरी है। वर्तान में दिसंबर माह तक के लिए बिना आधार लिंक बैक खाते में भी राशि दी जायेगी। आवेदन फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आगामी 21 अगस्त से पोर्टल के माध्यम से आवेदन जमा किये जा सकते हैं। सचिव ने बताया कि मंईयां योजना के तहत सरकार महिलाओं को 12 हजार रुपया सालाना सहायता राशि देगी। इस काम को विभाग मिशन मोड में काम कर रहा है। इसके लिए वाररूम भी बनाये गये हैं। योजना को सफल बनाने के लिए पंचायत स्तर पर कैंप लगाये जा रहे हैं। इसके लिए विभागीय स्तर पर सभी जिलों के डीएसडब्लूओ, सीडीपीओं को आदेश दिये गये हैं। जैप आईटी द्वारा इस योजना का पोर्टल तैयार किया गया है। इस योजना को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लॉन्च किया था। पहले दिन 4 बजे शाम तक कुल 2582 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन अपलोड करने में नेटवर्क स्लो होने की वजह से कुछ तकनीकी अड़चनें आयी थीं जिन्हें दूर कर लिया गया है।

अधिकारियों के साथ बैठक करते विभागीय सचिव मनोज कुमार। ● फोटोन न्यूज

### पोर्टल के माध्यम से ही होगा सत्यापन

मनोज कुमार ने बताया कि जैप आईटी द्वारा तैयार किये गये पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन का सत्यापन किया जा रहा है। योजना के लिए बनाये गये पोर्टल पर एक घंटे में ही 36 हजार हिट प्राप्त हुए हैं। साथ ही एक दिन में करीब 15 लाख हिट हुए हैं। कैप के पहले दिन प्रत्येक कैंप में करीब 800-1000 लोग आ रहे हैं। योजना की जागरूकता के लिए 2 अगस्त को प्रचार वाहन रवाना किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभाग के अपर सचिव अभय नंदन अंबष्ट, निदेशक शशि प्रकाश झा, सहायक निदेशक प्रियंका श्रीवास्तव, सहायक निदेशक शत्रुंजय कुमार, जैप आईटी निरंजन कुमार, सीएसी से अनुपम उपस्थित थे।

## पांच करोड़ 29 लाख का ब्राउन शुगर बरामद, पुलिस ने पांच को किया अरेस्ट

**PHOTON NEWS RANCHI :** पुलिस ने रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र के हेसल गांव में ब्राउन शुगर बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए तस्करी के पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

साथ ही ढाई किलोग्राम ब्राउन शुगर, साढ़े छह किलोग्राम से अधिक अफीम, नकद 15 लाख 14 सौ रुपये, पांच मोबाइल, एक क्रेटा कार (जेएच 01ईके-6290) के अलावा ब्राउन शुगर बनाने के प्रयोग में आनेवाली दो मशीन, गैस चूल्हा, गैस सिलिंडर सहित बड़ी मात्रा में अन्य सामान बरामद किये हैं। बरामद ब्राउन शुगर और अफीम की अनुमानित मूल्य पांच करोड़ 29 लाख रुपये है। यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ वरूण रजक ने शनिवार शाम अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में खूंटी के मारंगहादा थानांतर्गत बिचागुटू गांव के सनिका पाहन (27), चतरा जिले के इटखोरी थानांतर्गत नगवा गांव के तुलेश्वर कुमार (26), वीरेंद्र कुमार दांगी (28), रवि दांगी तथा हजारीबाग जिला के चौपारण थानांतर्गत जोकट गांव के उमेश कुमार दांगी उर्फ साजन कुमार (24) शामिल हैं। एसडीपीओ ने बताया कि दो अगस्त की रात में पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर खूंटी-तमाड़ मुख्य पथ पर हूंट गांव के पास एंबुश लगाकर अफीम की खरीद-बिक्री करने आये क्रेटा कार में सवार आरोपित तुलेश्वर कुमार, वीरेंद्र कुमार दांगी और उमेश कुमार दांगी के साथ ही सनिका पाहन को घेराबंदी कर पकड़ा गया। मौके पर कार से भारी मात्रा में अफीम, ब्राउन शुगर, नगद राशि और अन्य सामान बरामद किए गए।

बरामद ब्राउन शुगर व पकड़े गए आरोपी। ● फोटोन न्यूज

## समाचार सार

### अवैध बालू उठाव करने गए चार ट्रैक्टर नदी में फंसे

**GIRIDIH :** गिरिडीह समेत आसपास के क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से लगातार रुक-रुक हो रही बारिश के कारण क्षेत्रीय नदियां उफान पर हैं।

नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इस बीच शनिवार को अवैध बालू उठाव करने बराकर नदी में गये चार ट्रैक्टर बीच नदी में फंस गए। इनमें से दो ट्रैक्टर पलट गये। जलस्तर बढ़ता देख मजदूर और चालक किसी तरह बाहर निकल आए लेकिन चारों ट्रैक्टर वहीं फंसे हैं। ट्रैक्टर मालिक किसी तरह वाहन बाहर निकालने में जुटे हैं।

### दामोदर नदी उफान पर, सैकड़ों घरों में घुसा पानी

**RAMGARH :** जिले में दामोदर नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में बाढ़ का पानी घुस गया है। रामगढ़ शहर के गोलपार, पुरनी मंडप में बसे आजाद बस्ती के लगभग सारे घर जलमग्न हो गए हैं। लोगों को भारी नुकसान हुआ है। अनाज और जरूरत की चीजें पानी की वजह से नष्ट हो गई हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि लोगों की मदद कर रहे हैं।

### गिरिडीह में दीवार गिरने से महिला की मौत

**GIRIDIH :** सरिया थाना इलाके के ग्राम लुतीयानो में शनिवार को मिट्टी की दिवार गिरने से मीना देवी (40) की मौत हो गई। बताया गया कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा के कारण घर का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया। इस बीच दीवार गिरने की घटना उस समय जब घर के अन्य सदस्य सो रहे थे और महिला शौच के लिए घर से बाहर जा रही थी। सूचना पाकर बगोदर पूर्व विधायक नागेन्द्र महतो घटनास्थल पर पहुंचे और उपायुक्त गिरिडीह एवं सरिया बीडीओ से फोन पर वार्ता कर आपदा राहत से मिलने वाली मुआवजा की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर रही है।

### खपरैल मकान धंसा, बाल-बाल बचा परिवार

**HAZARIBAGH :** जिले के इचाक प्रखंड के फुरुका गांव में खपरैल मकान शनिवार को धंस गया। इस घटना में परिवार के लोग बाल-बाल बच गए। गोपाल शर्मा शारीरिक रूप से दिव्यांग है। जर्जर घर में ही निःशक्त दंपती तीन बच्चों के साथ गुजारा कर रहा है। जर्जर घर का एक कमरा धंस जाने से दूसरे कमरे की दीवार में मोटी दरार आ गयी। राज देवी ने कहा कि पिछले कई वर्षों से आवास के लिए गुहार लगा रही हूं लेकिन मुझे अब तक आवास नहीं मिला। मुखिया मीना देवी ने गोपाल के परिजनों को उसके भाई के घर में रहने की व्यवस्था करायी।

### कालीमाटी संघर्ष समिति की पदयात्रा आज

**JAMSHEDPUR :** कालीमाटी संघर्ष समिति द्वारा रविवार को पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह पद यात्रा रविवार को निकलेगी। इसका नेतृत्व जमशेदपुर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके सामाजिक कार्यकर्ता सौरव विष्णु करेंगे। सौरव विष्णु ने बताया कि पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य जमशेदपुर इंडस्ट्रियल टाउन को लेकर है। इंडस्ट्रियल टाउन कमेटी में जन प्रतिनिधियों के मजबूत प्रतिनिधित्व मिले, ताकि जनता की आवाज को सही मंच पर सुना जा सके। इसे लेकर ही जन जागरण पदयात्रा निकाली जा रही है। पद यात्रा एग्रीको ट्रांसपोर्ट मैदान से साकची गोलचक्कर तक जाएगी और यह पद यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी।

### मीनू त्रिपाठी व डॉ. कल्याणी कबीर होंगे पुरस्कृत

**JAMSHEDPUR :** बहुभाषीय साहित्यिक संस्था सहयोग और डॉ वीणा रानी श्रीवास्तव न्यास, पटना के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कदमा में 'वैदुष्य-मणि डॉ.वीणा रानी श्रीवास्तव सम्मान और डॉ. वीणा रानी श्रीवास्तव प्रभा सम्मान' दिया जाएगा। डॉ.वीणा रानी श्रीवास्तव शिक्षाविद् और संस्कृतिकर्मी थी, जिनकी प्रेरणा से बहुभाषीय साहित्यिक संस्था सहयोग की नींव पड़ी। इस वर्ष राष्ट्रीय -अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बाल कहानी लेखन और बाल कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें बाल कथा के लिए प्रथम पुरस्कार वैदुष्य मणि डॉ.वीणा रानी श्रीवास्तव, पुरस्कार नोएडा की साहित्यकार मीनू त्रिपाठी को प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के साथ 11 हजार नकद भी दिया जाएगा। द्वितीय पुरस्कार बृजेन्द्र नाथ मिश्रा और तृतीय पुरस्कार राकेश रमण को दिया जाएगा। वहीं बाल कविता के लिए डॉ.वीणा रानी श्रीवास्तव प्रभा ह्यसम्मान 11 हजार की राशि के साथ कवयित्री डॉ.कल्याणी कबीर को प्रदान किया जाएगा। द्वितीय-बसंत जमशेदपुरी एवं शिप्रा सैनी मौर्या को तथा तृतीय पुरस्कार पामेला घोष दत्ता को बाल कविता के लिए प्रदान किया जाएगा ।

### इनर व्हील क्लब ने कुष्ठ रोगी को दिया ह्वील चेयर

**JAMSHEDPUR :** इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने बाराद्वारी स्थित प्रेम आश्रम में रह एक कुष्ठ रोगी को व्हील चेयर दान की। पीड़ित रोगी को चलने फिरने में दिक्कत हो रही थी। व्हील चेयर विजया गोखले द्वारा दान किया गया है। इस दौरान संस्था की अध्यक्ष मधुमिता सान्याल,सचिव सचिंता दे, डॉ. मीना मुखर्जी, भूतपूर्व अध्यक्ष सोनाली मोहंती, विजया गोखले वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

### 16 नीड बेस्ड शिक्षकों को मिली शैक्षणिक कार्य की अनुमति

**JAMSHEDPUR :** कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुड एकेडमिक कॅरियर को लेकर शैक्षणिक कार्य से रोकने संबंधी अपने निर्णय पर उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश का अनुपालन करते हुए शनिवार को 16 शिक्षकों को सेवा प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान कर दी है। विश्वविद्यालय के इस आदेश पर झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार पांडय कहा कि पिछले 40 दिनों से मानसिक और सामाजिक प्रताड़ना झेल रहे शिक्षकों को अब राहत मिली है। अगर उच्च न्यायालय की ओर से विवि की नोटिस पर स्थगन आदेश नहीं दिया जाता, तो शिक्षकों की प्रताड़ना जारी रहती। राकेश पांडय ने विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि शेष वैसे शिक्षकों को भी शैक्षणिक कार्य जारी रखने का आदेश दिया जाए, जिन्हें कुछ न कुछ कारण बता कर शैक्षणिक कार्य से वंचित कर दिया गया है।

# बारिश के कारण तेनुघाट डैम के खोले गए आठ रेडियल गेट

## नदी किनारे रहने वालों को दी गई हिदायत, अपने सामान के साथ सुरक्षित जगहों पर जाने का निर्देश

**PHOTON NEWS BOKARO :** जिले में लगातार हो रही लगातार बारिश के कारण तेनुघाट डैम के आठ रेडियल गेट को खोल दिए गए हैं। दामोदर नदी पर स्थित तेनुघाट जलाशय का पानी लगभग 1,00,000 फीट बढ़ने की संभावना है, जिसको देखते हुए डैम (जलाशय) का रेडियल गेट खोले गए हैं। जलाशय में 865 फीट पानी रखने की क्षमता है।

वर्तमान समय जलाशय में अपराह्न 12:00 बजे तक 860 फीट है। वहीं, 885 फीट खतरे की निशानी बताई गई है। नदी के किनारे नहाने वालों को हिदायत दी गई है कि जानवरों सहित कोई भी व्यक्ति नदी में न जाय, जिससे कोई नुकसान हो। साथ ही नदी के किनारे रहने वाले को हिदायत दी जाती है कि अपने सामानों के साथ सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने बताया कि लगातार हो रहे बारिश एवं जलाशय (डैम) के पिछले भाग से अधिक पानी आने के कारण सुरक्षा को देखते हुए तत्काल चार गेट खोले गये। फिर अपराह्न 12:00 बजे के बाद जलाशय में पानी अधिक बढ़ने के कारण चार अतिरिक्त रेडियल गेट खोले गये। इस तरह कुल आठ रेडियल गेट खोले गए हैं तथा आगे जरूरत पड़ने पर और भी गेट खोले जाएंगे। नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों को इस बात की सूचना दे दी गई है। लोगों से अपील है कि लोग नदी किनारे से दूर रहें।

- जलाशय में 865 फीट पानी रखने की है क्षमता
- जरूरत पड़ने पर और भी गेट खोले जाएंगे : रंजीत

### मां छिन्नमस्तिका मंदिर में घुसा बाढ़ का पानी

**RAMGARH :** रामगढ़ जिले में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। जिसकी वजह से नदियों में बाढ़ आ गई है। दामोदर और भैरवी नदी का जलस्तर अचानक से बढ़ गया है। भैरवी नदी में बाढ़ आने की वजह से रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका के मंदिर में भी पानी घुस गया है। वहां श्रद्धालुओं के लिए मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया है। दूसरे द्वारा से श्रद्धालुओं को प्रवेश कराया जा रहा है। भैरवी नदी का पानी बली स्थल तक पहुंच गया है। साथ ही अन्य रास्तों में भी पानी घुस गया है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। रजरप्पा मंदिर के मुख्य द्वार के पास सैकड़ो दुकानों में पानी घुस जाने की वजह से भारी नुकसान हुआ है। रामगढ़ जिला प्रशासन और मंदिर न्यास समिति के लोगों ने श्रद्धालुओं को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। साथ ही नदी में स्नान करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर कमेटी के सदस्यों का कहना है कि अभी बाढ़ आई हुई है जिसकी वजह से जान माल की क्षति होने की संभावना है। अगस्त श्रद्धालु अभी नदी में नहाने के लिए घुसते हैं तो उन्हें खतरा हो सकता है। रामगढ़ में भी जिला प्रशासन ने दामोदर नदी के किनारे रहने वाले लोगों को हाई अलर्ट किया है यहां तक कि पशुपालकों को भी नदी के किनारे नहीं जाने की हिदायत दी है।

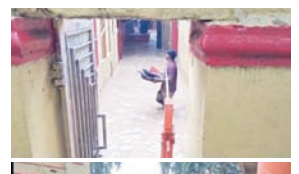

## 10 की संख्या में हथियारों से लैस बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

# महिलाओं को बंधक बना की चार लाख की डकैती

**PHOTON NEWS PALAMU :** जिले के छत्तरपुर अनुमंडल अंतर्गत नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के नावाटाड़ निवासी गंगा ठाकुर के घर में डकैती हुई है। जानकारी के अनुसार पिंटू सिंह के ईंट-भट्ठे के सामने गंगा ठाकुर के घर बीती रात लगभग 9.30 बजे 10 की संख्या में हथियार से लैस डकैत घर में घुसकर घर को बंद कर एक-एक महिला से आभूषण, ज्वेलरी लगभग तीन से चार लाख रुपये और नकदी 50 हजार रुपये लूट कर चले गए। डकैतों ने सभी को अपने कब्जे में लेकर मोबाईल आदि लूट लिया था। लगभग एक घंटा तक लूटपाट कर बाहर से दरवाजा बंद कर चले गए। शोर मचाने के बाद अगल बगल के लोग जुटे। तबतक डकैत वहां से निकल गए थे। घटना के तुरन्त बाद इसकी सूचना नौडीहा बाजार पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी अमित द्विवेदी ने घटनास्थल पर पहुंचकर लुटपाट की जानकारी ली। उन्होंने सीमावर्ती थानों को सूचित कर छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। भुक्तभोगी गंगा ठाकुर के पुत्र अनूप ठाकुर ने थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगायी है। थाना प्रभारी ने बताया कि लूट तो हुई है। डकैतों को पकड़ने के लिए सभी थाना, चेकपोस्ट पर चेकिंग अभियान तेज कर दिया है।

डकैती की घटना के बाद बिखरे सामान। ● फोटोन न्यूज

### दुकान से डेढ़ लाख नकद समेत हजारों की चोरी

**KODARMA :** जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाष चौक के समीप एक राशन की दुकान में चोरी हो गई। मामले को लेकर दुकान के संचालक दिनेश कुमार ने कहा कि शुक्रवार की रात करीब 10:30 बजे वह दुकान को बंद कर दुकान के पीछे स्थित घर चला गया था। शनिवार को दुकान खोलने पर सामानों को बिखरा हुआ पाया और गल्ले का कैश भी बिखरा था। इसके बाद उसने देखा कि दुकान के छप्पर को काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। उसने जब गल्ले को चेक किया तो उसमें करीब डेढ़ लाख रुपये गायब मिले। इसके अलावा 60 से 70 हजार के कीमती सामान भी चोरी कर ली गई है।

## पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने पर जख्मी बदमाश ने किया सरेंडर

**PHOTON NEWS PALAMU :** जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खुराकला में पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से जख्मी बदमाश ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। जख्मी हालत में मिलने के कारण उसे पुलिस सुरक्षा में एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान खुराकला के विशाल चौधरी के रूप हुई है। उसके खिलाफ चैनपुर, रामगढ सहित अन्य थानों में मामले दर्ज हैं। विशाल को कंधे में गोली लगी है। कंधा फैक्चर कर गया है। गुमला में हुई ज्वेलरी शॉप लूट कांड में विशाल चौधरी की संलिप्त है या नहीं इसके लिए उससे पूछताछ की जा रही है। विशाल 24 जुलाई को मेदिनीनगर सेंट्रल जेल से बाहर आया था। पंडरा और गुमला ज्वेलरी शॉप लूट कांड में शामिल मोनू सोनी उर्फ बुकिंग की सूचना पर शुक्रवार को खुराकला कला गई पुलिस के साथ लुटेरों की मुठभेड़ हो गई थी। एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान विशाल चौधरी ने शनिवार कहा कि शुक्रवार को एक अपाचे मोटरसाइकिल पर मोनू और उसका भाई सोनू और वह स्वयं चैनपुर में घूम रहे थे। मोनू से कहा कि उसे घर छोड़ दे। सोनू चैनपुर में ही उतर गया जबकि मोनू उसे छोड़ने के लिए खुराकला पहुंचा। उसे बाल कटवाना था। जैसे ही गांव में पहुंचे कि पुलिस वहां पहुंच गई।

घायल बदमाश। ● फोटोन न्यूज

## बागबेड़ा थाना में किन्नरों ने जमकर मचाया उत्पात

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** बागबेड़ा थाना परिसर में बीती रात किन्नरों ने जमकर बवाल किया। इस दौरान लगभग तीन घंटे तक थाना में हंगामा और तोड़फोड़ चलता रहा। किन्नरों ने थाना में रखे गमले तोड़ दिए। थाना परिसर में खड़ी एक कार का शीशा भी तोड़ दिया। क्यूआरटी ने किन्नरों पर लाठियां बरसानी शुरू कर दीं, जिससे तीन किन्नर घायल भी हुए। इधर, शनिवार को किन्नर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और एसएसपी किशोर कौशल से मामले की लिखित शिकायत की। किन्नरों ने बताया कि शुक्रवार रात वे लोग पार्टी करके आ रहे थे। इसी बीच गुदड़ी बाजार के पास थाना का चालक प्रदीप और अन्य पुलिस कर्मियों ने रोका। रोकने का कारण पूछने पर पुलिस हाथापाई पर उतर आयी और मारपीट शुरू कर दिया। वे लोग रात को ही शिकायत करने बागबेड़ा थाना पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने सुबह आकर शिकायत करने को कहा। सुबह 8 बजे थाना पहुंचने पर बताया गया कि उक्त चालक पर कार्रवाई करते हुए लाइन क्लोज कर दिया गया है। हालांकि लाइन क्लोज का प्रमाण मांगने पर पुलिस ने कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। सोनू किन्नर ने बताया कि रात 10 बजे दोबारा थाना जाने पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी बीच ऊन लोगों ने कार्रवाई की मांग की, तो पुलिस ने लाठियां बरसानी शुरू कर दी। इस घटना में इसके अलावा शिल्पी सिंह और पूजा किन्नर भी घायल हो गई। इधर बागबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि सभी किन्नर नशे में धुत्त थे। किन्नरों ने गार्ड रूम में घुसकर हथियार छीनने का प्रयास किया।

घायल किन्नर। ● फोटोन न्यूज

### जांच के बाद होगी कार्रवाई : एसएसपी

मामले को लेकर एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि किन्नरों ने मामले की शिकायत की थी, जिस पर डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकीर आलम को जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## तकनीकी शिक्षक संघ ने आठ सूत्री मांगपत्र सौंपा

**HAZARIBAGH :** विभावि व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल विभावि कुलसचिव से शनिवार को मिलकर मांग पत्र सौंपा है। मांग पत्र में पूर्व से लंबित आठ मांगों को पूरा करने की मांग विभावि प्रसाशन से की हैं। इसके लिए पूर्व से कई बार मांग पत्र विभावि को सौंपा गया है, लेकिन इसपर कोई कार्रवाई विभावि नहीं कर रही है। संघ ने कहा है कि एक सप्ताह के अंदर विभावि मांगों पर कोई कार्रवाई नही करती है तो संघ विरोध प्रदर्शन करेगा। आठ सूत्री मांग पत्र में विभावि से स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के शिक्षकों के लिए यूजीसी दिशा निदेर्शों के अनुसार नियमित वेतन वृद्धि (सातवां वेतनमान) लागू करने की मांग की गई हैं। यूजीसी मानदंडों के अनुसार झारखंड विश्वविद्यालय विधि नियमावली द्वारा निर्धारित आकस्मिक अवकाश लागू करने, यूजीसी एवं अन्य नियामक निकायों द्वारा अनुशंसित सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेने सहित व्यावसायिक विकास के अवसरों को सुविधाजनक बनाने, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति लाभों का समय पर वितरण सुनिश्चित करने की मांग शामिल हैं।

## सीएम मंइयां सम्मान योजना के पहले दिन 446 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री

योजना का शुभारंभ करते मंत्री बन्ना गुप्ता। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** झारखंड सरकार की ओर से किसी भी पेंशन योजना का लाभ नहीं पाने वाली 21 से 50 आयु वर्ग की महिलाओं को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ देते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के लिए प्रतिमाह 1000 रुपये सम्मान राशि दी जाएगी। इस योजना के योग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने के लिए जिला अंतर्गत 231 पंचायत एवं चार नगर निकायों के 24 स्थानों पर विशेष शिविर लगाया गया। सभी स्थानों में विशेष शिविर 10 अगस्त तक प्रतिदिन लगाए जाएंगे। शाम 6 बजे तक सभी प्रखंडों को मिलाकर 446 आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री की गई । पंचायत स्तरीय एवं शहरी क्षेत्र के विशेष शिविर का उद्घाटन संबंधित विधानसभा क्षेत्र के विधायकों ने किया, जिसमें मंत्री बन्ना गुप्ता, घाटशिला विधायक रामदास सोरेन, बहरागोड़ा विधायक बहरागोड़ा समीर मोहंती तथा पोटका विधायक संजीव सरदार समेत पंचायत जनप्रतिनधि शामिल थे।

### नहीं खुली वेबसाइट सैकड़ों महिलाएं लौटीं

**CHAKRADHARPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड के नकटी पंचायत भवन में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर में वेबसाइट ही नहीं खुली, जिससे सैकड़ों महिलाएं बिना आवेदन दिए शाम को लौट गईं। साइट नहीं खुलने के कारण एक भी फॉर्म अपलोड नहीं हो सका। महिलाओं ने इसकी शिकायत विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई एवं 20 सूत्री अध्यक्ष दोराय जोंकों के पास दर्ज कराई। मिथुन गागराई ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या पर विधायक सुखराम उरांव से बातचीत की जाएगी। महिलाएं कृषि कार्य छोड़कर 1 हजार रुपये के लिए पंचायत भवन आई थीं।

## हावड़ा मुंबई मेल हादसे की जांच के तीसरे दिन 17 रेल कर्मियों से पूछताछ

**CHAKRADHARPUR :** चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबांबो व राजखरसंवा रेलवे स्टेशन के बीच 30 जुलाई को हुई दुर्घटना की जांच के क्रम में तीसरे दिन भी रेल कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। शनिवार को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) ब्रजेश कुमार मिश्रा ने हादसे से जुड़े रेलवे के दो विभागों के 17 रेल कर्मियों से चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय में पूछताछ की। जिन रेल कर्मियों से पूछताछ की जा रही है, उसमें इंजीनियरिंग और मैकेनिकल विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। सीआरएस हादसे के हर पहलू को ध्यान में रखकर सवाल कर रहे हैं। सभी का जवाब कलमबंद किया जा रहा है। बता दें कि पहले दिन 34 और दूसरे दिन 44 कर्मचारियों से पूछताछ हो चुकी है। पूछताछ की जानकारी रेल मंडल द्वारा अब तक सार्वजानिक नहीं की गयी है। जांच प्रक्रिया को गोपनीय तरीके से आगे बढाया जा रहा है।

## अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की दो दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक शुरू

# ओलिंपिक में महिलाओं का अपमान निंदनीय

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की दो-दिवसीय केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ शनिवार को गिरिडीह जिले के पावनतीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी, पारसनाथ में हुआ।

विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान के जरिये मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यार्थी परिषद की इस केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक के पहले दिन पूरे देश में आयोजित हुए विद्यार्थी परिषद के प्रांत अभ्यास वर्गों के दौरान विभिन्न नए प्रयोगों, पर्यावरण गतिविधियों से विद्यार्थियों से जोड़ने के लिए विद्यार्थी परिषद के प्रयास, देश की वर्तमान शैक्षणिक तथा सामाजिक स्थिति, विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों आदि विषयों पर चर्चा हुई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पारसनाथ केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक में पेरिस ओलंपिक के दौरान महिला बॉक्सिंग मुकाबले के दौरान महिला वर्ग के अपमान का विषय प्रमुखता से उठा। पेरिस ओलंपिक-2024 के दौरान इटली की अंजेला करीनी और अल्जीरिया की इमान खलीफ के बीच हुआ मुकाबला निकृष्ट वोकिज्म का उदाहरण है। महिला वर्ग के मुकाबले में बॉयोलाजिकल पुरुष को उतारना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तथा महिलाओं को अपमानित करने वाला है। अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजशरण शाही ने केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक के उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में जैन दर्शन का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय ज्ञान परंपरा में जैन ऋषियों तथा दार्शनिकों का योगदान विशिष्ट है। वर्तमान समय में पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दे बेहद अहम हैं। अपने आचरण से जैन मुनियों ने पर्यावरण के प्रति नागरिकों को सचेत तथा संवेदनशील किया है। पारसनाथ जैसे विशिष्ट स्थान पर आयोजित हो रही विद्यार्थी परिषद की बैठक नए दिशासूत्रों को खोजने वाली सिद्ध होगी।

केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में भाग लेते अभाविप के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

### एनटीए में व्यवस्थागत परिवर्तन आवश्यक

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन के दौरान पारदर्शिता के विषय में लगातार प्रश्न उठे हैं। शिक्षा की पवित्रता को बनाए रखने परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यवस्थागत परिवर्तन आवश्यक है, जिससे इस एजेंसी द्वारा आयोजित की जा रही परीक्षाएं बिना किसी समस्या के आयोजित हो सकें। कोचिंग के संदर्भ में भी देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार समस्याएं सामने आ रही हैं, कोचिंग क्षेत्र के नियमन को लेकर शीघ्र कदम उठाने की आवश्यकता है।

# भारत 2027 तक बन जाएगा तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति : संजय सेठ

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** रक्षा राज्य मंत्री व रांची के सांसद संजय सेठ शनिवार को सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से संवाद करने आए थे। इससे पूर्व उन्होंने बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में पत्रकारों से केंद्रीय बजट की खूबियों पर विस्तार से बातें कीं।

उन्होंने कहा कि यह बजट देश के सभी वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। भारत जितनी तेजी से विकास कर रहा है, उससे अब लोग कह रहे हैं कि भारत 2027 तक ही दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। मोदी सरकार के 11वें और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में आधारभूत संरचना के लिए जो प्रावधान किए गए हैं, उससे नई पीढ़ी को बहुत सी सौगातें मिलने वाली हैं। सेठ ने कहा कि बजट के बाद एनडीए की सरकार ने झारखंड को 4423 करोड़ दिए हैं, जिससे 137 किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी। पथलगावां से रांची तक बिजनेस कॉरिडोर बनेगा, जिसका लाभ पूरे राज्य को मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री ने बजट में गरीब, किसान, युवा और महिला को जाति मानते हुए, कई चीजें दी हैं, जो पहले कभी नहीं मिली थीं। युवाओं के लिए 500 उद्योग चुने गए हैं, जहां उन्हें पांच हजार रुपये मासिक मानदेय के साथ इटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। मुद्रा लोन को 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। एक करोड़ घरों को पीएम सूर्य योजना से जोड़ा जाएगा, जिसमें 100 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। बजट में मध्यमवर्ग के लिए टैक्स स्लैब नहीं बढ़ाने पर कहा कि देश में 7.5 करोड़ आयकरदाता हो गए हैं, कैसे। मोदी सरकार ने लोगों की आमदनी बढ़ाई है, जिससे क्रय शक्ति भी बढ़ी है।

पत्रकारों को जानकारी देते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

# दुनिया को हैरत में डालतीं गुफाएं

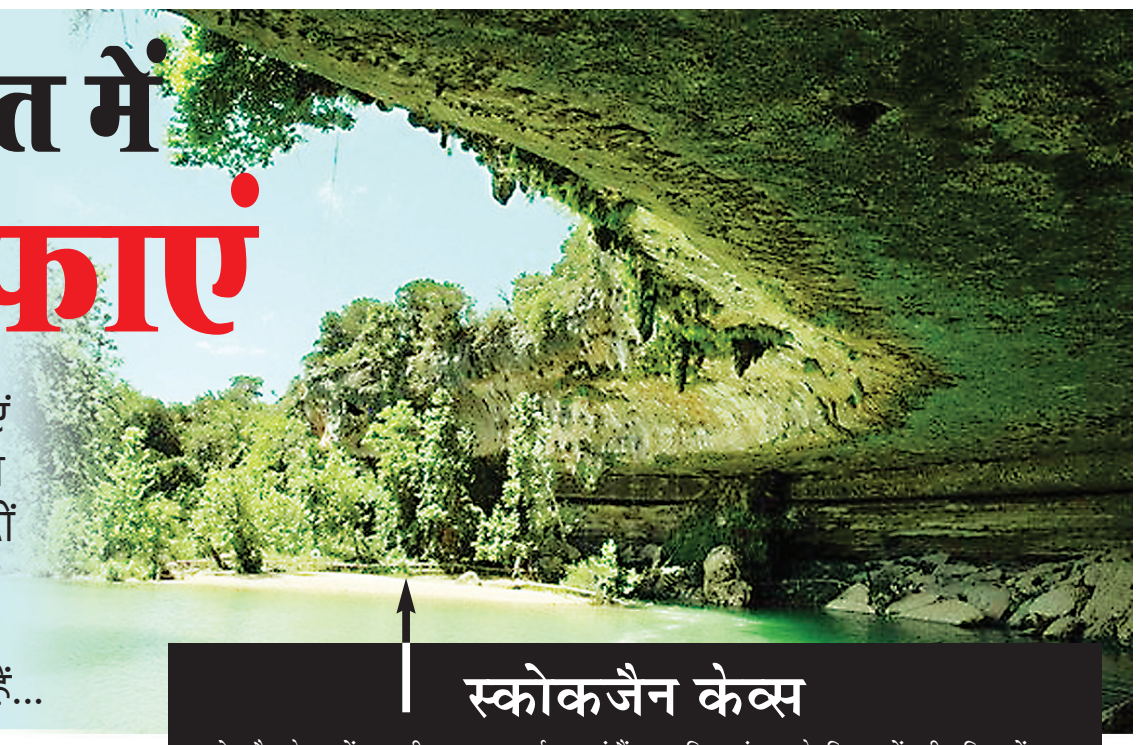

दुनिया भर में ऐसी कई प्राकृतिक गुफाएं हैं, जो अपनी सुंदरता से दुनिया को हैरत में डाल सकती हैं। इनमें से कई तो हजारों साल पुरानी हैं। इनके भीतर नदियां और झरने भी हैं। इस बार विश्व की ऐसी ही गुफाओं के बारे में और अधिक जानते हैं...

## स्कोकजैन केव्स

स्कोकजैन केव्स में एक ही स्थान पर कई गुफाएं हैं। प्राकृतिक सुंदरता के लिए इन्हें पूरी दुनिया में जाना जाता है। ये गुफाएं स्लोवेनिया में हैं। यूनेस्को ने इन्हें संरक्षित साइट्स की श्रेणी में रखा है। इनके भीतर नदी भी बहती है। पुरातत्व विज्ञानी इन गुफाओं को 10 हजार साल से भी अधिक पुराना मानते हैं।

## क्रूबेरा केव

अब तक की ज्ञात विश्व की सबसे गहरी गुफाओं में पहले स्थान पर है क्रूबेरा केव। इसकी गहराई 5,610 फीट से भी ज्यादा है। हालांकि यह गुफा सदियों पुरानी है, लेकिन इसकी खोज 1960 में हुई है। अपनी गहराई और सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध यह गुफा सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनी रहती है। इस गुफा को वोरोन्या केव के नाम से भी जाना जाता है। वोरोन्या का रशियन में अर्थ है- केव ऑफ क्रोज (कौओं वाली गुफा)। दरअसल इस गुफा में और इसके आसपास कौवों (क्रो) के काफी घोंसले थे, इसीलिए इसका यह नाम पड़ा। यह गुफा जॉर्जिया में है।

## आइसरिसेनवेल्ट केव

बर्फीली गुफाओं में विश्व भर में सबसे ऊपरी पायदान पर है आइसरिसेनवेल्ट केव। यह गुफा ऑस्ट्रिया के वर्फिन में है। सफेद बर्फ की चादर से ढकी गुफा को देखकर ऐसा लगता है मानो स्वर्ग की सुंदरता जमीन पर उतर आई है। 42 किलोमीटर लंबी इस गुफा की सुंदरता को देखने के लिए हर साल दो लाख से ज्यादा पर्यटक यहां आते हैं। हालांकि यह गुफा हमेशा बर्फ से ढंकी होता है, लेकिन पर्यटकों के लिए यहां आने का सबसे उचित समय मई से अक्टूबर तक के बीच का माना जाता है। ठंड बढ़ने के साथ ही यह गुफा बर्फ से इतनी ज्यादा ढंक जाती है कि इसके अंदर प्रवेश करना मुमकिन नहीं हो पाता। गुफा का नाम आइसरिसेनवेल्ट का जर्मन में अर्थ है- वर्ल्ड ऑफ द आइस जाइंट्स।

## प्यूटरे प्रिंसेसा

इस गुफा को यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स में शामिल किया है। गुफा के अंदर बहते अनेक झरने व नदी इसकी सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं। 300 मीटर लंबी यह गुफा फिलीपींस के पलवाना में स्थित है। इसके भीतर बहती प्यूटरे प्रिंसेसा नामक नदी को प्रकृति के 7 नए आश्चर्यों में भी शामिल किया गया है।

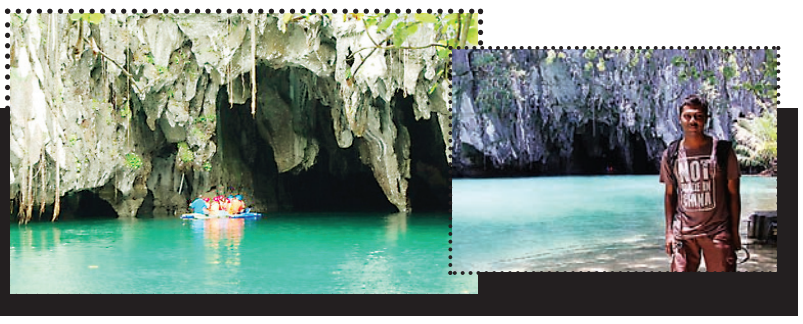

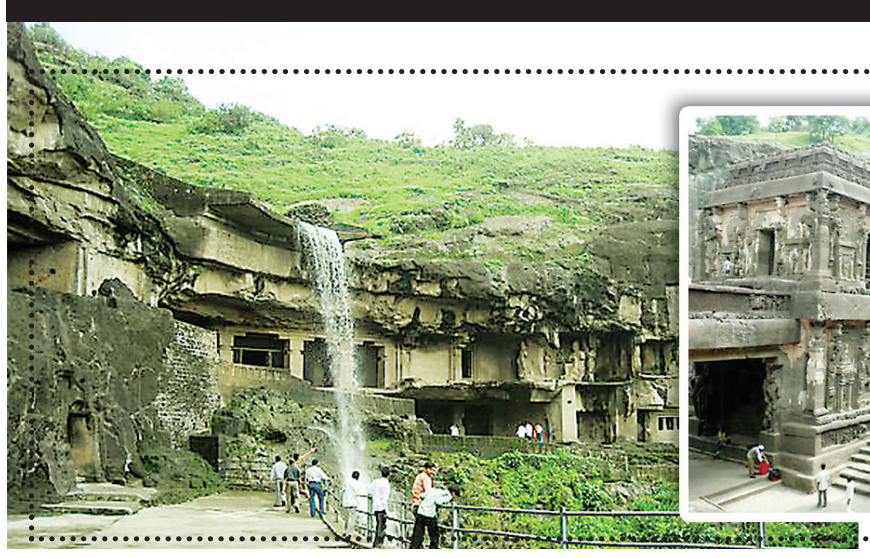

## अजंता व एलोरा

हमारे देश की सबसे प्रसिद्ध गुफाएं हैं अजंता व एलोरा। अपनी अद्वितीय सुंदरता की वजह से भारतीयों के साथ-साथ विदेशियों के लिए भी हमेशा आकर्षण का केंद्र बनी रही हैं ये। महाराष्ट्र के उत्तरी भाग में पहाड़ों की वादियों से घिरे इलाके की इन गुफाओं की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। एलोरा में 34 और अजंता में 29 गुफाएं हैं।

## ये भी हैं कुछ खास

- दुनिया की सबसे लंबी गुफा अमेरिका में है। इसका नाम है मैमूथ केव नेशनल पार्क।
- फिंगल केव। यह गुफा स्कॉटलैंड में है। समुद्र किनारे इसका प्रवेश द्वार है। यह काफी खूबसूरत है।
- ब्लू ग्रोटो केव इटली में है। इसके भीतर समुद्र का नीला पानी काफी खूबसूरत दिखता है। पूरी गुफा में नीली सी रोशनी इसे आकर्षक बना देती है।
- केव ऑफ क्रिस्टल्स मेक्सिको में वर्ष 2000 में मिली। ऐसा लगता है मानो इस गुफा को क्रिस्टल से बनाया गया हो।

## प्रसिद्ध भारतीय गुफाएं

टाबो गुफा, हिमाचल प्रदेश
शिव खाड़ी, जम्मू
उंदावली, विजयवाड़ा
डुंगेश्वरी केव, बिहार

## मिली नई गुफा...

अभी कुछ समय पहले ही जम्मू-कश्मीर के पीर पंजाल में नई गुफा मिली थी, जिसमें शिवलिंग भी है। इसका नाम पीर पंजाल केव रखा गया।

## उदयगिरी गुफा

ओडीशा की राजधानी भुवनेश्वर की उदयगिरी पहाड़ियों में है यह गुफा। इसे सूर्योदय पर्वत भी माना जाता है और यहां से सूर्योदय का नजारा बेहद खास होता है। साथ ही साथ कई रहस्यमयी और अद्भुत गुफाएं भी हैं यहां पर। इन्हीं में से एक है टाइगर केव। दरअसल इस गुफा का प्रवेश द्वार शेर के मुख की तरह बना हुआ है, इसी वजह से इसे टाइगर केव या शेर गुफा कहा जाता है।

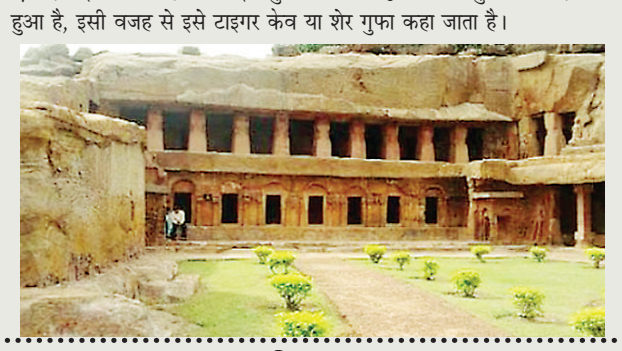

## भारत में अद्भुत

### एलिफेंटा गुफा

मुंबई के तटवर्ती आइसलैंड पर स्थित एलिफेंटा गुफा आकर्षक व अद्वितीय है। एक ही छत के नीचे यहां पर सात प्राचीन गुफाएं हैं, जिनकी सुंदरता देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। भगवान शिव के मन्दिर के रूप में इस गुफा की मान्यता है।

### अमरनाथ गुफा

अमरनाथ आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। बर्फीली गुफाओं के रूप में प्रसिद्ध इस गुफा की खासियत है कि यहां बर्फ से स्वयं ही शिवलिंग का निर्माण होता है, जिसके दर्शन के लिए प्रतिवर्ष हजारों दर्शनार्थी यहां आते हैं। यहां आने के लिए सबसे उचित मौसम जुलाई-अगस्त का होता है। इन महीनों में यहां पर प्राकृतिक रूप से बर्फ से निर्मित शिवलिंग देखा जा सकता है।

## बादामी गुफा कर्नाटक

गुफा के अंदर कई मंदिर होने से आकर्षक और भव्य दिखती है यह गुफा। कर्नाटक में स्थित बादामी गुफा के अंदर कई मन्दिर हैं। इतिहासकारों के अनुसार बादामी गुफा पांचवीं सदी की है।

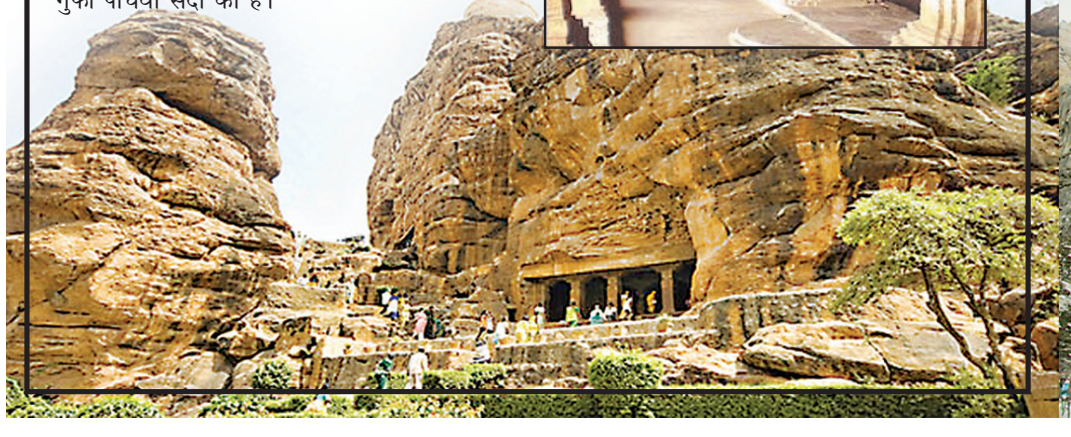

# ड्रोन विमानों से भी आगे होंगे रोबोट

कथानक के अनुसार सन् 1920 में रोजुम नाम का एक व्यक्ति समुद्रीय जीवन विज्ञान के अध्ययन हेतु एक द्वीप में आया। सन् 1932 में अचानक उसके हाथ में एक रसायन आ गया, जो एक जीवद्रव्य (प्रोटोप्लाज्म) की तरह कार्य करता था। रोजुम ने इससे एक कुत्ता और मनुष्य बनाने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा अंततः सन् 1950 या 60 में उसका भतीजा रोबोट बनाने में सफल हो गया। लेकिन इस नाटक के तीसरे अंक में ज्ञात होता है कि रोबोट की सर्वव्यापकता अब खतरा बनती जा रही है। परिस्थितियां ऐसी बनती हैं कि रोबोट उस कारखाने पर कब्जा कर लेते हैं और एक व्यक्ति अलेस्ट को छोड़कर सभी को मार देते हैं। चूंकि अलवेस्ट रोबोट जैसे ही कार्य का आदी था इसलिए बच गया।

अफगानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण ने युद्ध के साजो-सामान में एक नए घातक अस्त्र ड्रोन विमानों को जगह दिलवा दी। ये ड्रोन विमान हजारों मील दूर बैठे लोगों द्वारा संचालित होते हैं और मनचाही जगह को खाक कर देते हैं। ड्रोन विमानों के इस विध्वंसकारी प्रवेश के युद्ध की तस्वीर ही बदल डाली है और उसमें क्रूरता और संवेदनहीनता लगातार बढ़ती जा रही है।

किसी शादी ब्याह या चौपाल में अपने समुदाय के साथ कथित युद्ध अपराधी को अब चिन्हित कर नहीं मारा जाता बल्कि वह सारा क्षेत्र/घर ही उड़ा दिया जाता है। वस्तुतः क्रूरता को अभी विराम नहीं दिया जा रहा है और इस भयावहता या जघन्यता की अगली कड़ी के रूप में अब रोबोट सैनिक तैयार करने की कोशिश प्रारंभ हो गई है। अगर सब कुछ ऐसा ही चला तो अगले बीस वर्षों में किसी विज्ञान फिल्म की यह परिकल्पना हकीकत में बदल जाएगी। इसके विध्वंसक प्रभावों को लेकर सभी ओर चिंता जाहिर की जा रही है और यह प्रयास किए जा रहे हैं कि विकसित होने के पहले ही इन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाए। लेकिन क्या इन हत्यारे रोबोटों को रोक पाना इतना आसान है?

इस नए आयुध को कमोवेश परमाणु बम से अधिक हानिकारक माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि ये नए रोबोट सिर्फ स्वचलित ही नहीं होंगे बल्कि ये स्वतंत्र या स्वायत्त भी होंगे और कमोबेश ड्रोन विमानों से भी उन्नत होंगे, जिन्हें मानव द्वारा निर्देशित किया जाता है। मजेदार बात यह है कि जिस व्यक्ति ने रोबोट शब्द को वर्तमान अर्थों में प्रचलित किया वह संभवतः इसके अंतिम परिणाम को भी भांप चुका था।

गौरतलब है कि सन् 1920 में चेकोस्लोवाकिया ने नाट्य लेखक कारेल कापेक ने एक वैज्ञानिक गल्प नाटक रोजुम यूनिवर्सल रोबोट्स लिखा। चेक भाषा में रोबोट के अर्थ हैं कोल्हू का बैल या नीरस काम में लगा होना या दासता। वही रोबोटेनी का अर्थ है कृषि दास। कापेक रोबोट वर्तमान क्लोन के ज्यादा नजदीक बैठता है। वे तकनीक ओर बहुत आशा से नहीं देखते थे। उनके मस्तिष्क में हमेशा प्रथम विश्वयुद्ध की विभीषिकाओं की स्मृति बनी रहती थी, जिसमें तकनीक का मानवता के खिलाफ व्यापक उपयोग किया गया था। कापेक बहुत अच्छे से जानते थे कि भावना रहित तकनीक मानवता के लिए व्यर्थ साबित होगी। उनके अनुसार कई बार हम सब रोबोट की तरह ही व्यवहार करते हैं।

# 30 साल लगते हैं एक डाली बनने में

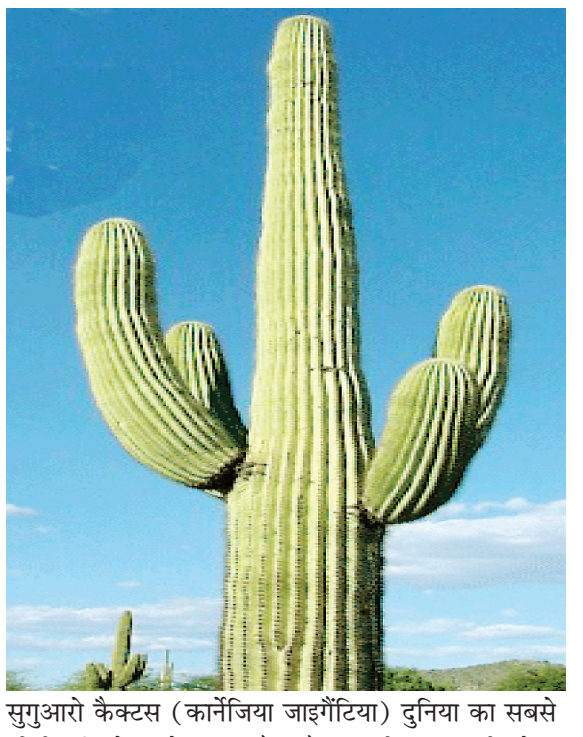

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़ने वाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। गुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैंगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

# कुल्लू से केरल तक

भारत का मौसम की मार से प्रभावित और चिंतित होना स्वाभाविक है। उत्तर भारत में कुल्लू से लेकर दक्षिण के केरल तक कई जगह त्रासद मंजर सामने आए हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में बुधवार को जिस तरह से मूसलाधार बारिश हुई है, उससे चिंता का बढ़ना स्वाभाविक है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इतने ही समय में देश के सात राज्यों में 32 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। जिस तरह हिमाचल में पचास से ज्यादा लोग लापता हैं, दस से ज्यादा की मौत हो गई है, उससे भी त्रासद स्थिति केरल के वायनाड में बनी हुई है। बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या वहां 300 का आंकड़ा छूने वाली है। अभी भी 100 से ज्यादा लोग वहां लापता हैं। क्या इन मौतों से बचा जा सकता था? यह बहस का विषय है और कोई भी इस त्रासदी या किसी तरह की लापरवाही की जिम्मेदारी नहीं लेगा। केंद्र सरकार और केरल सरकार के बीच जो दुखद आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं, उनसे आगे बढ़ने की जरूरत है। यह समय सतर्कता और सुधार का है। दरअसल, भारत में मौसम को समग्रता में समझने और उसके अनुकूल व्यवहार करने की जरूरत है। कभी खूब गर्मी, सूखा, तो कभी खूब बारिश, क्या ऐसे विरोधाभास को सहज ही स्वीकार करना चाहिए? मौसम की विचित्रता बढ़ती चली जा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को बताया कि रात के तापमान के मामले में भारत में सबसे गर्म जुलाई माह का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। औसत तापमान के मामले में बीती जुलाई 1901 के बाद दूसरी सबसे गर्म जुलाई रही है, जबकि देश के कुछ हिस्सों में असामान्य वर्षा हुई है। जुलाई के आंकड़ों पर अगर हम गौर करें, तो बिहार, झारखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में जुलाई महीने में 20 से 59 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। पूर्वोत्तर में भी सिक्किम और मेघालय को छोड़ दीजिए, तो बाकी जगह कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड में कमोबेश सामान्य बारिश रही है। जुलाई के महीने में केवल गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक ही हैं, जहां खूब वर्षा हुई है। बिहार और झारखंड के अनेक इलाकों में खेतों के सूखने की खबर है। धान के पौधों को पानी चाहिए, अगर पानी न बरसा, तो उपज पर असर पड़ जाएगा। यही कामना रहती है कि आवश्यकता के अनुरूप बारिश हो, पर ऐसा होता कहां है? अब एक बड़ा सवाल यह है कि अगस्त कैसा बीतेगा? मौसम विभाग की मानें, तो अगस्त में देश में मासिक वर्षा 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच सामान्य सीमा में रहने की संभावना है। मतलब, कहीं बहुत ज्यादा, तो कहीं बहुत कम बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। यहां सबसे बड़ी चिंता यह है कि वर्षा जनित हालात को जानलेवा बनने से कैसे रोका जाए? तमाम शहरों में बेसमेंट या भूतल बन रहे हैं, पर भारी बारिश के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। खूब चौड़ी और समतल सड़कें बन रही हैं, पर अत्यधिक जलभराव की स्थिति में क्या किया जाएगा, इसकी तैयारी शायद किसी भी शहर में सोलह आना मुकम्मल नहीं है।

# अप्राकृतिक आपदा

जलवायु परिवर्तन अप्रत्याशित मौसम को बढ़ावा दे सकता है। इसके चलते ऐसी बड़ी प्राकृतिक आपदाएं आ सकती हैं, जो स्थानीय लोगों को सकते में डाल सकती हैं। बीते 30 जुलाई को केरल के वायनाड जिले में हुआ विनाशकारी भूस्खलन जरूरी नहीं कि इसी किस्म की आपदा की श्रेणी में हो। केरल के कुछ हिस्से दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी बारिश का कहर झेल रहे हैं और भूस्खलन सालाना होने वाला एक मामला है। लेकिन घातक भूस्खलन की घटनाएं नई हैं। इस हफ्ते, भारी बारिश की वजह से हुए कई भूस्खलनों में 200 लोगों की मौत हो गई और कुछ गांव बर्बाद हो गए। यह इलाका एक पर्यटन स्थल है और राजस्व की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए यहां बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यहां चलियार नदी लगभग दो किलोमीटर की ऊंचाई से निकलती है और वेल्लारमाला की ओर एक सीधे रास्ते में बहती है, जिससे तेज रफ्तार से पानी आता है जो अपेक्षाकृत ज्यादा मात्रा में तलछट को नीचे की ओर ले जाता है। इस साल की बारिश ने इस नदी में पानी की मात्रा एवं उसके वेग को और बढ़ा दिया, जिससे मलबा बहकर अपेक्षाकृत कम खड़ी ढलान वाली जमीन पर बसे उन गांवों में जमा हो गया, जहां से कई लोगों की मौत की सूचना मिली है। लेकिन यह त्रासदी इस तथ्य से और भी जटिल हो गई है कि 2020 में यहां भारी बारिश की वजह से चलियार ने अपने ऊपरी इलाकों के पौधों के आवरण को नष्ट कर दिया, जिससे ज्यादा मात्रा में चट्टानें और खाद-मिट्टी (ह्यूमस) विनाश की चपेट में आ गए। भूस्खलन की आशंका वाले इडुक्की, कोट्टायम, मलप्पुरम और वायनाड इलाके की भौगोलिक विशिष्टताएं सालों से स्पष्ट हैं। ये इलाके भूस्खलन के जोखिम से संबंधित मानचित्रों में भी प्रमुखता से नजर आते हैं। लिहाजा भूस्खलन की घातक पुनरावृत्ति के लिए जलवायु परिवर्तन और उस राज्य को दोषी ठहराया जाना चाहिए जिसे बार-बार सतर्क किया गया है। बार-बार सामने आने वाली एक समस्या अग्रिम चेतावनी और आपातकालीन तैयारियों की घोर कमी की नतीजा है। पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) के लिहाज से नाजुक क्षेत्रों में भूस्खलन ज्यादा आम है।

# क्या हम विभाजन की ओर बढ़ रहे हैं

ANALYSIS

प्रशांत

देवी की शक्तिपीठों में से एक, पवित्र हिंगलाज देवी का मंदिर भी हमें पराया हो गया। पवित्र दुर्गा कुंड से सुशोभित, पूर्व का वेनिस कहलाने वाला, बंगाल का 'बरिसाल' हमसे छीन लिया गया। ढाके की मां ढाकेश्वरी भी परायी हुई। १२ लाख से १५ लाख लोगों की हत्या और डेढ़ करोड़ लोगों का विस्थापन करने वाला यह विभाजन क्यों हुआ....? इस विभाजन का एकमात्र कारण था, अलग राष्ट्र का मुसलमानों का दुराग्रह और इस मांग को मनवाने के लिए किया गया 'डायरेक्ट एक्शन डे' जैसा जघन्य हत्याकांड..! १९४७ का विभाजन, सीधे-सीधे धार्मिक आधार पर था। मुसलमानो के लिए पाकिस्तान बना और वहां सारे मुसलमान जाएंगे ऐसा कहा गया। डॉ बाबासाहेब अंबेडकर जी ने जनसंख्या के अदला बदली की पुरजोर मांग रखी थी। किंतु गांधी जी और नेहरू के आग्रह के कारण, भारत के मुसलमानों को यहीं रहने के लिए कहा गया। पाकिस्तान में ऐसा हुआ नहीं।

आज से ठीक ७७ वर्ष पूर्व, चौदह दिनों के बाद आई हुई रात, यह विभाजन की रात थी। किसी समय अत्यंत शक्तिशाली, वैभवशाली और संपन्न रहे हमारे अखंड भारत के तीन टुकड़े हो गए थे। पवित्र सिंधु नदी हमें परायी हो गई। राजा दाहिर के पराक्रम की गाथा सुनाने वाला सिंध प्रांत हमसे छीन गया। हजारों वर्षों से वहां खेती / किसानी / व्यापार करने वाले हमारे लाखों सिंधी भाई-बहन, एक ही रात में विस्थापित हो गए. हरा-भरा-फला-फुला पंजाब भी आधा गया। गुरु नानक देव जी का जन्मस्थान, पवित्र ननकाना साहिब गुरुद्वारा भी गया। गुरुद्वारा पंजासाहिब भी गया। महाराजा रणजीत सिंह के पराक्रम की निशानियां जाती रही। देवी की शक्तिपीठों में से एक, पवित्र हिंगलाज देवी का मंदिर भी हमें पराया हो गया। पवित्र दुर्गा कुंड से सुशोभित, पूर्व का वेनिस कहलाने वाला, बंगाल का 'बरिसाल' हमसे छीन लिया गया। ढाके की मां ढाकेश्वरी भी परायी हुई। १२ लाख से १५ लाख लोगों की हत्या और डेढ़ करोड़ लोगों का विस्थापन करने वाला यह विभाजन क्यों हुआ....? इस विभाजन का एकमात्र कारण था, अलग राष्ट्र का मुसलमानों का दुराग्रह और इस मांग को मनवाने के लिए किया गया 'डायरेक्ट एक्शन डे' जैसा जघन्य हत्याकांड..! १९४७ का विभाजन, सीधे-सीधे धार्मिक आधार पर था। मुसलमानो के लिए पाकिस्तान बना और वहां सारे मुसलमान जाएंगे ऐसा कहा गया। डॉ बाबासाहेब अंबेडकर जी ने जनसंख्या के अदला बदली की पुरजोर मांग रखी थी। किंतु गांधी जी और नेहरू के आग्रह के कारण, भारत के मुसलमानों को यहीं रहने के लिए कहा गया।

पाकिस्तान में ऐसा हुआ नहीं। वहां ऐसा वातावरण बनाया गया कि सारे हिंदू वहां से पलायन करते गए। आज पाकिस्तान में बमुश्किल से १.९७% हिंदू बचे हैं, जो नरक से भी बदतर जीवन जी रहे हैं। यही हाल बांग्लादेश के हिंदुओं का है, जो मात्र ७.९% बचे हैं। संक्षेप में पाकिस्तान (और बाद में टूट कर बना बांग्लादेश) तो मुस्लिम राष्ट्र बन गया, किंतु भारत यह हिंदू - मुस्लिम राष्ट्र बना रहा। धीरे-धीरे भारत में मुस्लिम आबादी बढ़ती गई और उनका प्रतिशत भी बढ़ता गया। अगर यह मुस्लिम आबादी भारत की मुख्य धारा के साथ घुल-मिल जाती, भारत के पुरखों में अपने पुरखे ढूंढती, भारत की परंपराओं का सम्मान करती तो कोई प्रश्न नहीं खड़ा होता। इंडोनेशिया इसका जीता जागता प्रमाण है। विश्व की सबसे ज्यादा मुस्लिम जनसंख्या इंडोनेशिया में है। किंतु वहां का मुस्लिम, उस राष्ट्र की मुख्य धारा को अपना मानता है। वहां के पुरखों को, वहां की परंपराओं को अपना मानता है। उन पर गर्व करता हैं। इसलिए वहां के विद्यालय / विश्वविद्यालय के बाहर, देवी सरस्वती की भव्य प्रतिमाएं होती हैं। उनकी मुद्रा (नोटों) पर भगवान गणेश का चित्र रहता है। उनकी भाषा में ७०% संस्कृत शब्द रहते हैं। दुर्भाग्य से भारत के मुसलमानों ने ऐसा नहीं किया। वह उन्हीं रास्तों पर चल रहे थे, जिन पर स्वतंत्रता से पहले मुस्लिम लीग चली थी। इसीलिए विभाजन के ७७ वर्षों के बाद, आज जो स्वर सामने आ रहे हैं, वह अत्यंत चिंताजनक हैं। स्वतंत्रता पूर्व वाली स्थिति में हम पहुंच रहे हैं क्या, ऐसा सोचने के लिए पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं। अभी २०२४ के चुनाव में जो चित्र सामने आया हैं, वह इस बात को और स्पष्ट करता है। इस चुनाव में मुसलमानों ने रणनीतिक मतदान किया है' उनके मुल्ला - मौलवियों के अत्यंत स्पष्ट निर्देश थे कि भारतीय जनता पार्टी के विरोध में मात्र मतदान नहीं करना हैं, तो भारतीय जनता पार्टी को जो हरा सकता हैं, उसी उम्मीदवार को वोट देना हैं। अर्थात, अगर कोई मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में हैं, और वह भाजपा को हराने की क्षमता नहीं रखता है, तो उसे वोट नहीं देना हैं। इस बार कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडी एलायंस के उम्मीदवारों को मुसलमानों ने जबर्दस्त समर्थन दिया। इसलिए धुले लोकसभा में, छह में से पांच विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार १,९०,००० मतों से आगे थे। किंतु मुस्लिम बहुल मालेगांव (मध्य) इस एक विधानसभा क्षेत्र ने कांग्रेस के उम्मीदवार को १,९३,००० की लीड दी और भाजपा ३,००० मतों से परास्त हुई। यहां पर डॉ प्रकाश आंबेडकर के 'वंचित बहुजन समाज आघाडी' के जहूर अहमद मोहम्मद भी चुनाव मैदान में थे। किंतु उन्हें मुस्लिम वोटर्स ने सिरे से नकार दिया। उन्हें ५,००० वोट भी नहीं मिले। रणनीति के तहत, मुसलमानों ने अपने सारे वोट, कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर श्रीमती शोभा बच्छाव को दिए और उनकी जीत सुनिश्चित की। ऐसा देशभर, बहुतायत लोकसभा क्षेत्र में हुआ। स्वाभाविक था, कांग्रेस इसे फुली नही समा रही है। कांग्रेस के नेता, मुसलमानों के लिए 'कुछ भी' करने के लिए तैयार हैं। और यहीं पर कांग्रेस भारी भूल कर रही हैं। यही हुआ था स्वतंत्रता के पहले, तीस के दशक में, जब मुस्लिम तुष्टीकरण करने के कारण कांग्रेस को, और विशेषतः महात्मा गांधी जी को, यह लगता था कि मुस्लिम सारे कांग्रेस के साथ है, मुस्लिम लीग के साथ नहीं। प्रारंभ में मुस्लिम लीग ने भी यही गलतफहमी बनाए रखी। किंतु सही चित्र सामने आया, सन १९४५ के चुनाव में। इस बार, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग को काट देने के लिए, मौलाना अबुल कलाम आजाद को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। उनकी अध्यक्षता में लड़े गए, मुस्लिम तुष्टिकरण से भरपूर, इस चुनाव में कांग्रेस को मुसलमानों से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं थीं। किंतु कांग्रेस का दुर्भाग्य, मुसलमानों के लिए आरक्षित ३० में से एक भी सीट कांग्रेस को नसीब नहीं हुई। पूरे देश में मुसलमानों ने कांग्रेस को सिरे से नकार दिया और मुस्लिम लीग का ही पुरजोर समर्थन किया। महात्मा गांधी जी की तो यह प्रबल इच्छा थी की स्वतंत्रता के पश्चात पाकिस्तान में रहने के लिए जाएं।। उनको लगता था कि वह पाकिस्तान के मुसलमानों का मत परिवर्तन कर सकते हैं। किंतु दुर्भाग्य से, पाकिस्तान के राष्ट्रपती जीना, प्रधानमंत्री लियाकत अली खान या बाकी बड़े राष्ट्रीय नेता तो दूर की बात, पाकिस्तान के किसी गली के, किसी छुटभैय्ये नेता ने भी, गांधी जी को पाकिस्तान में आमंत्रित नहीं किया। अर्थात मुसलमानों ने कांग्रेस को 'यूज एंड थ्रो' पद्धति से अपनाया था। इस २०२४ के चुनाव में भी मुसलमानों ने इसकी झलक, कांग्रेस को दिखाई। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, पश्चिम बंगाल के बहरामपुर से सन १९९९ से चुनाव जीतते आए हैं। यह मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। अर्थात यहां ५२% मुस्लिम वोटर हैं। अधीर रंजन चौधरी ने पिछले बीस - बाईस वर्षों में मुसलमानों के लिए, इस क्षेत्र में जो-जो बन सका, वह सब कुछ किया हैं। किंतु इस बार रणनीति के तहत, मुसलमानों ने, तृणमूल कांग्रेस के माध्यम से गुजरात के यूसुफ पठान को यहां से चुनाव लड़वाया।

# आसान नहीं है 'विकसित भारत -2047'

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत-2047 पर देश में हर जगह चर्चा हो रही है। चचाओं का केंद्र अगले कुछ वर्षों में 7 प्रतिशत सालाना से अधिक औसत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करना है। इस समय भारत और चीन की तुलना करना उपयोगी हो सकता है। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 1991 में दोनों देशों में कृषि में रोजगार का प्रतिशत आसपास ही था। चीन में यह 60 प्रतिशत तथा भारत में 63 प्रतिशत था, किंतु विश्व बैंक के अनुसार करीब 30 साल बाद चीन में यह तेजी से कम होकर 23 प्रतिशत रह गया, जो भारत के 44 प्रतिशत आंकड़े से बहुत कम है। इन 30 साल के भीतर चीन में लगभग 20 करोड़ कृषि श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्रों में चले गए। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में भी काफी संख्या में श्रमिक खेती से बाहर चले गए मगर इसी दौरान कृषि में रोजगार पाने वालों की संख्या 3.5 करोड़ बढ़ गई। भारत को मौजूदा निम्न-मध्यम आय स्तर से उच्च आय स्तर या उच्च मध्यम आय स्तर तक लाने के लिए जरूरी बदलाव पर भी सबका ध्यान केंद्रित है । यह बदलाव रोजगार के ढांचे में होना है, जिसके तहत कृषि क्षेत्र से जुड़ा रोजगार घटना चाहिए और उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का रोजगार उतना ही बढ़ना चाहिए। वैसे भारत 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने की आकांक्षा रखता है और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कृषि रोजगार के प्रतिशत की बात करें तो आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में यह लगभग 5 प्रतिशत है जो भारत में कृषि में वर्तमान रोजगार के प्रतिशत का लगभग आठवां हिस्सा है। उच्च-मध्यम आमदनी वाले देशों में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी आज भारत की तुलना में केवल आधी है। विकसित देशों की श्रेणी में शामिल कृषि वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक जैसे न्यूजीलैंड या ब्राजील में भी

कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी केवल 6-8 प्रतिशत के भीतर है। अगर भारत को 2047 तक उच्च आमदनी वाले देश का दर्जा हासिल करना है या उच्च-मध्यम आय के स्तर तक पहुंचना है तो उसे कृषि से बड़ी संख्या में श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्र की ओर भेजने होंगे। इससे भी ज्यादा नाटकीय मामला वियतनाम का है, जहां 1991 में रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत थी मगर 2021 में घटकर 29 फीसदी रह गई। इसका बड़ा कारण यह है कि चीन और वियतनाम में इन वर्षों के दौरान अधिक निर्भरता विनिर्माण में रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने वाली वृद्धि पर रही है। भारत के मामले में 1991 और 2021 के आंकड़ों की तुलना में एक अहम बिंदु छुप जाता है। कृषि की हिस्सेदारी में गिरावट और उद्योग तथा सेवाओं में वृद्धि मुख्य रूप से 1990-91 से 2014-15 के बीच यानी 25 वर्षों दौरान हुई। उसके बाद से विनिर्माण में वृद्धि की कई योजनाएं आने के बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है। संभवतः कोविड के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की वापसी की वजह से भी कृषि क्षेत्र से रोजगार स्थानांतरित होने की रफ्तार धीमी रही है।भारत में राज्यों के बीच अंतर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अहम मुद्दा यह है कि हम किस दर पर उद्योग और सेवा क्षेत्र में बेहतर रोजगार सृजन कर सकते हैं ताकि कामकाजी उम्र वाले लोगों की बढ़ती संख्या और कृषि क्षेत्र से आने वाले लोगों को इसमें खप सके। 2047 तक कामकाजी उम्र वाली आबादी (15 से 59 वर्ष) का आधिकारिक पूवार्नुमान लगाएं और मान लें कि काम ढूंढने वालों में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी समूह की होगी तो हमारे पास रोजगार ढूंढने वाले करीब 12 करोड़ नए लोग होंगे। इसके अलावा सबसे मुश्किल पूवार्नुमान कृषि क्षेत्र से निकलने वाले श्रम बल के दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण के मूल्यांकन का स्तर है। अगर हम विकसित या उच्च आमदनी वाला देश बनना चाहते हैं तब कृषि क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा कम होकर 10 प्रतिशत के स्तर पर आना चाहिए। इसका मतलब है कि लगभग 15 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र छोड़ना होगा। इस तरह उद्योग और सेवा क्षेत्रों में 27 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा करने की आवश्यकता है ताकि रोजगार ढूंढने वाली आबादी और कृषि क्षेत्र छोड़ने वाली अतिरिक्त आबादी इसमें खप सके। अगले 25 वर्षों में यह तादाद सालाना 1 करोड़ से अधिक नई उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की नौकरियां हैं। असली चुनौती यह है कि हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक ऐसी योजना चाहिए जो उद्योग और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बेहतर मौके तैयार करे, खासतौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां आज भी औसतन करीब 55 प्रतिशत लोग खेती में रोजगार पाते हैं। अगले 25 साल में देश में जितने भी नए कामगार बढ़ेंगे, उनमें से लगभग 90 प्रतिशत इन पांच राज्यों से होंगे।

# Social Media Corner

सच के हक में...

मैं वायनाड में इस कठिन समय के दौरान उदार समर्थन के लिए कर्नाटक के लोगों और सरकार का बहुत आभारी हूं। दुखद भूस्खलन के पीड़ितों के लिए 100 घर बनाने की आपकी प्रतिबद्धता पुनर्वास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीयों की करुणा और एकजुटता ही वह ताकत है जिसकी वायनाड को अभी जरूरत है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में दलित समुदाय का उत्पीड़न चरम पर पहुंच चुका है। बाबासाहेब अम्बेडकर के संविधान की दुहाई देने वाले वाले @राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी दलितों पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस-झामुमो की सरकार झारखंड को 'इस्लामिक स्टेट' बनाने पर अमादा है। गिरिडीह जिले के धनवार प्रखंड में एक दलित महिला और उसके पति के साथ मारपीट तथा अभद्रता करते हुए जबरन इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव बनाया गया। जब महिला ने शिकायत दर्ज करायी तो मुखिया पति शाहबान अंसारी ने दलित महिला पर जबरन सुलहनामा दाखिल करने का दबाव बनाया, साथ ही सामाजिक दंड देने और सरकारी योजनाओं का लाभ रोकने की धमकी दी। झारखंड में दलित-आदिवासियों का धर्मांतरण कर उनका अस्तित्व मिटाने की साजिश चल रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झामुमो-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में ऐसी साजिशों को अंजाम दे रहे हैं। @डीसी गिरिडीह तत्काल पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करें एवं इस साजिश में संलिप्त लोगों को कड़ी कारवाई करें ।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

# संयुक्त परिवार में ही सुरक्षित है नौनिहालों का भविष्य

दो दिन पहले एक समाचार आया कि पुणे में रहने वाले एक 16 वर्ष के बच्चे ने ऑनलाइन गेमिंग के टास्क को पूरा करने के लिए 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा ₹लॉग ऑफ₹। केवल इतना ही नहीं आत्महत्या के पहले बच्चे ने एक कागज पर पेंसिल से उसके अपार्टमेंट और गैलरी से कूदने वाला टास्क बनाया। इसी पेपर में लॉगआउट भी लिखा है। बच्चे के कमरे से गेम की कोडिंग भाषा में लिखे कई कागज भी मिले हैं। बच्चे की मां के अनुसार वह दिन भर अपने कमरे में बंद रहकर गेम खेलता था। जिस दिन बच्चे ने ये कदम उठाया मां दूसरे बीमार बच्चे की देखरेख कर रही थी। पिता विदेश में कार्यरत हैं और मां भी कामकाजी है। अब प्रश्न ये उठता है कि ऐसे में हमारे बच्चे कैसे सुरक्षित रहेंगे? आपको ब्लू व्हेल गेम याद ही होगा। उसमें भी टास्क के जरिए खिलाड़ी को आत्महत्या के लिए मजबूर किया जाता था। वर्ष 2017 में ब्लू व्हेल गेम पर देश में प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन अब एक नया गेम सामने हैं। ताजा मामला ऐसे ही एक ऑनलाइन गेम का है। भारत में ब्लू व्हेल गेम ने पहला शिकार जुलाई 2017 में मुंबई के 14 साल के स्कूल छात्र मनप्रीत सिंह साहनी को बनाया था। तब मनप्रीत ने 7वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। 2019 में जारी एक रिपोर्ट की मानें तो ब्लू व्हेल गेम के चलते रूस, यूक्रेन, भारत और अमेरिका में 100 से ज्यादा बच्चों की जान गई थी। वर्तमान में अधिकांश घरों में माता और पिता दोनों ही कामकाजी होते हैं। एकल परिवार होने से बच्चों को अकेले या दूसरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। ऐसे में बच्चे का मनोविकास वैसा नहीं हो पाता, जैसा होना चाहिए। कई बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। कई दुर्व्यवहार या शोषण का शिकार होते रहते हैं। एक खतरा ऑनलाइन गेम्स का भी आ गया है। देश में ज्यादातर बच्चो के पास बच्चों के पास मोबाईल फोन और टैब है। ऑनलाइन गतिविधियों के माध्यम से ब्रेनवाश कर उनका जीवन तक छीना जा रहा है। ऑनलाइन रहने के कई खतरे बच्चो पर मंडरा रहे हैं, जिससे अभिभावक पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। अब प्रश्न खड़ा होना स्वाभाविक है कि अपने बच्चों को बचाएं कैसे? इसका केवल एकमात्र ही समाधान हैं संयुक्त परिवार। जहां बच्चे पूरी तरह सुरक्षित, स्वस्थ व चरित्रवान बन सकते हैं। संयुक्त परिवारों में दादा-दादी, काका-काकी, ताऊ-ताई और परिवार के अन्य छोटे-बड़े सदस्य साथ रहतें हैं। सब एक दूसरे की चिंता करते हैं, देखभाल करते हैं और आपस मे स्नेह बांटते हैं। विशेषकर बच्चे सबकी नजरों के सामने रहते हैं। उनमें परिवार के संस्कार स्वतः ही हस्तांतरित होते हैं। घर मे बुजुर्गों के रहने से बच्चों की दिनचर्या अनुशासित होती है। भारतीय संयुक्त परिवारों में बच्चों को अन्य सम्बन्धों में भी माता-पिता से भी अधिक प्रेम पाते हम सबने देखा है। बच्चे अपने दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्यों जैसे बुआ, काका, मामा के अत्यंत निकट होते हैं। परिवार के अन्य बच्चों के साथ वे परस्पर सहयोग करना आसानी से सीख जाते हैं। मिल कर रहना और सबका सम्मान करने का भाव उनकी प्रकति में सहज ही समा जाता है। किशोर या युवा होने पर वे गली, मोहल्ले या शहर में कहां, किसके साथ खड़े हैं या घूम रहे हैं, इस पर अन्य परिजनों की दृष्टि भी रहती है। इससे बालक या बालिका कभी पथ भ्रष्ट नहीं होते। लेकिन आज पाश्चात्य प्रभाव के कारण परिवार टूटने लगे हैं। कर्तव्यों की बात करने वाले हम भारतीय अधिकारों की बात करने लगे। यहीं से त्याग व समर्पण की जगह स्वार्थ ने ले ली। ये स्वार्थ हमारे बच्चों पर भारी पड़ने लगा है। उन्हें परिवार का वह समुचित सुख नहीं मिल पा रहा, जिसके वे अधिकारी हैं। वैसे भी हमारे परिवार की विरासत हमारे बच्चों तक हमारा परिवार ही हस्तांतरित कर सकता है।

# समस्या भरी ऊर्जा

भारत सरकार निजी क्षेत्र के साथ मिलकर छोटे मॉडुलर रिएक्टरों (एसएमआर) का अध्ययन और परीक्षण करना चाह रही है। विश्व में इस्तेमाल होने वाली तरह-तरह की ऊर्जा में परमाणु ऊर्जा एक अहम शक्ति स्रोत है, क्योंकि (अन्य) नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों के विकसित और परिपक्व होने का इंतजार हो रहा है, जबकि जीवाश्म-ईंधन-आधारित स्रोत, खासकर कोयला, अब भी प्रासंगिक और ज्यादा वहनीय बने हुए हैं। परमाणु ऊर्जा पर्याप्त रूप से उच्च और टिकाऊ बिजली उत्पादन मुहैया कराती है, भले ही सुरक्षित व भरोसेमंद रिएक्टर बनाने और इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन से निपटने जैसी बाह्यीकृत (कीमत-निर्धारण में शामिल नहीं की गयीं) लागतें इस गणित को जटिल बनाती हैं। वास्तव में, किसी परियोजना के चालू हो पाने तक, लागत और समय के अनुमान का दोगुने तक बढ़ जाना कोई अनसुनी चीज नहीं है। इस प्रकार नयी सुविधाओं से परमाणु बिजली की दर अपेक्षाकृत अधिक है, भले ही वे नवीकरणीय स्रोतों से रह जाने वाली बिजली की कमी को भी पूरा करती हैं। कुल 10 एमडब्ल्यूई से 300 एमडब्ल्यूई तक की क्षमता वाले एसएमआर पारंपरिक रिएक्टरों के छोटे संस्करण हैं। वे परमाणु ईंधन के उच्च एनर्जी कंटेंट, मॉडुलर डिजाइन, छोटे परिचालन सतह क्षेत्र और कम पूंजीगत लागत का लाभ उठाकर, वाणिज्यिक व्यवहार्यता से समझौता किये बिना ज्यादा सुरक्षित होने की आकांक्षा रखते हैं। लेकिन चुनौती इस आकांक्षा को एसएमआर की बाह्य लागतों के बोझ से बचाये रखने की है। सरकार द्वारा परमाणु बिजली उत्पादन का निजीकरण, रेडियोधर्मी सामग्री को सैन्य इस्तेमाल के लिए मोड़े जाने के खिलाफ विनियामक सुरक्षा-उपायों की मांग भी बढ़ायेगा। पहली पीढ़ी के एसएमआरों से उम्मीद की जाती है कि वे फैक्ट्री-निर्मित पुर्जों के साथ साइट पर असेंबल की गयी सुविधाओं में कम-संवर्द्धित यूरेनियम का इस्तेमाल करें, ताकि ऐसा कचरा पैदा हो जिससे मौजूदा तकनीकों का इस्तेमाल करके निपटा जा सके और ऐसी बिजली पैदा हो जो किफायती दरों पर बेची जा सके।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# India's Commitment To Make A TB-Mukt Bharat

One of the biggest killers, Tuberculosis (TB) is an infectious disease and found in every part of the world. It continues to be a major public health issue of global concern. India carries one of the largest global burden of the disease. The central and state governments are committed to ending it by 2025, five years ahead of the global target under the Sustainable Development Goals (SDG) 2030. Let us deep dive into the different aspects of the disease and understand India's initiatives in this direction.

Global burden of TB

TB is an infectious airborne disease caused by Mycobacterium tuberculosis (M.tb). WHO estimates that nearly 1.8 billion people, accounting for close to 1/4 of the global population, are infected with TB. Approx. 13 lakh children get sick with TB each year. It is one of the leading infectious causes resulting in worldwide deaths. Last year, TB was noted to be the world's second leading cause of death from a single infectious agent, after COVID-19. It caused almost twice as many deaths as HIV/AIDS. In 2022, 1.06 cr were infected from TB and 14 lakh died due to it. TB results in 3500 deaths on a daily basis.Tuberculosis is strongly influenced by different social and economic and health-related risk factors. These are undernutrition, diabetes, HIV infection, alcohol use disorders and smoking. According to WHO, on the global scale in 2020, an estimated 19 lakh incident cases of TB were due to undernutrition, 7.4 lakh to HIV infection, 7.4 lakh to alcohol use disorders, 7.3 lakh to smoking and 3.7 lakh to diabetes. Although, there are regional and national variations. For instance, a high incidence is noticed among the urban population living in slums.Thirty countries that bear a high TB burden account for 87% of the world's total TB cases. Of these, two-thirds of the global total burden was found in eight countries.

India accounts for a large share at 27% of the total global cases followed by Indonesia (10%), China (7.1%), the Philippines (7.0%), Pakistan (5.7%), Nigeria (4.5%), Bangladesh (3.6%) and the Democratic Republic of the Congo (3.0%).

WHO commends India's strides

The World Health Organisation (WHO) Global TB Report 2023 has credited India for its noteworthy activities and interventions towards a tuberculosis free country. WHO has appreciated India for its highly significant progress in reducing the incidence of tuberculosis by 16 per cent and mortality due to it by 18 per cent since 2015 (till 2022).

India has been commended for its intensified case detection strategies that have led to the highest-ever cases notification of cases 2022; at more than 24.22 lakh TB cases, these notifications surpassed the pre-COVID levels. A record notification was undertaken in 2023, with 25.5 lakh TB cases notified. Of these, 17.1 lakh TB cases were notified in the public sector, while8.4 lakh stood notified by the private sector. At 33% of the total notifications, this was the highest ever. The increase by more than eight times over the past nine years in the private sector notification has come through as a result of a focused and targeted engagement with the private sector through various interventions. Additionally, the treatment coverage has expanded to 80 per cent of the estimated TB cases, a hike of 19 per cent over the previous year.In an encouraging observation, the WHO report also acknowledges that the pace of decline in India is almost double the pace at which global TB incidence is declining, which is 8.7 per cent. In addition, WHO has also made a downward revision of the TB mortality rates (from 4.94 lakhs in 2021 to 3.31 lakhs in 2022). The reduction of over 34 per cent is based on cause-of-death data for 2014-2019 collected from the sample registration system (SRS).

Key Initiatives to make India TB-Mukt

It is important to note that even though Tuberculosis is very infectious, it is entirely preventable and a curable disease when detected in a timely manner and the treatment is fully completed.Saddled with the burden of the highest level of global TB incidence Government of India has decided to tackle the menace of TB in a mission mode.

# How Olympics opening ceremony could have been used to boost the 'Make in India' vision

Sir — Indian athletes at the Paris Olympics were not dressed to kill. During the opening ceremony, athletes from around the globe donned outfits that reflected their countries' unique cultures. However, the designer, Tarun Tahiliani, who designed the clothes for Team India, chose to use unimaginative digital prints and synthetic fabrics. The Olympic Games would have been the perfect opportunity for the government to support local artisans by hiring them to make dresses that adhered to the codes of the event while showcasing Indian craftsmanship. Visibility at such a huge platform would have boosted the vision of 'Make in India'.

Shreya Chatterjee, Calcutta

Epic similarities

Sir — During the discus-sion on the budget in Parlia-ment, the leader of the Opposition, Rahul Gandhi, referred to the Mahabharata. Just like the young warrior, Abhi-manyu, who was killed inside the chakravyuh formation, the budget introduced by the Narendra Modi-led government has trapped women, youth and farmers ("Crashed: Modi's chakravyuh", July 30). One must appreciate Rahul Gandhi's grasp over the epics, which the Bharatiya Janata Party leaders claim to be well-versed in. Modi and his followers find themselves in a sticky situation.

**T. Ramadas, Visakhapatnam**

Sir — Rahul Gandhi has made an apt comparison between the budget presented by the Centre and the deadly chakravyuh in the Mahabharata as both are meant to entrap helpless people. The Union budget shows a clear bias towards corporate houses, large businesses, and politicians whom the BJP wants to appease to retain power at the Centre. It made little effort to address unemployment and illiteracy in India. It failed to support small-scale industries. This chakravyuh must be broken.

Asim Boral, Calcutta

Caged voices

Sir — It is disheartening that restrictions were im-po-sed on journalists in Parliament ("Journalists 'caged' in Temple of Democracy", July 30). Media personnel, who were earlier allowed to record footage and speak to members of Parliament at the Makar Dwar, were removed by the security staff. This is a blatant attack on press freedom and the leader of the Opposition, Rahul Gandhi, has rightly requested the Speaker to lift the restriction. The Speaker subsequently assured the journalists that all their grievances would be addressed and better

facilities provided to them to discharge their duties. The press cannot be kept away from elected representatives in a democracy.

Jayanta Datta, Hooghlys

Sir — Along with the rest of India, the Northeast is facing extreme heatwave-like conditions due to climate change. Rainfall patterns have changed and extreme weather events are on the rise. Earlier, the Northeast used to experience frequent drizzles that kept heat at bay. However, heavy rainfall is now causing out of season floods. While schemes have been formulated at the national level to deal with these issues, state governments have failed to reduce the carbon footprints of the respective regions.

The government should check rapid urbanisation and rampant deforestation with policy interventions. People should also be made more aware of sustainable practices to prevent ecological damage.

A.K. Chakraborty, Guwahati

Thoughtful gift

Sir — It is heartening that Bhutan's De-suung Skilling Programme has launched a blood donation drive to support Bhutanese cancer patients undergoing treatment in Tata Medical Centre, Calcutta ("Gift of blood to hospital from across border", July 30). Each year, around 1,200 Bhutanese patients arrive at this leading cancer treatment facility. The drive will hopefully address the severe shortage of blood faced by these patients.

Khokan Das, Calcutta

Sir — Bhutan has taught the world a valuable lesson. Bhutan's king has encouraged volunteers from various walks of life in Bhutan to donate blood to a hospital in Calcutta. As many as 334 people have already registered as donors.

It is heartening that citizens did not shrug off their responsibility. It is clear why Bhutan measures its prosperity on the Gross National Happiness Index. Despite being economically backward, Bhutan's goal is 'development with values'. India should shun divisiveness and follow suit.

Kajal Chatterjee, Calcutta

Surprise enty

Sir — A recent study has found that common mynas are one of the most important species among urban scavengers ("Myna surprise on scavenger list", July 30). Will the common crows now lose their distinction as the jharudaar pakhi among Bengalis?

Sourish Misra, Calcutta

Sir — Once the prized pets of Bengalis, the mynas, known for their garrulous nature, have now become urban scavengers. Is this not another effect of anthropogenic destruction of the natural avian habitats?

# Quota within quota

## Onus on states to uplift the neediest

THE Supreme Court has ruled that states are constitutionally empowered to make sub-classification of Scheduled Castes (SCs) and Scheduled Tribes (STs) for granting quotas within the reserved category in order to uplift more underprivileged castes. The majority verdict comes with a rider: the sub-classification has to be justified by 'quantifiable and demonstrable data by the states, which cannot act on their whims'. The challenge for the states is to ensure that the benefits of reservation percolate down to the neediest and poorest of the poor. Justice BR Gavai, who was among the seven judges on the Bench, has put the onus on the states to identify the creamy layer in SCs and STs and take it out of the ambit of reservation.Commendably, the court has recognised that SCs are not a homogenous class. Hence, there cannot be a one-size-fits-all approach. Over the

decades, the quota system has been plagued by the Animal Farm paradox — all are equal, but some are more equal than others. The creamy layer has made the most of reservation from one generation to another, even as the weakest sections have lagged socially as well as economically.

The states should initiate the 'quota within quota' exercise in a rational and calibrated manner on the basis of a comprehensive survey. Political and electoral considerations will come into play, and striking a fine balance will be an onerous task. Protests by groups whose prospects will be impacted by the sub-classification are a distinct possibility. Addressing the inadequacy of representation of certain sub-categories can pave the way for their much-needed uplift. With the CJI making it clear that any decision to sub-classify SCs to grant more quota benefits to a particular caste can be reviewed judicially, there is hope that states will refrain from misusing their power and instead make earnest efforts to remove intra-quota imbalances and disparities.

# A second look

In the Puja Khedkar case, the Union Public Service Commission announced on July 31 that it had "examined the available records carefully and found her guilty of acting in contravention of the provisions of the CSE-2022 Rules. Her provisional candidature for the CSE-2022 has been cancelled and she has also been debarred permanently from all the future Examinations/Selections of the UPSC." Earlier, on July 19, the UPSC formally announced that following a "detailed and thorough investigation in the misdemeanour of Ms. Puja Manorama Dilip Khedkar", a first information report has been lodged for her "Criminal Prosecution". Additionally, a show cause notice was issued to her for the "cancellation of her candidature for Civil Services Examination 2022" and "debarment from future examinations/selections". The UPSC had asserted that its investigation had shown that Khedkar had "fraudulently availed attempts beyond the permissible limit under the Examination Rules by faking her identity by way of changing her name, her father's & mother's name, her photograph/ signature, her email ID, mobile number and address".

While the government's additional-secretary-level inquiry is understood to have submitted its findings, as the UPSC has cancelled Khedkar's candidature, her appointment to the IAS, ipso facto, falls. The Khedkar case is being closely monitored by UPSC aspirants. The UPSC had initially asked Khedkar to respond to the questions in the show cause notice by July 25. She had asked for an extension of time till August 4. But the UPSC only gave her an extension to submit a reply till 3.30 pm of July 30. She did not do so by then; hence, the UPSC gave an ex parte order. If Khedkar goes to court, it can only be hoped that the UPSC's ex parte decision would stand judicial scrutiny. In the July 31 press note, the UPSC has assured that Khedkar was the only candidate in the past 15 years who succeeded in availing more than the entitled attempts. However, the Commission passed the buck the genuineness of the candidates' documents to the government.

The UPSC is a recommendatory body for some classes of appointments to government services, including the civil services. It functions under a constitutional mandate. Once the government receives the UPSC's recommendations, it conducts its own investigations about the antecedents of those recommended and also ascertains their medical fitness prior to various cadre-controlling authorities issuing appointment letters to successful candidates. The appointments are first made on a probationary basis. Once the period of probation, which includes training, is over, appointed officers are confirmed in their respective services.

People with Benchmark Disa-bi-lities have a quota in the civil services. The quota's details, including the specified disabilities, are spelt out by the UPSC every year. The Commission also announces all other conditions pertaining to the examination annually. These conditions include age limits, educational qualifications, quotas for scheduled castes, scheduled tribes, other backward classes and PwBD candidates. The examination is a two-step process, preliminary and, for those who clear it, the main examination along with an interview. The subjects which a candidate can offer in the main examination are also given in detail. The 2024 UPSC full examination notice is a 156-page document which, ab initio, advises candidates "to carefully read the Rules of Civil Services Examination notified by the Government (Department of Personnel and Training) and this Notice of Examination [is] derived from these Rules".This clarification indicates that the government is deeply involved in the examination process and that the UPSC ensures that the examination is conducted impartially. The government decides the structure of the examination but is not involved in the examination process itself,

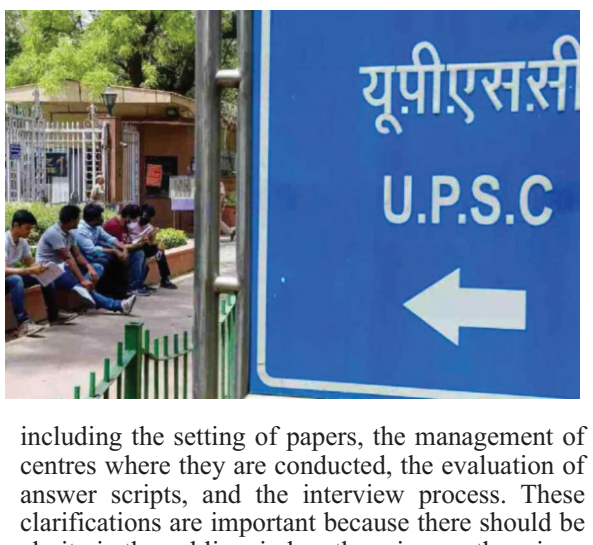


including the setting of papers, the management of centres where they are conducted, the evaluation of answer scripts, and the interview process. These clarifications are important because there should be clarity in the public mind on these issues; there is so much prestige attached to the civil services examination. The importance of the civil services to India's national life cannot be overstated either.One important point on which the UPSC is silent regarding its investigation concerns reports that Khedkar did not submit herself for examination at the All India Institute of Medical Sciences for checking her disabilities but that she produced a certificate from other sources which the government clearly accepted. Note-III (p 20) of the UPSC examination notice clarifies that while PwBD candidates would have been previously tested, "prescribed Medical Examination as per these Rules, also including those for Benchmark Disability category(ies), shall be mandatory and only the results of the prescribed Medical Examination shall be deemed valid for assessing whether a PwBD candidate meets the requirements to be appointed". As appointments are in the purview of the government, it is essential to know whether Khedkar 'gamed' the medical examination system and, if so, how. Thus, this issue cannot be brushed under the carpet even though the UPSC cancelled her candidature. The government has to come clean on this issue.The July 19 UPSC press note states "The UPSC has deservedly earned the trust and credibility of a very high order from the public, especially the candidates. The Commission is unequivocally committed to ensure that such high order of trust and credibility remains intact and uncompromised." There is no doubt that the people have enormous trust in the UPSC. This has to be preserved at all costs. In a democracy, institutions can never take public trust for granted. They have to constantly reinforce it through their efficiency and the conduct of their members. The latter aspect is not governed as much by laws and rules as by their leadership's self-restraint and manifest independence. This is impaired in the UPSC's case if, after retirement, some UPSC members develop links with commercial coaching centres. It is also damaged if sitting members begin to extol the virtues of government policies. Are these members not straying into the political arena when they are required to be manifestly independent? Will candidates who appear before interview boards they head be comfortable in giving their candid views? Indeed, the Commission as a whole should objectively consider these matters and devise its own norms for the public expression of views by its members and their engagement with commercial coaching centres after their retirement.

With respect to the UPSC's efficiency, Page 10 of the Examination Notice on nationality requirements as part of eligibility conditions is a let down. For services other than the IFS, IAS and the IPS, nationals of some select countries and people of Indian origin from some nations are eligible provided they get an eligibility certificate from the government.

## Vedanta Aluminum acquires seventh Bureau of Indian Standards certification

**RAIPUR.** Vedanta Aluminium becomes the "first company in the country's aluminium industry to secure seven Bureau of Indian Standards (BIS) certifications" for its extensive range of aluminium products after the newly certified 12 mm wire rods, produced at its Chhattisgarh-based Bharat Aluminium Company Limited (BALCO) facility in Korba district.

The certified 12 mm aluminium wire rods have diverse applications, primarily in electrical and power transmission, owing to their superior conductivity, lightweight nature, and sterling durability.

Alongside the new BIS certification of 12 mm wire rods, BIS has re-certified six additional product categories: EC Ingots, Alloy Ingots, Primary Ingots, Rolled Sheets, Rolled Conductor Plates, and Rolled Plates for general engineering purposes – all of which are produced at Balco.The company boasts of acquiring an edge in the market with seven BIS certifications covering a total of 17 aluminium products.The Bureau of Indian Standards applying rigorous assessment methodologies is the apex domestic body tasked with defining quality standards across industry sectors."At Vedanta Aluminium, our focus is to consistently deliver top-notch aluminium products that meet the highest standards. These BIS certifications reflect our rigorous quality control and advanced production techniques, enabling us to serve diverse industries and global customers with a diverse range of products that are designed to exceed industry standards", said John Slaven, CEO, Vedanta Aluminium.

Vedanta's aluminium quality products prepared using some of the world's best technologies in manufacturing are also registered with the London Metal Exchange (LME).

## Tata Electronics Holds Groundbreaking Ceremony Of Rs 27,000 Crore Chip Plant In Assam

**New Delhi.** In a fillip to Prime Minister Narendra Modi's vision to make India a global semiconductor manufacturing hub, Tata Electronics on Saturday held the ground-breaking ceremony of its chip assembly and testing unit at Jagiroad in Morigaon district, Assam.

The groundbreaking ceremony was held in the presence of Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma and N. Chandrasekaran, Tata Sons' Chairman.

Touted as Northeast India's largest investment project, the Rs 27,000 crore Tata semiconductor plant is likely to generate over 27,000 direct and indirect jobs in the region.The first phase of the plant is set to be operational by mid-2025. In March this year, PM Modi virtually laid the foundation stone of a state-of-the-art semiconductor fab in Dholera, Gujarat and a Semiconductor Assembly and Test (OSAT) facility in Jagiroad.The Rs 91,000 crore chip fabrication plant at Dholera will generate over 20,000 skilled jobs in the region. The Centre in February approved three semiconductor plants - two in Gujarat and one in Assam - for about Rs 1.26 lakh crore.

## Ola Electric IPO booked 35 per cent on day one

**NEW DELHI.** The much-anticipated Rs 6,145 crore initial public offering (IPO) of electric two-wheeler company Ola Electric received a dull response, with the issue being subscribed only 35 per cent or 0.35 times on the first day of the bidding on Friday. The issue, open for subscription from August 2 to August 6, received bids for 16.31 crore shares against 46.51 crore shares on offer.

Decent enthusiasm came from retail investors as their quota was subscribed 1.57 times. The portion set aside for non-institutional investors was subscribed only 20 per cent while the portion for qualified institutional buyers (QIBs) portion is yet to be booked. The employee portion was booked 4.88 times.The IPO is a combination of a fresh issue of equity shares up to Rs 5,500 crore and an offer for sale (OFS) of 8.49 crore equity shares worth Rs 645.56 crore, at the upper end of the price band, by promoters and investors. This takes the total issue size to Rs 6,145.56 crore. Korean auto giant Hyundai Motor Company will own shares worth USD 99 million of Ola Electric if the ongoing issue sails through.

## Sensex falls one per cent on global cues, dull corp earnings, Middle-East tension

**NEW DELHI.** Weak global cues, lacklustre Q1FY25 corporate earnings and rising tensions in West Asia weighed down heavily on stock markets worldwide, including India, as benchmark indices - the BSE Sensex and the NSE Nifty50 - plunged over 1 per cent each on Friday.The 30-share index Sensex finally closed 886 points or 1.08 per cent lower at 80,981.95 while the Nifty 50 settled 293 points or 1.17 per cent lower at 24,717.70. In the broader market, the mid and smallcap indices on the BSE fell 1.19 per cent and 0.58 per cent, respectively.Investors lost as much as Rs 5 lakh crore during the session as the market capitalisation of all firms listed on the BSE came down to Rs 457 lakh crore from 462 lakh crore in the previous session.Vinod Nair, head of research, Geojit Financial Services, said the Indian market is showing signs of fatigue at higher levels, as most positive factors have already been priced in. Subdued Q1FY25 earnings and stretched valuations are not reassuring investors.

"Globally, economic growth is showing signs of weakness, compounded by escalating trade tensions, conflicts in the Middle East, and persistently high inflation…Going forward, the chances of further consolidation seem elevated due to premium valuations, weak Q1 results, and ongoing global market consolidation," added Nair.

# New record in ITR filing; more taxpayers opt for new regime. Details here

**New Delhi.** The Income Tax Department has reported a record-breaking number of income tax returns (ITRs) filed for the assessment year (AY) 2024-25, with over 7.28 crore submissions made by the July 31 deadline.The tax department said this marks a 7.5% increase compared to the previous year's total of 6.77 crore ITRs filed by July 31, 2023.

More taxpayers prefer new tax regime

An important trend this year is the shift towards the New Tax Regime. Of the 7.28 crore ITRs filed, 5.27 crore were under the New Tax Regime, representing approximately 72% of the total filings.In contrast, 2.01 crore ITRs were filed under the Old Tax Regime, accounting for 28%.

It may be noted that July 31, the due date for salaried taxpayers and non-tax audit cases, saw a peak in filings with over 69.92 lakh ITRs submitted in a single day.

The e-filing portal experienced its highest hourly rate of 5.07 lakh ITRs filed between 7:00 PM and 8:00 PM, and a record per minute rate of 9,367 ITRs at 8:08 PM. Additionally, the highest per second rate recorded was 917 ITRs on July 17 at 8:13:54 AM.

The Department also noted a significant number of first-time filers, with 58.57 lakh new ITRs submitted by the deadline, indicating a broadening tax base.

For the first time, various ITR forms (ITR-1, ITR-2, ITR-4, ITR-6) were made available on the e-filing portal on April 1, the first day of the financial year. The ITR-3 and ITR-5 forms were also released earlier than in previous years.

To assist taxpayers in understanding the differences between the Old and New Tax Regimes, the Department provided educational materials, including FAQs and videos, on the e-filing portal. Outreach campaigns across social media and various platforms, including 12 vernacular languages, further encouraged early filings.

ITR filing AY2024-25 in numbers

Out of the 7.28 crore ITRs filed, 45.77% were ITR-1 (3.34 crore), 14.93% were ITR-2 (1.09 crore), 12.50% were ITR-3 (91.10 lakh), 25.77% were ITR-4 (1.88 crore), and 1.03% were ITR-5 to ITR-7 (7.48 lakh). Notably, 43.82% of these filings were made using the online ITR utility, with the remainder using offline utilities.The e-filing portal handled the heavy traffic efficiently, providing a seamless experience, added the tax department.On July 31 alone, there were 3.2 crore successful logins. The process of e-verification, crucial for initiating ITR processing and issuing refunds, saw over 6.21 crore ITRs e-verified by the deadline, with 93.56% of these through Aadhaar-based OTP.

**ITR processing update**

As of July 31, over 2.69 crore ITRs for AY 2024-25 had been processed, representing 43.34% of e-verified returns. The TIN 2.0 payment system recorded 91.94 lakh challans in July 2024 alone, with a total of 1.64 crore challans filed since April 1, 2024.The e-filing Helpdesk supported taxpayers throughout the year, handling approximately 10.64 lakh queries up to July 31. The team provided assistance through calls, live chats, WebEx, and co-browsing sessions, resolving over 1.07 lakh email queries with a 99.97% success rate."The Department expresses its gratitude to tax professionals and taxpayers for their support in compliances in filing of ITRs and Forms. Taxpayers are also requested to verify their unverified ITRs if any, within 30 days of filing the ITR," said the tax department."The Department also urges taxpayers, who for any reason, missed filing their ITR within the due date, to complete their filing expeditiously," it added.

# ED raids in Mumbai, Delhi, Surat in Sunrise Asian scrip price manipulation case

**Mumbai.** The Enforcement Directorate (ED), Mumbai Zonal Office conducted search operations on July 31 under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002 at various locations in Mumbai, Surat and Delhi as part of an ongoing investigation against M/s Iceworth Reality LLP and other entities in connection with manipulation of prices in scrip of Sunrise Asian Limited (SAL).During the search operations, movable properties in the form of diamonds, bank funds, demat account holdings and cash to the tune of approximately Rs 38.57 crore were either seized or frozen and various incriminating documents, digital devices were recovered as well.The ED initiated an investigation on the basis of

a complaint under various sections of the Securities and Exchange Board of India (SEBI) Act 1992.The case pertains to manipulation of stock prices of the scrip of Sunrise Asian Limited (SAL) by M/s Iceworth Reality LLP and other accused persons and entities in collusion with several interconnected group entities thereby making unlawful profits at the expense of bonafide investors.

Furthermore, the hike witnessed in the price of the scrip during the investigation period was not in synchronisation with the actual financial performance of the company and was solely on account of the manipulations committed by the group entities.The ED investigation revealed that several entities and individuals had derived huge profit by indulging in the manipulation of prices of the scrip of SAL, while causing losses to genuine investors.The illegal profits derived in this manner were routed through the accounts of different entities and individuals, with some of them being engaged in the business of diamond trading.

## Instagram blocked in Turkey for second day amid censorship accusations

**ISTANBUL**. Instagram users in Turkey found access to the social media network blocked for a second day on Saturday, following censorship accusations against the US company from a high-ranking Turkish official.The BTK communications authority announced on its website on Friday that the Meta-owned platform had been frozen, without giving any reason.

But Transport and Infrastructure Minister Abdulkadir Uraloglu said on Friday Instagram had ignored government demands for it to remove certain posts."Our country has values and sensitivities. Despite our warnings, they did not take care of criminal content.

"We blocked access. When they abide by our laws, we'll lift the ban."On Wednesday, the president's communications director, Fahrettin Altun, had accused Instagram of censure, saying it was "preventing people from publishing messages of condolence for the martyr (Hamas leader Ismail) Haniyeh"."This is a very clear and obvious attempt at censure," Altun said on X.Haniyeh, the political leader of Palestinian Islamist group Hamas and a close ally of Turkish President Recep Tayyip Erdogan, was killed in Tehran on Wednesday in an attack blamed on Israel.

Erdogan decreed a national day of mourning in memory of Haniyeh, who played a key role in talks aimed at ending nearly 10 months of war in Gaza.An anonymous BTK source denied the move was due to Instagram blocking posts about Haniyeh, telling website Medyascope that it was due to "insults to Ataturk", the founding father of modern Turkey, and "crimes" including "drug games (and) paedophilia".The social-democrat and nationalist opposition parties, and the Ankara legal profession petitioned the courts on Friday evening for the freeze to be lifted.According to Turkish media, 50 million of the country's 85 million people have an Instagram account.This is not the first time that Turkish authorities have temporarily blocked access to social media sites, including Facebook, X and Wikipedia.Erdogan's government is regularly accused of muzzling freedom of expression.

# Telcos directed to display broadband coverage map, service quality reports

**NEW DELHI.** In a move to enhance transparency and quality of service, the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has mandated broadband service providers to display mobile coverage maps on their websites, categorised by technology (2G, 3G, 4G, 5G), starting from October 1, 2024. This directive follows the release of revised standards of quality of service for access and broadband services.

**To ensure timely resolution of network issues, mobile service QoS performance will be monitored monthly instead of quarterly.**

Service providers must publish performance reports, including quality of service (QoS) metrics against prescribed parameters on their websites. These regulations apply to both access (fixed and mobile) and Broadband services. To ensure timely resolution of network issues, mobile service QoS performance will be monitored monthly instead of quarterly.Service providers have a six-month transition period from the regulation's effective date. TRAI will collect data on parameters such as network availability, call drop rate, and voice packet drop rates for uplink and downlink at the cell level to gain insights into performance at a granular level. The new regulations will replace three existing sets of regulations and consolidate QoS benchmarks for all three services in one place.

The purpose to supersede the technology landscape of telecom networks has changed and moved towards converged networks. TRAI is of the view that to account for the quality aspects arising out of large-scale penetration of new and emerging technologies such as 4G and 5G and high-speed broadband services on fiber, the authority decided to carry out an extensive review of the existing regulations and put forward a framework, which encompasses QoS benchmarks for all three services at one place.

# India achieves highest global growth rate in agricultural GDP: Niti Aayog

**Agricultural growth has saved many countries from economic collapse, highlighting its crucial role in global stability.**

**NEW DELHI.** Agriculture has been a key focus area of India's development strategy, achieving a remarkable growth rate of 5 percent in the farm sector over the seven years from 2016-17 to 2022-23, according to Niti Aayog member Ramesh Chand.

Speaking at the 32nd International Conference of Agricultural Economists (ICAE), Chand highlighted that, according to World Bank data, India has achieved the highest growth rate in agricultural GDP globally over the last decade. "Agriculture has historically been a key focus area of development strategy in India, and the country has achieved the highest growth rate of 5 percent during the seven-year period from 2016-17 to 2022-23," he noted.

Chand, an agriculture economist, pointed out that the share of agriculture in the world GDP has risen from 3.2 percent in 2006 to 4.3 percent in recent years. "Agricultural growth in the last 15 years has saved many countries from economic collapse. Due to the poor effort of the industry in pulling the labour force out of agriculture, the onus of remunerative employment for the large workforce still remains on agriculture," he said.

He emphasized that recent achievements and opportunities in agriculture indicate an even higher role for agriculture in the future development of India and the world. "All these challenges necessitate a fresh appreciation of the role of agriculture in economic and human development and a renewed focus on agriculture at all levels," Chand noted.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated the 32nd International Conference of Agricultural Economists (ICAE) on Saturday, marking its return to India after 65 years. The six-day triennial conference, organized by the International Association of Agricultural Economists, is themed "Transformation Towards Sustainable Agri-Food Systems."The conference will see the participation of around 1,000 delegates from about 75 countries. It aims to address the pressing need for sustainable agriculture in the face of global challenges such as climate change, natural resource degradation, rising production costs, and conflicts. The conference will highlight India's proactive approach to global agricultural challenges and showcase the nation's advancements in agricultural research and policy.

# As clocks ticks for UPSC Mains, civil service aspirants find devil in basement

**New Delhi:** In the usually bustling locales of Old Rajinder Nagar and Mukherjee Nagar in Delhi, a certain calm has settled in.Despite ongoing protests seeking accountability for the deaths of three UPSC aspirants in Old Rajinder Nagar and calling for an overhaul of the system, there is an unmistakable silence.This calm is filled with anxiety.

Out of the thousands of IAS aspirants who call these cramped neighbourhoods home, many are anxious and disturbed as the UPSC Mains, the most crucial stage of the examination, is just 48 days away.The Mains exam, comprising nine descriptive papers totalling 1,750 marks, will start on September 20, and will go on for five days.UPSC mentor Atish Mathur calls the Mains exam "actually and primarily the one that determines the selection of a student".The interview, which comes next, carries 275 marks.After the death of three civil service aspirants in the waterlogged basement library in Old Rajendra Nagar, the Municipal Corporation of Delhi sealed several basements of other civil service coaching centres in the area, citing violations of safety norms and illegal use of basements for commercial activities.

**CLOSURE OF LIBRARIES HAS HIT UPSC ASPIRANTS**

The recent crackdown on illegal buildings and basement libraries has led to widespread closures in Old Rajinder Nagar, UPSC aspirant Anurag tells IndiaToday.Several institutions that earlier ran unchecked, have now shut their shutters fearing action.Another aspirant, 29-years-old Praveen says, "My studies have been greatly disturbed since the tragic incident on Saturday"."Maintaining a fixed study routine is vital, especially with the Mains exams approaching, but my schedule has been completely disrupted," Praveen adds.

What Anurag calls "pure economics", he said the closures have resulted in a three-fold fee hike, leaving aspiring civil servants tormented.

"A library that used to cost Rs 2,000 is now asking for Rs 6000 a month. My library also has a lock on the door. Many of my notes and books are still lying inside. Now, I'm managing by downloading PDFs of books," adds Anurag.For Praveen for whom his library was a peaceful place to study, says his library is shut too.

"I opted for a library to study peacefully because of constant construction noise from a neighbouring site. Now that my library is sealed, I doubt if it will reopen soon. Finding a new library now seems unlikely," 29-year-old Praveen tells IndiatToday.While leaving Old Rajinder Nagar and heading back home is an option some choose, Praveen, the Lucknow native says, "Leaving Old Rajinder Nagar isn't an option because I need to write the test series I am already enroled in".

Since the Mains is a subjective examination, aspirants attend test series conducted by various coaching institutes, and get them checked by their mentors, if they can afford one.

**UPSC MAINS IS MENTALLY AND PHYSICALLY CHALLENGING**

"While many aspirants may prepare for Mains from home, a significant number relocate to Old Rajinder Nagar to write tests

and get their papers reviewed before the exam", Delhi-based UPSC mentor Atish Mathur tells IndiaToday."The whole process of the mains exam is extremely physically and mentally challenging and being in a sound mental space is absolutely crucial," adds Mathur, who stood by the aspirants since they took to streets after the basement flooding took three lives.Praveen, says he is managing his studies at his accommodation with the Mains less than two months away. "My parents are concerned about my safety, and have advised me against using basement libraries and navigating through waterlogged streets of Old Rajinder Nagar, as much of it remains submerged," he adds.

Torn between voicing concerns and being dedicated to before the Mains, Anurag says, "but you know how it is—we do manage".The pressure to perform well in the Mains is already immense as it constitutes the lion's share of marks that determine the final merit and rank.The Mains is thus the real game."Days before Mains there are several UPSC aspirants who are balancing between studies all day and then joining the protests in the evening," Anurag tells IndiaToday.In.

## Student, 14, sent bomb threat email to south Delhi school to avoid classes

**New Delhi:** Summer Fields School in South Delhi's Kailash Colony received a bomb threat through email on Friday. However, after investigation, it was revealed that it was a hoax. The police have identified a 14-year-old boy as the suspect.During questioning, he told the police that he sent the email because he didn't want to go to school.In the mail, he mentioned two other schools to make the threat seem genuine.

On Friday, soon after receiving the email, the students from the Summer Fields School in Delhi were evacuated to safety.According to the details, the email

was received at 12.30 a.m. on Friday. However, the authorities noticed the email only after the school opened this morning.Speaking about the email, Shalini Agarwal, the school principal, said the students were evacuated within 10 minutes after the authorities saw the email. She also said the school premises were being checked by the bomb squad."We received an email late at night that was checked early this morning.. As per the SOP, we evacuated the students within 10 minutes of receiving the email. We informed the police and district administration, and we are thankful to the police; they supported us magnificently as they came immediately," she told reporters.

## Indian Coast Guard Dornier makes successful maiden night landing in Lakshadweep

**New Delhi:** The Indian Coast Guard on Friday successfully conducted its maiden night landing of ICG Dornier at Agatti Airport, located in the Lakshadweep Islands, approximately 460kms west of Kochi in the Arabian Sea.Agatti atoll features the only airstrip in the Union Territory of Lakshadweep.This successful operation marks a significant enhancement in the Indian Coast Guard's operational capabilities, extending support for the local populace during natural disasters,

medical evacuations, and other critical emergencies, even during dark hours.

The night landing was achieved through excellent coordination between Coast Guard Headquarters Lakshadweep, the Airport Authority of India, Agatti, and CGAE-Kochi.

This achievement ensures the round the clock presence of the Coast Guard at Lakshadweep archipelago, thereby strengthening the region's overall safety and security capabilities.The successful night landing at Agatti Airport underscores the Coast Guard's commitment to operational excellence and its readiness to address challenges in the most demanding conditions, contributing significantly to national security and regional stability.

## Sri Lanka releases 2 Indian fishermen, hands over remains of another

**New Delhi:** The Sri Lankan Navy released two detained Indian fishermen and handed over the remains of a fisherman to the Indian Navy near the International Maritime Boundary Line (IMBL) in the wee hours of Saturday.

Indian Navy ship, INS Bitra, which was deployed off the coast of Rameswaram, coordinated with the Sri Lankan Navy and received the fishermen and the body of the fisherman at sea at about 1 am.

The Indian Navy ship then proceeded to Tamil Nadu's Rameswaram, where the Navy Officer from the Naval Detachment coordinated with marine police and the Tamil Nadu Fisheries department in transferring the mortal remains and the fishermen, at around 3 am.'

On August 1, a fisherman from Rameswaram and another went missing after their mechanised fishing boat in which they were fishing in sea collided with a Sri Lankan Navy ship.

he boat capsized when the Sri Lankan Navy tried to arrest the fishermen on charges of illegal fishing. Four fishermen from Rameswaram who were on board fell into the sea after the boat capsized.While one fisherman died and another went missing, two others were detained by the Sri Lankan authorities.

## Chandrababu Naidu reviews Women and Child Welfare Department in Amaravati

**New Delhi:** Andhra Pradesh Chief Minister Nara Chandrababu Naidu directed officials to work according to a plan to achieve better results at the Women and Child Welfare Department after he reviewed its schemes and programs at the state Secretariat in Amaravati on Friday.The officials briefed Naidu about various programmes, including Anganwadi centres, women empowerment, infant and maternal mortality rates, and child protection programs under Mission Vatsalya.The chief minister also inquired the officials about the status of schemes like Balamrutham, Amrutha Hastam, Goru Mudda, and Bal Sanjeevani, which were launched in 2014.

Officials informed him that there are around 55,600 Anganwadi centres in the state, with 48,770 main centres and 6,837 mini-centres. However, Naidu expressed concerns over the lack of focus on Anganwadi centre construction in the past five years.The Telugu Desam Party (TDP) chief directed officials to prioritise construction and upgrade of these centres and ensure basic amenities like toilets and electricity.

He emphasised the need for new ideas and programs to achieve better results in the department. Chandrababu Naidu instructed officials to work with a plan to achieve results within a year, ensuring that the impact of the schemes is visible.The chief minister also directed officials to utilise central funds effectively and to establish more women's hostels in the state. Meanwhile, Minister Gummadi Sandhya Rani and officials attended the review meeting.

## BJP leader's 'cow slaughter' explanation for Wayanad tragedy

**The former Rajasthan MLA, and senior BJP leader Gyandev Ahuja claimed that such incidents will continue to occur wherever cow slaughter happens.**

**New Delhi:**Senior BJP leader Gyandev Ahuja on Saturday sparked a row as he linked the Wayanad landslides to cow slaughter practices in Kerala. The former Rajasthan MLA claimed that such incidents will continue to occur wherever cow slaughter happens.On July 30, multiple landslides hit villages in Wayanad, including Mundakai, Churalamala, and Meppadi. The death toll in Kerala's Wayanad landslides reached 358 on Saturday as rescuers raced against time and used deep search radars in a bid to search for survivors trapped under the debris and in collapsed houses, according to the latest update by the state

government.Speaking with the media, Ahuja asserted that the landslides in Wayanad are a direct consequence of cow slaughter, warning that similar tragedies will persist unless the practice is stopped in Kerala. He stated that while natural calamities like cloudbursts and landslides occur frequently in regions such as Uttarakhand and Himachal Pradesh, however, they do not result in disasters of this magnitude.

Since 2018, we have observed a pattern where areas involved in cow slaughter face such tragic incidents," Ahuja stated. "If cow slaughter does not stop, similar tragedies will continue to occur in Kerala."Over 1,300 rescuers are searching through destroyed buildings and under the debris with heavy machinery and sophisticated equipment to look for survivors.

# 358 dead in Wayanad landslides, deep search radars used to find survivors

**New Delhi:** The death toll in Kerala's Wayanad landslides reached 358 on Saturday as rescuers raced against time and used deep search radars in a bid to search for survivors trapped under the debris and in collapsed houses, according to the latest update by the state government.The Kerala government had requested the Centre to send deep search radars to aid in the rescue operations. One Xaver radar from Northern Command and four Reeco radars from Tiranga Mountain Rescue Organisation, Delhi, along with Delhi were airlifted in an Air Force Aircraft to WayanadOver 200 people remain missing as private companies specialising in the field of search and rescue and volunteers joined the rescue operations that entered the fifth day and were led by the Indian Army, Kerala Police and emergency service units.

**WAYANAD RESCUE OPERATIONS UPDATE**

Over 1,300 rescuers are searching through destroyed buildings and under the debris with heavy machinery and sophisticated equipment to look for survivors.Malayalam superstar Mohanlal visited Wayanad in Army uniform on Saturday to oversee the rescue operations. Mohanlal, who is also a lieutenant colonel, reached the army camp and interacted with the rescue officials.The Kerala government has issued guidelines, including collection of DNA and dental samples and for burial of the remains. As per the guidelines, an identification number should be assigned to each body or body part.The identification number should be clearly mentioned in all the samples, photographs or videos of the remains and the record of material objects associated with the body, according to the guidelines.Police should make all possible efforts to identify the bodies or body parts and if identification is not possible, they should release the body to the district administration for further action after 72 hours from the time of inquest.Meanwhile, three unidentified bodies were cremated at the Kalpatta public crematorium. The cremation was done as part of the guidelines of the state

government for cremation or burial of bodies in the wake of the Wayanad landslides.Congress leader Rahul Gandhi who visited Wayanad on Thursday and Friday said Kerala never witnessed such a devastating tragedy as the landslides in Wayanad. He said he would raise the issue with the Kerala government and Centre.Rahul Gandhi also said that the Congress will build over 100 houses for the affected families in the landslide-hit district.Six people, including four toddlers, were rescued from a remote tribal settlement after an eight-hour operation by Kerala forest department officials in Wayanad. Separately, a family of four were rescued from their house in Mundakkai, one of the worst affected areas due to the calamity.

Meanwhile, the Centre issued a fresh draft notification to declare over 56,800 square kilometres of the Western Ghats across six states, including 13 villages in Wayanad, an Ecologically Sensitive Area (ESA), inviting suggestins and objections within 60 days.The draft notificationproposes to declare 3.7 sq km in Kerala, including 13 villages in two talukas of the landslide-hit Wayanad, as ecologically sensitive.The India Meteorological Department (IMD) has issued a yellow alert for heavy rainfall for Saturday and Sunday in Wayanad.

NEWS BOX

## Van crashes into gates outside Irish Prime Minister's office, driver arrested

**London.** A driver was arrested early Friday morning in Dublin after crashing his van into gates outside the home of Ireland's president, the offices of the prime minister and the building housing parliament, police said.

Detectives questioning the suspect had ruled out terrorism as a motive.The series of incidents occurred around 2 a.m., when government offices were closed, and no injuries were reported.The van first rammed the fence outside the official residence of President Michael Higgins, but did not enter the grounds. The driver then travelled about 3 miles (5 kilometers) to central Dublin, where the van ploughed into several gates outside two government building complexes.Pickets in the sturdy iron fence outside the offices of Prime Minister Simon Harris were bent inward and the gate was knocked off its hinges outside the attorney general's office.

Louise O'Reilly, a member of parliament for the Sinn Féin party, said she and other lawmakers will ask police, known as garda-, how the incidents could have occurred.

"It's hard to understand how someone was able to carry out these attacks in several locations in this manner," O'Reilly told national broadcaster RTE. "We will be looking to the garda- to provide us with information as to how this could have unfolded and how someone was able to travel to three separate locations in Dublin city before being apprehended."The driver, who is in his 40s, was arrested at the scene on suspicion of driving offenses. The white van he was driving was towed from the scene.

## Masked assailants storm Venezuelan opposition's headquarters amid post-election crisis

**Caracas.** Half a dozen masked assailants ransacked the headquarters of Venezuela's opposition Friday in an escalation of violence against President Nicolás Maduro's opponents after several countries called for proof of his claim he had won the disputed presidential election.Assailants broke down doors and hauled away valuable documents and equipment in the raid around 3 am, opposition leader Maria Corina Machado's party said. Images published by Machado's party on social media show several walls covered in black spray paint.The raid follows threats by top officials, including Maduro, to arrest Machado, who has gone into hiding while still urging Venezuelans and the international community to challenge Sunday's election results.The Biden administration has thrown its support firmly behind the opposition, recognising candidate Edmundo González as the victor and discrediting the National Electoral Council's official results. González was tapped in April as a last-minute stand-in for Machado, who has been barred from running for political office for 15 years.

The US announcement late Thursday followed calls from multiple governments, including Maduro's close regional allies, for Venezuela's electoral authorities to release precinct-level vote counts, as it has done during previous elections. On Friday, Uruguay recognised González as the winner.The electoral body declared Maduro the winner Monday, but the main opposition coalition revealed hours later that it had collected copies of more than 80% of the country's 30,000 voting tallies — printouts from the electronic voting machines — and that they show González prevailed by a more than 2-to-1 margin.Given the overwhelming evidence, it is clear to the United States and, most importantly, to the Venezuelan people that Edmundo González Urrutia won the most votes in Venezuela's July 28 presidential election," US Secretary of State Antony Blinken said in a statement.

## US to boost military presence in Mideast to help Israel against 'possible' attacks

**Washington.** The US will move a fighter jet squadron to the Middle East and maintain an aircraft carrier in the region, the Pentagon said Friday, beefing up the American military presence to help defend Israel from possible attacks by Iran and its proxies and safeguard US troops.Defense Secretary Lloyd Austin has also ordered additional ballistic missile defence-capable cruisers and destroyers to the European and Middle East regions and is taking steps to send more land-based ballistic missile defence weapons there, the Pentagon said in a statement on Friday evening.

The shifts make good on a promise President Joe Biden made to Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu.In a call on Thursday afternoon, Biden discussed new US military deployments to protect against possible attacks from ballistic missiles and drones, according to the White House. In April, US forces intercepted dozens of missiles and drones fired by Iran against Israel and helped down nearly all of them.US leaders worry about escalating violence in the Middle East in response to recent attacks by Israel on Hamas and Hezbollah leaders, which triggered threats of retaliation.

Iran also has threatened to respond after Hamas leader Ismail Haniyeh was assassinated in Tehran on Wednesday, a day after senior Hezbollah commander Fouad Shukur was killed in Beirut.

Israel has vowed to kill Hamas leaders over the group's October 7 attack, which sparked the war in Gaza.Austin is ordering the USS Abraham Lincoln aircraft carrier strike group to the Middle East to replace the USS Theodore Roosevelt carrier strike group, which is in the Gulf of Oman but scheduled to come home later this summer.That decision suggests the Pentagon has decided to keep a carrier consistently in the region as a deterrent against Iran at least until next year.The Pentagon did not say where the fighter jet squadron was coming from or where it would be based in the Middle East. A number of allies in the region are often willing to base US military forces but don't want it made public.

# Very bad: Trump slams Google over claims of censoring news related to him

**Former US President Donald Trump has criticised Google over claims of censoring news and photos related to him. Trump said Google has been bad and irresponsible.**

**Washington.** Former US President Donald Trump has lashed out at Google over reports that it was censoring news and photos of the Republican presidential candidate. "Google has been very bad. They've been very irresponsible and I have a feeling that Google is going to be close to shut down because I don't think Congress is going to take it. I really don't think so. Google has to be careful," Trump told Fox News in an interview.Early this week, Trump alleged that it was virtually impossible to find pictures or anything about the failed assassination bid on him on July 13 on Google. Google, however, denied those allegations."Over the past few days, some people on X have posted claims that search is 'censoring' or 'banning' particular terms. That's not happening, and we want to set the record straight. The posts relate to our Autocomplete feature, which predicts queries to save you time. Autocomplete," it said in a social media post.Google said autocomplete wasn't providing predictions for queries about the assassination attempt against former President Trump. That's because it has built-in protections related to political violence — and those systems were out of date.After the horrific events in Butler, Pennsylvania, those predicted queries should have appeared but didn't, it said. "Once the issue was flagged, we started working on improvements, and they're already rolling out," it said. "Secondly, people posted about how Autocomplete wasn't showing relevant predictions for 'President Donald'. This particular issue was a bug that spanned the political spectrum, also affecting queries for several past presidents, such as former President Obama, as you can see in the attached image.Typing 'vice president k' was also showing no predictions. We've made an update that has improved these predictions across the board," it said. Some people, it said, also posted that searches for "Donald Trump" returned news stories related to "Kamala Harris."

These labels are automatically generated based on related news topics, and they change over time. "They span the political spectrum as well: For example, a search for 'Kamala Harris' showed Top Stories labelled with 'Donald Trump', because many articles cover the two of them together. You can see this happening across a range of topics, like the Olympics, other public figures, companies, and more. Our goal is to help people get relevant results for their query," Google said.Overall, these types of prediction and labelling systems are algorithmic, it said. "While our systems work very well most of the time, you can find predictions that may be unexpected or imperfect, and bugs will occur. Many platforms, including the one we're posting on now, will show strange or incomplete predictions at various times. For our part, when issues come up, we will make improvements so you can find what you're looking for, quickly and easily. We appreciate the feedback," it explained.

# Israel braces for another weekend attack from Iran, US ramps up military assets

**World** Nearly four months after Iran launched missiles towards Israel in an unprecedented move on April 13, Jerusalem and Washington are preparing for another weekend attack from Tehran and its allies in retaliation for the assassination of Hamas political leader Ismail Haniyeh earlier this week.

The United States has already started deploying additional warships and fighter jets in the Middle East to protect US personnel and defend Israel, a report in the Wall Street Journal said. Additional ballistic missile defence-capable cruisers and destroyers are also being arranged, AP quoted Pentagon officials as saying.The Joe Biden administration is convinced that Iran is going to attack Israel as soon as this weekend, according to the report. The US fears the attack could be broader and more complex than the April 13 attack that was in retaliation for an airstrike in Syria that killed a top Iranian general.Compounding the situation, Hezbollah leader Hassan Nasrallah has also vowed to respond to the Israeli airstrike in Beirut earlier this week that killed commander Fuad Shukr.The attack in April was in retaliation for an Israeli airstrike on an Iranian consulate in Damascus that killed seven people, including a top commander.At that time, Israel received support from several Arab countries, including Jordan and Saudi Arabia, which helped shoot down Iranian and Houthi drones. They also allowed the US and Israel to use their airspace to intercept missiles.

However, this time, the US feels it might be difficult to receive the same level of cooperation as it is related to Haniyeh's assassination, which has drawn sharp condemnation across the Middle East region, as per a report in Axios.

A senior Israeli official told Axios that the intelligence community expected a wide-ranging missile attack on Israel. However, an Israel Defence Forces (IDF) spokesperson said its international partners had boosted their forces in the region.Amid fears of a wider regional conflict in the Middle East, several US and international airlines, including Air India, have suspended flights to and from Israel.

## Hamas leader Ismail Haniyeh buried in Qatar amid calls for revenge on Israel

**Dubai/Cairo.**Hamas' top leader Ismail Haniyeh was buried in Qatar on Friday following his assassination in the Iranian capital Tehran, and his possible succcessor told mourners his death would only make the Palestinian militant group more determined in its struggle against Israel.

Haniyeh's death was one in a series of killings of senior Hamas figures as the war in Gaza between Hamas and Israel nears its 11th month and concern grows that the conflict is spreading across the Middle East.Hamas and Iran have both accused Israel of carrying out the assassination and have pledged to retaliate against their foe. Israel has not claimed responsibility for the death nor denied it.Haniyeh was laid to rest in a cemetery in the city of Lusail after a funeral ceremony at the Iman Mohamed Ibn Abd Al-Wahhab Mosque in Qatar's capital Doha.His coffin, draped in the Palestinian flag, was carried in a procession past hundreds of people along with the casket of his bodyguard, who was killed in the same attack in Tehran on Wednesday.Mourners at the ceremony included Khaled Meshaal, who is tipped to be the new Hamas leader. Other senior Hamas officials and Qatar's Emir Sheikh Tamim bin Hamad al-Thani also attended.

Speaking at the mosque, where Haniyeh's body was laid for prayers, Meshaal said his death would only make the group more determined to continue its fight for a free Palestine. There would be no concessions over its principles and no recognition of Israel, he said."Palestine will remain from the river to the sea...and the Zionists (Israel) have no place on the land of Palestine, regardless of how many they kill of us," Meshaal said in a video released by Hamas.

Haniyeh's death was a big loss to the movement but it would not alter their course, he said.

"Our enemies don't learn the lesson, they have been killing our leaders for over 100 years, what happened? When a leader ascends (to heaven) another leader comes," he said.

Senior Hamas official Sami Abu Zuhri told Reuters by phone: "Our message to the occupation (Israel) today is that you are sinking deep in the mud and your end is getting closer than ever. The blood of Haniyeh will change all equations."Haniyeh was killed by a missile that hit him directly in a state guesthouse in Tehran where he was staying, senior Hamas official Khalil Al-Hayya said in Tehran.

The strike was one of several recent hits that have killed senior figures in Hamas or the Lebanese movement Hezbollah in a conflict that is now stretching from Gaza to the Red Sea and the Lebanon-Israel border and beyond.

# Kamala Harris's 90-minute meeting with possible Veep pick Pete Buttigieg

**World** US Vice President Kamala Harris, the presumptive Democratic presidential nominee, met with Transportation Secretary Pete Buttigieg, one of the six potential running mates, on Friday. The meeting came before Harris makes a formal announcement and goes on a battleground tour with her new vice presidential pick next week, two people with knowledge of Harris's selection process told The Associated Press.The meeting between Harris and Buttigieg lasted for roughly 90 minutes, two other sources familiar with the meeting told Reuters.

**advertisement**

According to Harris's interview list, the six people are Governors Andy Beshear of Kentucky, JB Pritzker of Illinois, Josh Shapiro of Pennsylvania and Tim Walz of Minnesota, and Senator Mark Kelly of Arizona and Buttigieg, the two people said on the condition of anonymity.Harris will hold her first rally with her new vice presidential nominee on August 6 in Philadelphia, according to sources.

As part of the Vice President's truncated selection process, Shapiro and Kelly were seen as among the front-runners. The selection process has been ongoing, initially involving around a dozen candidates.However, some individuals have since withdrawn from consideration, including North Carolina Governor Roy Cooper, who cited concerns about the demands of national campaigning and frequent travel out of state.Several individuals on Harris's shortlist have made last-minute changes to their weekend plans, sparking speculation about developments in the selection process.For instance, Shapiro cancelled three fundraising events in Long Island, New York, leading some to believe that this might be a sign that he is being seriously considered for the vice presidential position.Meanwhile, President Joe Biden had been involved in discussions with Harris regarding her search for a running mate. However, he chose not to offer specific advice, saying, "I'll let her work that out."On July 21, Biden withdrew himself from the presidential race after growing pressure from fellow Democrats over his age and mental fitness concerns following a disastrous debate performance against former President Donald Trump in June. The same day, Biden endorsed Harris as the Democratic presidential nominee.

Meanwhile, a video on social media uploaded by Philadelphia Mayor Cherelle Parker, who is backing Shapiro for vice president, caused a stir on Friday.The video showed several Philadelphia-area officials and Democrats supporting Harris for president but also calling for Shapiro to be named the vice presidential nominee, giving rise to speculation that Parker could .

# Trump shooting: Cops warned of gunman, Secret Service didn't find out in time

**World** The US Secret Service's chief revealed that a major communication failure between local authorities and Secret Service agents contributed to the security failure during the attempted assassination of former US President Donald Trump at a rally in Pennsylvania last month.Acting Director Ronald Rowe Jr admitted that local police in Pennsylvania had warned about a man with a gun on a roof before the shooting, but the message did not reach Secret Service agents on time due to different communication channels being used by them, leading to a critical delay in relaying the warning."This was a failure," Rowe said at a press conference in Washington, as quoted by NBC News. He stated that the Secret Service takes "full responsibility" for the events leading up to the assassination bid.He explained that roughly 30 seconds before shots were fired, a local police officer radioed that he spotted a man with a gun, but that information never made it to the Secret Service because the agents were stationed in a different command post from their local partners and did not have access to the same radio traffic."It is plainly obvious to me that we didn't have access to certain information," Rowe said. "Not by anybody's fault. It just so happened that there was a sense of urgency [on the radio, and] that there might have been radio traffic that we missed. We have to do a better job of that."Rowe called for improving communication and coordination between different agencies, noting that the final 30 seconds before the shooting saw crucial radio transmissions that Secret Service agents did not receive.

Despite a Butler County counter-sniper texting photos of the suspicious man to a Secret Service counterpart 15 minutes before Trump took the stage, the agency's snipers were unaware of the threat until they were informed a full eight minutes later, he said.The FBI is currently leading a criminal investigation into the shooting, and Rowe stated that investigators believe "there was somebody who did in fact radio out that they had seen the individual with a weapon."He also acknowledged that agents should have had better cover of the vantage points from which the 20-year-old gunman fired shots at Trump, the Republican presidential nominee. Secret Services did not have "any idea" the shooter had a gun until shots were fired, he stated.The incident has sparked intense scrutiny of the Secret Service, with initial criticism centered on the failure to secure the building the gunman used. The agency initially blamed local law enforcement but later conceded it was ultimately the agency's responsibility to ensure the building was covered.Secret Service Director Kimberly Cheatle resigned last month in the wake of the attack and after a contentious House hearing about the attempt.Investigators are still working to determine the motive of the would-be assassin, Thomas Crooks, 20, who opened fire minutes into Trump's speech, injuring the former president's ear, killing one person in the crowd, and injuring two others.

NEWS BOX

## Manu Bhaker in final of women's 25m pistol event in Paris: When and where to watch

**New Delhi.** India's shooting sensation Manu Bhaker will be back in action in her quest for 3rd medal at the Paris Olympics 2024. Manu will take part in the final of the women's 25m pistol event on August 3, Saturday at the Chateauroux Shooting Centre. With two bronze medals already in her bag, the 22-year-old will be aiming for a hat-trick of medals. Manu won bronze in the women's 25m air pistol event and followed it up with another bronze in the 25m air pistol in the mixed team event alongside Sarabjot Singh.

advertisement

Manu finished second in the qualification round on Friday. Manu shot an amazing 294 in the 'precision' round and was even more menacing in the rapid round to score 296 and aggregate 590. She had already won an Asian gold medal last year in the same shooting category and hence will aim to take advantage and inspiration from that.When will Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 take place?

Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 will take place on August 3, Saturday.Where will Manu Bhaker's

25m pistol final at the Paris Olympics 2024 take place?Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 will take place in the Chateauroux Shooting Centre.

What time will Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 start?

Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 will start at 1 PM (IST)

Where will Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 be broadcast?

Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 will be telecast on the Sports18 1 SD and Sports18 1 HD TV channels.Where to watch the live-streaming of Manu Bhaker's 25m sports pistol final at the Paris Olympics?

Manu Bhaker's 25m pistol final at the Paris Olympics 2024 will be streamed live on the JioCinema app and website.

## Novak Djokovic happy to end Olympics semi-final jinx: 'Waited almost 20 years'

**New Delhi.** Novak Djokovic has claimed that he is happy to break his Olympics semi-final jinx to make it to the final on August 2, Friday. Djokovic defeated Lorenzo Musetti 6-4 6-2 to ensure he would make it to the final. The former World No.1 hasn't had the best of times when it comes to the semi-finals as he has been defeated by Rafael Nadal, Andy Murray and Alexander Zverev in the past three semi-finals.Djokovic would win the bronze medal in Beijing in the 2008 Olympics and now is all set to walk away with a medal in Paris. Speaking after his win over Musetti, as quoted by ATP, Djokovic said he had been waiting for this moment for almost 20 years. The Serbian star also said that he was thinking about his past failures in the semi-finals during the match."I have

been waiting for this for almost 20 years," Djokovic said in his on-court interview.

"I've played four Olympic Games, this is my fifth and I've never passed the semi-finals. I lost three semi-finals in my first four Olympic Games.""I managed to overcome this big hurdle. I must be honest and say that I was thinking about all the semi-finals that I lost."

**Tried to be in the present**

Djokovic had to shake off injury concerns during his quarterfinal bout against Stefanos Tsitsipas and had to go up against an in-form Musetti in the final four. Djokovic said he was trying to stay in the present moment and was trying to maintain the focus."I just tried to be in the present moment. I played against a player who is in great form and really came out firing from both ends," Djokovic added."I just tried to maintain the focus and do what I have to do."Djokovic will now be in action against Carlos Alcaraz in the final on August 4, Sunday. This will be a rematch of the Wimbledon final from last month, where Alcaraz had beat Djokovic.

# Indian batters to become part-time bowlers? Bowling coach tells the way forward

**The Indian team's interim bowling coach revealed that the batters will be given an ample number of opportunities to bowl from now on. During the 1st ODI, Shubman Gill was asked to bowl for the very first time in an international match.**

**New Delhi.** India's interim bowling coach Sairaj Bahutule revealed that the Indian batters will be seen bowling more often as well. The beginning of the Gautam Gambhir era has already seen a few surprise elements with the likes of Suryakumar Yadav, Rinku Singh in T20Is and Shubman Gill in ODIs rolling their arms over to bowl. The interim coach suggested that it could be the way forward for the Indian team with the top order batters being asked to bowl.

Rohit Sharma was asked during the toss ahead of the 1st ODI match between India and Sri Lanka if he would roll his arm over and bowl, just like Suryakumar did. However, the Indian captain had mentioned that the Indian team had good enough bowlers to do the job with the ball. In an unexpected manner, Shubman Gill, a right-arm off-break, was handed over the ball during the 32nd over, and he conceded 14 runs as he was smacked for a six and a four.

Will the batters be asked to bowl more often?

Bahutule showcased confidence in the Indian batters to contribute with the ball whenever the team would need.I think our batters are good bowlers as well. Their primary skill is batting, so they don't focus much on bowling, but they have the skills," Bahutule said in the post-match press-conference.

"The more they will practice. Whenever they will be given an opportunity. Like we saw in the T20Is, the way Rinku and Suryakumar contributed and made India win the match. Similarly, Shubman Gill was given an opportunity and, in the coming time, it is definitely going to be an all-rounder's game.""But if in the top four or five, if someone can bowl, that definitely helps the team. Moving forward, you will see more contributions. I think we can use our bowlers as per the situation and the pitch conditions. Somebody who can bowl as a batter, it can be a surprise element for the opponent. So, moving ahead, there will be ample opportunities for the batters to bowl. "

Suryakumar-Rinku's heroics with ball

Rinku Singh and Suryakumar turned the tide in India's favour during the 3rd T20I against Sri Lanka. When Sri Lanka needed 9 runs in las 12 balls, Rinku was asked to bowl the penultimate over as he picked two wickets and gave away just three runs. Captain Suryakumar bowled the last over when just six runs were needed for Sri Lanka to win. However, by the end of 20 overs, the scores were tied at 137 and India managed to win the Super Over clash.

# Lakshya Sen to face Viktor Axelsen in Olympic semis: H2H, all you need to know

**New Delhi** Lakshya Sen etched his name e it to the semi-finals at the Olympics 2024. Lakshya, who has been on a sensational run at the games in Paris, secured a comeback win over 12th seed Chou Tien Chen of Taiwan on Friday to get one step closer of assuring a medal for the Indian contingent in badminton. The 22-year-old is the only hope left for India in badminton as big names like Satwik-Chirag and PV Sindhu exiting from the competition.Lakshya will now go up against a familiar opponent in the form of Viktor Axelsen in the semi-finals. Both men have a lot of history between them as Lakshya had trained with the former World No.1 in Dubai after he was dropped from the Thomas Cup team and learned a lot from the Danish ace, according to his coach Vimal Kumar.

"When he came back, Lakshya did mention the professional approach of Viktor, how intense his sessions were and how focussed he was during training These are the things that were a real eye-opener for Lakshya," said Kumar.

Now, Lakshya has said that the real test for him begins and Axelsen would be the big hurdle that stands between the 22-year-old and potentially the gold medal. The Danish ace is yet to lose a game so far at the Olympics, with the second one against Loh Kean Yew being the only real test for him so far.

Lakshya Sen vs Viktor Axelsen: Head-to-HeadThe head-to-head stats are clearly in the favour of Axelsen as he has had the better of Lakshya so far. In the 8 singles matches between the pair, Axelsen has won 7 times. Lakshya's only win against the current World No.2 came all the way back in 2022 during the German Open semi-final when he won the match 21-13, 12-21, 22-20.The last time they faced each other, Lakshya was able to push Axelsen but the Danish star ended up winning the round of 32 clash at the Singapore Open 2024 by a margin of 21-13, 16-21, 21-13.

Lakshya Sen vs Viktor Axelsen: When and where to watch semi-final

The Lakshya Sev vs Viktor Axelsen Paris Olympics 2024 badminton semi-final will take place on August 4, Sunday, not before 12 PM IST. The match between the two will be the second one after the first semi-final between Kunlavut Vitidsarn and Jia Zii Lee. The match will be telecasted live on Sports 18 1 and Sports 18 2 channels. The match can be livestreamed on the JioCinema app and website.

## Paris Olympics: PR Sreejesh dubs himself 'Dhanraj Pillay' of current generation

**New Delhi.** India's goalkeeper PR Sreejesh has dubbed himself the 'Dhanraj Pillay' of the current generation and feels that the team wants to win for him after their thrilling win over Australia on August 2, Friday. Sreejesh has been in scintillating form for India in Paris in what will be his final tournament before retiring. The 36-year-old was a rock at the back as India were able to break the jinx and defeat Australia at the Olympics on Friday.With Sreejesh's retirement looming, many of the current stars in the team, including captain Harmanpreet Singh, had come out and said that they wanted to win the gold medal for the goalkeeper. This has certainly made Sreejesh very happy as he compared himself to Dhanraj Pillay while talking to PTI. Sreejesh said that many of the players weren't even born when he started to play hockey and seeing them play to win for him makes him happy.

"I am playing with fourth generation in this

team. Some were not even born when I started playing hockey. A few years back, players wanted to do it for Dhanraj Pillay. I am Dhanraj for this generation, they want to do it for me, what more you can you ask for," said Sreejesh.

Everyone played well against Australia

The win against Australia came from a thorough performance from the Indian side, who looked solid in all departments of the game. While Harmanpreet scored a brace and Abhishek also netted one, it was Sreejesh's saves, especially in the final few seconds, that sealed the deal as India defeated Australia for the first time in Olympics in 52 years.Sreejesh felt everyone played well on the day and it wasn't down to just the defence in the end."I don't know those stats. Everyone played well today not just the defence.

# China shuttler gets marriage proposal from teammate after winning Olympic Gold

**Paris,** China's badminton star Huang Yaqiong took a Gold medal and a wedding ring from the Paris Olympics. Yes, the 30-year-old shuttler was proposed to by her boyfriend and fellow Chinese shuttler Liu Yuchen after the medal ceremony on Friday, August 2. The La Chapelle Arena, which hosts badminton matches at the Games, was packed to the rafters when Liu got down on his knees and proposed marriage to Huang, who had just China's first Gold medal in badminton -- a mixed doubles triumph.

The La Chapelle Arena crowd was thrilled to bits as the decibel levels in the stadium hit the roof when Liu Yuchen brought out the wedding ring from his pocket and proposed marriage to the Gold medalist. Huang Yaqiong had just won the mixed doubles Gold along with Zheng Si Wei as the top seeds dominated the draw in Paris.Huang Yaqiong was wearing the Gold medal around her neck and waiting to make it out of the arena after the medal ceremony when Liu Yuchen walked up to the arena and made it extra special for the shuttler. Huang was emotional when she saw Liu go down on his

knees and propose marriage to her. Much to the delight of Liu and the packed crowd at the venue, Huang 'said yes'.

**'SURPRISED BY THE ENGAGEMENT RING'**

After the surprise exchange, Huang Yaqiong said she was not expecting the engagement ring in Paris, adding that she was fully focused on the preparation in the lead-up to the Games."I cannot describe the feeling I have because I am happy, happy, happy," said Huang, who was in tears as she nodded yes. "Getting the gold medal is recognition of our journey. I was surprised by the engagement ring. I've been focusing on training to become an Olympic champion. I never expected it," she said."I haven't thought about how we will celebrate," she added.Liu Yuchen and his doubles partner Ou Xuan Yi competed in the men's doubles event. LIu, a Tokyo Olympics silver medalist, and Xuan Yi failed to make it out of the group stage after having handed a tough draw.Huang Yaqiong and Zhen Si Wei won badminton's first Gold medal at the Paris Games. They dominated the Gold medal match on Friday against Kim Won Ho and Jeong Na Eun from start to finish. It took them just 41 minutes to decimate the Korean pair 21-8, 21-11 and assert China's dominance in the category at the highest level.Zheng, 27, confirmed that the Paris Olympics would be his last appearance at the Games. Zheng had travelled with his family to the Olympics and he made it sweet for them with the Gold."... I think this might be my last Olympics, and I wanted to make the most of it because their presence really gives me a lot of strength. Besides our families, there were so many fans and friends at the venue," he said.

# Italian boxer Carini to be awarded prize money after controversial loss in Paris

**New Delhi** The International Boxing Association will award Italian boxer Angela Carini with prize money after the controversial loss in Paris Olympics 2024. Carini lost her welterweight round-of-16 bout against Algeria's Imane Khelif at the Paris Olympics in 46 seconds on Thursday. Carini will be awarded with prize money of 50,000 dollars, the association announced on Friday. Carini had to pull out in the first round itself after the Algerian boxer pummelled the Italian with a barrage of punches. Khalif has been facing a lot of heat amid the raging gender row, which sparked debates across the sporting world.

The IBA was stripped of its international recognition after the International Olympic Committee last year. They informed that Carini would receive 50,000 dollars, her federation will get 25,000 dollars and her coach will get an additional 25,000 dollars. "I

do not understand why they killed women's boxing," IBA President Umar Kremlev said. "Only eligible athletes should compete in the ring for the sake of safety. I could not look at her tears."

**Gender row over Khelif's participation**

Algeria's Khelif, and Taiwan double world champion Lin Yu-ting, were given clearance to compete in Paris despite being disqualified at the 2023 World Championships after failing IBA eligibility criteria. As per their rules, the athletes with male XY chromosomes were barred from competing in women's events.The IOC took down IBA of its status as boxing's governing body over the governance issues and took charge of the Paris Olympics 2024 boxing competition itself. However, the committee found itself at the centre of a controversy over Khalif and Lin Yu-ting's participation.

**IOA defends Khelif**

Despite this, the International Olympic Committee (IOC) has stood by Khelif's right to compete, with spokesperson Mark Adams affirming her status. "The Algerian boxer was born female, was registered female, lived her life as a female, boxed as a female, has a female passport,.

# Neha Sharma

## Flaunts Ample Cleavage As She Takes A Dip In A Bathtub

Neha Sharma frequently captivates her audience with sultry videos on her social media, quickly going viral each time. Today was no exception, as she set the internet on fire with her daring look. In her latest viral video, Neha showcased her sizzling style, leaving fans in awe as she flaunted her cleavage in a bright yellow swimsuit, turning up the heat and raising the temperature on social media.In the video that was shared on Friday, Neha Sharma can be seen gracefully sitting in a bathtub, followed by a quick tour to the sauna, which also briefly featured her sister Aisha Sharma. While Neha opted for a yellow swimsuit, Aisha Sharma wore a red swimsuit. The Bad Newz actress captioned the post, "4 min cold plunge..followed by 15 min sauna..followed by 4 min cold plunge(if u still have the courage) #coldplungetherapy @aishasharma25 #gettingstrongereveryday #fitnessmotivation."

Neha Sharma and her sister Aisha are widely talked about in the media due to their strong presence on social media, thanks to their gorgeous photo shoots and their hot public appearances. The duo's outings at gyms and airports always attract attention from photographers and go viral online instantly. Meanwhile, Neha often makes news for her bold opinions about the film industry.In a recent interaction with News18 Showsha, Neha made a big statement on how an actor is sometimes forced to play de-glam roles to be taken seriously. Known for her glamorous avatars on and off-screen, Neha too has sometimes been seen shunning the sheen and taking on parts that go against her image. "No offense to anyone but I feel that to be taken seriously in this industry, you need to de-glam yourself. If you look a certain way, they'll call you a bad actor. I think it's just a stereotype," she said.

Speaking of looks, the Crook actor revealed that she lost out on many parts for looking 'too pretty'. "I've met a few filmmakers who didn't want to cast me in the first place saying that I'm too pretty for the part. One of them said, 'You aren't the girl we're looking for.' He didn't even ask me to do a scene or read a line. What he told me was purely what he perceived of me. But eventually, I did get cast in that film. Maybe he changed his mind when he met me, which brought the situation in my favour. But these things should change a bit," she said.

# Deepika Padukone

## Virtually Meets Fans; Expresses Gratitude For Their Love And Support To Kalki 2898 AD

Following the phenomenal success of 'Kalki 2898 AD' and the overwhelming response from fans, Deepika Padukone recently took the time to connect virtually with her followers to express heartfelt gratitude for their unwavering support. Dressed in a denim jacket and exuding casual chic, Deepika was beaming with joy, and her fans couldn't help but gush over her.During the virtual interaction, Deepika radiated warmth and charm, engaging with her fans, affectionately known as her 'Crazens'. She answered their questions and expressed genuine appreciation for their love and support, which resonated deeply, bringing smiles to her admirers worldwide. Her fans were quick to congratulate their 'Queen' for her string of successful films and shared their delightful experience on social media.

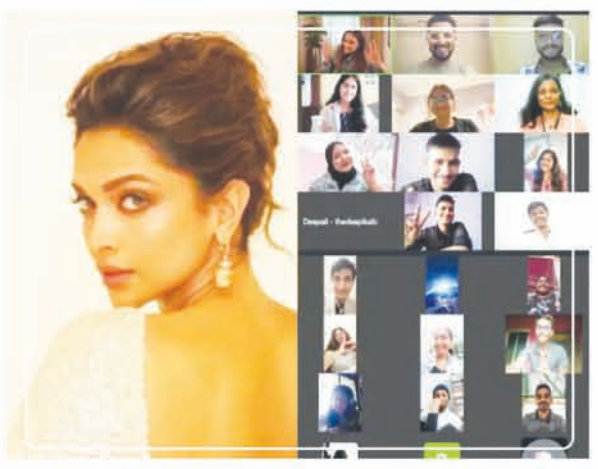

Deepika's recent successes have solidified her position as the Queen of the box office. Her consecutive hits, including 'Pathaan', 'Jawan', 'Fighter', and now 'Kalki 2898 AD', highlight her unparalleled dominance in Indian cinema.Directed by Nag Ashwin, 'Kalki 2898 AD' has been hailed as a mega blockbuster. Deepika's portrayal of a pregnant woman in a futuristic setting, while she herself enjoys motherhood in real life, has earned widespread acclaim. Ashwin emphasized Deepika's pivotal role in the film, stating, "If Deepika's character is removed, then there is no story, and no Kalki." The film also stars Amitabh Bachchan and Prabhas, adding to its stellar cast.Looking ahead, Deepika Padukone's upcoming projects continue to generate immense anticipation. Fans eagerly await her portrayal of 'Lady Singham' Shakti Shetty in Rohit Shetty's 'Singham Again', further cementing her reputation for delivering powerful and memorable performances.

Singham Again is expected to be a starry ride at the cinemas. The film not only brings back Ajay Devgn as Singham but it also marks the return of Ranveer Singh and Akshay Kumar to Rohit Shetty's cop universe. The film also stars Kareena Kapoor and will also introduce Tiger Shroff into the cop universe. Arjun Kapoor will play the villain in the film.

## This Fun-Filled Interaction Between Akshay Kumar And Paparazzo Will Make Your Day

Akshay Kumar's Khel Khel Mein marks his comeback to the comedy scene in the films. Set to release on August 15, the film's trailer was unveiled today in a special event, hosted by the makers. The star cast of the film including Akshay Kumar, Fardeen Khan and Pragya Jaiswal among others were in attendance. The trailer launch event was nothing short of entertainment, thanks to Akshay and his spontaneous personality.In a video that has been making rounds on the Internet, Akshay Kumar can be seen indulging in fun-filled moments with paparazzi. Sneaking a peek at a paparazzo's WhatsApp, Akshay read out loud his messages, uncovering some secrets about their tips and sources. The actor seemingly had a blast at the event, leaving everyone in splits. For the special day, he was dressed formally, exuding effortless style. Do not miss Fardeen Khan laughing his heart out as he also enjoyed being a part of the fun conversation.

Meanwhile, Akshay Kumar also shared the trailer of Khel Khel Mein on Instagram with a caption reading, "Khel khel mein dosti aur pyaar ka rang chadega, masti aur mazaak, sab kuch milega! #KhelKhelMein trailer out now – Link in bio! Khel Khel Mein releasing in cinemas on 15th August 2024 #GameIsOn #KKMTrailer."Khel Khel Mein's plot centers around seven friends reuniting for a dinner party but there is a twist. The submission of their phones leads to the unraveling of hidden truths about each other, setting the stage for a thrilling and hilarious ride. As it can be seen in the trailer, the comedy-drama promises a fun yet emotional journey. It features a stellar cast including Vaani Kapoor, Taapsee Pannu, Fardeen Khan, Ammy Virk, Pragya Jaiswal and Aditya Seal besides Akshay Kumar. What further adds to the hype is the reunion of Akshay and Fardeen after their previous collaboration for Heyy Babyy.Jointly backed by T-Series Films, Wakaoo Films and KKM Film Production, Khel Khel Mein is directed by Mudassar Aziz. The film is scheduled to hit the theatres on August 15, 2024, coinciding with the release of Shraddha Kapoor and Rajkummar Rao starrer Stree 2.

## Bigg Boss Marathi 5: Pushkar Jog Criticises Nikki Tamboli For Her Behavior

The fifth season of Bigg Boss Marathi has begun with a bang. The show has attracted a massive number of audiences. On the very first day of the show, sparks of controversy were witnessed at the house. An argument broke out between two contestants which has greeted a huge stir in the Marathi entertainment industry. Another famous actor has now shared a story expressing his reactions on social media.The first day of the show witnessed a serious clash between actress Nikki Tamboli and Varsha Usgaonkar. During the argument, Nikki used some strong words against Varsha. Several artists from the Marathi film and television industry express their anger. They mentioned that Nikki has no respect towards her senior artists. Popular actor Pushkar Jog also expressed his anger towards the actress for her attitude. In an Instagram Story, he shared that he supported Varsha.

The actor wrote in his story, "Nikki Do you know a word called "manners"?? It's so disappointing to see a senior legendary actress @varshausgaonker mam treated like this. we are with you, mam. There is a way to play the game. One shouldn't forget dignity. Varsha mam. I stand by you."The controversy started after the organisers of the show provided the contestants with money to buy their essentials. The contestants chose to buy only ration and neglected the purchase of beds. Then Bigg Boss imposed a rule forbidding the use of beds for everyone. However, Varsha Usgaonkar used a bed to sleep. A punishment was given as the Bigg Boss asked the contestant to return the amounts.